राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 110058
पुस्तकालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2007-2008

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित

वार्षिक प्रतिवेदन

2007-2008

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुल-सचिव,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	**5-7**
1.1	संस्था	5
1.2	भूमिका एवं कार्य	5
1.3	कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप	6
1.4	अध्यापन	6
1.5	शिक्षक-प्रशिक्षण	6
1.6	शोध	6
1.7	आंतरिक छात्रवृत्ति	6
1.8	प्रकाशन	7
1.9	दूरदर्शन प्रसारण	7
2.	**2007-2008 वर्ष के दौरान उपलब्धियाँ**	**8**
3.	**संरचना तथा गतिविधियां**	**9-13**
4.	**अनुभाग**	**14-25**
4.1	शैक्षणिक अनुभाग	14
4.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	14
4.3	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	16
4.4	परीक्षा अनुभाग	20
4.5	प्रशासन अनुभाग	22
4.6	वित्त अनुभाग	22
4.7	योजना अनुभाग	23
4.8	पुस्तकालय	25
5.	**परिसर**	**27-52**
5.1	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	27
5.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	30
5.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	33
5.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	34
5.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	37
5.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	38
5.7	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)	40
5.8	गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)	43
5.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	45
5.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	48
6.	**योजनाएँ**	**53-61**
6.1	संस्कृत-प्रोत्साहन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं और पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	53

6.2	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा	55
6.3	शास्त्र चूड़ामणि योजना	56
6.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	57
6.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	57
6.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण-पत्र देने की योजना	57
6.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	58
6.8	ग्रन्थ क्रय योजना	59
6.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता की योजना	59
6.10	शोध तथा उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति प्रदान हेतु योजना	60
6.11	असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान-राशि देने हेतु योजना	61
7.	**वर्ष की प्रमुख घटनाएँ**	**62-69**
7.1	मानाभिषेक समारोह (21.5.2007)	62
7.2	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय का दीक्षान्त-समारोह (12.9.2007)	63
7.3	संस्कृत सप्ताहोत्सव (25-31 अगस्त, 2007)	64
7.4	हिन्दी पखवाड़ा (14-30 सितम्बर, 2007)	66
7.5	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा (26-28 दिसंबर, 2007)	67
7.6	कौमुदीमहोत्सव (अन्तःपरिसर संस्कृत नाट्य-कला प्रतियोगिता) 24-26 नवम्बर, 2007	68
8.	**संलग्नक**	**70-111**
	क. प्रबन्धन-परिषद् के सदस्यों की सूची	70
	ख. वित्त-समिति-सदस्यों की सूची	71
	ग. संकाय सदस्यों का परिसरवार विवरण	72
	घ. नवम्बर 2007 से अक्टूबर 2008 तक आयोजित मौखिक परीक्षा में सम्मिलित विद्यावारिधि के छात्रों की सूची	80
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	83
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	91
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	94
	ज. मुख्यालय में अनुभागवार कार्यरत स्टाफ संख्या	100
	झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण	102
	ञ. वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण	103
	ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	105
	ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	109
	ड. परवर्ती वर्ष हेतु शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों के विचारित प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या का विवरण	110
	ढ. वर्ष 2007-08 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट तथा लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखे	112

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसके बाद संस्थान) की संस्थापना अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपनी संकल्पना से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक स्वायत्त निकाय भूमिका अपनाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट महत्त्वपूर्ण कार्यों, अप्रकाशित संस्कृत मूल-पाठों के श्रेष्ठ प्रकाशनों, 50,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी. -1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. संस्कृत विद्या की सभी विधाओं में शोध का आरम्भ, अनुदान, प्रोत्साहन तथा संयोजन करना है, साथ-साथ शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि को भी संरक्षण देना है जिससे पाठमूलक प्रासंगिक विषयों के साथ आधुनिक शोध के निष्कर्ष का सम्बन्ध स्पष्ट किया जा सके तथा इनका प्रकाशन हो सके।

ii. देश के विविध भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, अधिग्रहण तथा संचालन करना एवं समान उद्देश्यों वाली अन्य संस्थाओं को संस्थान से संबद्ध करना।

iii. केन्द्रीय प्रशासनिक निकाय के रूप में इसके द्वारा स्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का प्रबंधन तथा उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिकाधिक प्रभावी सहयोग करना जिससे विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यापीठों के बीच कर्मचारियों, छात्रों व शोध तथा राष्ट्रीय कार्य-विभाजन के अन्तर्बदल और स्थानान्तरण को सुसाध्य एवं तर्कसंगत बनाया जा सके।

iv. संस्कृत के संवर्धनार्थ भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में उनकी नीतियों एवं योजनाओं को लागू करना।

v. उन शैक्षणिक शाखाओं में अनुदेश एवं प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना जिन्हें संस्थान उचित समझता हो।

vi. शोध एवं ज्ञान के प्रसार हेतु समुचित मार्गदर्शन एवं व्यवस्था करना।

vii. अतिरिक्त प्राचीर अध्ययन, विस्तरित कार्यक्रम तथा सम्बन्धित दूरस्थ क्रिया-कलापों का उत्तरदायित्व लेकर समाज के विकास को योगदान देना।

viii. इनके अतिरिक्त उन सभी उत्तरदायित्वों एवं कार्यों का निष्पादन करना जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछित हों।

1.3 कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:-

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने दस परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। विद्यालय स्तर पर संस्थान अंग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य आधुनिक विषय जैसे इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान और गणित आदि के लिए सी.बी.एस.ई. के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री-स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण :

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.6 शोध :

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, कुछ चयनित शाखाओं में मात्र शोध-गतिविधियों हेतु पूर्ण समर्पित है। हालांकि, सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष **विद्यावारिधि** की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.7 आन्तरिक छात्रवृत्ति :

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विविध विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों तथा शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति क्रम से 300 रुपये, 400 रुपये, 400 रुपये तथा 500 रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे विद्वानों को 1500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 2000 रुपये वार्षिक निरंतरता अनुदान भी दिया जाता है। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2007-08 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है।

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि	एम. एड
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III		I	II		
1.	गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	30	17	49	45	27	50	120	102	–	–
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मू	30	07	32	17	08	43	28	14	–	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	30	13	38	24	23	50	25	19	01	–
5.	जयपुर परिसर जयपुर	30	25	60	57	59	30	53	55	–	13
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	10	04	11	13	05	50	23	20	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी	28	18	29	27	25	50	39	27	–	–
8.	गरली परिसर गरली	48	28	55	44	26	–	43	37	–	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	09	03	07	09	13	50	12	15	–	–
10.	के.जे.सौमैया सं.वि. परिसर मुम्बई	12	06	08	03	07	91	06	02	–	–
	योग	227	121	289	239	193	414	349	291	01	13
						कुल योग – 2,137					

1.8 प्रकाशन :

शोध पत्रिकाएँ –

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्श:' और 'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा उच्च स्तरीय प्रकाशनों का नियमित प्रकाशन हो रहा है। वर्ष 2007-08 में प्रकाशित कुल प्रकाशन 18 हैं।

1.9 दूरदर्शन प्रसारण :

दूरदर्शन के माध्यम से संस्कृत अध्ययन कार्यक्रम पहले ही आरम्भ किया जा चुका है और यह कार्यक्रम इग्नू के 'ज्ञान दर्शन' चैनल पर प्रतिदिन दिखाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के 535 कथानक दिखाए जा चुके हैं। प्रसार भारती के डी.डी. भारती तथा डी.डी. इण्डिया भी इस कार्यक्रम को सप्ताह में तीन बार प्रसारित करते हैं। यह कार्यक्रम, लोगों को बहुलता से अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और संस्थान को प्रशंसा मिल रही है।

इस वर्ष डी.डी. भारती तथा डी.डी. इण्डिया के माध्यम से 156 कथानक प्रसारिक किए जा चुके हैं।

2. वर्ष 2007-2008 के दौरान उपलब्धियाँ

- 12 नये प्रकाशन प्रकाशित किए गये।
- 6 पुनर्मुद्रण संस्करण निकाले गये।
- 14582 छात्र संस्थान की परीक्षाओं में बैठे।
- 3591 छात्रों का संस्थान परिसरों में दाखिला हुआ।
- 19459 छात्रों को शोध व उच्चमाध्यमिकोत्तर योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- 37 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई।
- संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना के अधीन 535 ग्रन्थों का थोक में क्रय हुआ।
- संस्कृत साहित्य प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 70 प्रकाशन प्रकाशित किए।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 728 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 1460 शिक्षकों को, स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- 8144 छात्रों को, स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अधीन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- संस्कृत पाठशाला के अन्तर्गत आधुनिक शिक्षकों हेतु 31 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- आधुनिक संस्कृत पाठशालाओं की विकास योजना के अन्तर्गत 64 शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- संस्थान के अंगीभूत परिसरों में 3745 छात्र अध्ययनरत थे।
- अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा में 2007-08 शास्त्र शलाका परीक्षा का आयोजन किया गया।
- लगभग 18215 छात्रों ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्याक्रम में भाग लिया।
- इस वर्ष के कौमुदीमहोत्सव के अन्तःपरिसर संस्कृत नाटकोत्सव में 50 संस्कृत नाटकों का मंचन हुआ।

3. संरचना एवं क्रियाकलाप

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान का पदेन प्रधान होता है। वर्तमान में, **माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाध्यक्ष हैं।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। सम्प्रति प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी कुलपति के पद पर आसीन हैं। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. **प्रबन्धन परिषद्**—संस्थान में प्रबन्धन प्रमुख अंग है। नीति-निर्णयों तथा निर्णयों के कार्यन्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **योजना तथा परिवीक्षण परिषद्**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. **वित्त समिति**-प्रबन्धन परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा—सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2007-08 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

बोर्ड/परिषद्/समिति	बैठकों की संख्या
प्रबन्धन बोर्ड	4
वित्त समिति	9
शैक्षिक परिषद्	1
सहायता अनुदान समिति	2
परीक्षा मण्डल	शून्य
शोध मण्डल	शून्य
छात्रवृत्ति चयन समिति	1
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	शून्य

प्रबन्धन-बोर्ड तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क' व 'ख' में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित सात अनुभागों के माध्यम से कार्य करता है जिनके प्रधान उप/सहायक कुल-सचिव है:

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. प्रशासन अनुभाग
6. वित्त अनुभाग
7. योजना अनुभाग

1 शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्यों के निष्पादन हेतु मानक-निर्धारण, शैक्षिक-कार्यक्रमों के कैलेंडर निर्माण तथा विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

2 शोध तथा प्रकाशन अनुभाग

यह एकक संस्थान के विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन तथा अंगीभूत परिसरों के शोध तथा प्रकाशन गतिविधियों के समन्वयन, शोध तथा प्रकाशन कार्यक्रमों और संस्थान के परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता तथा पुस्तकों के थोक क्रय जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

3 पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर दिये जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करता है तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

पत्राचार पाठ्यक्रम निम्नलिखित प्रदान करता है :

क. संस्कृत के प्रथम वर्ष में प्रारम्भिक पाठयक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

ख. संस्कृत के द्वितीय वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

स्वाध्याय के आरम्भ स्तर से प्रारंभ कर, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा अनुभाग पञ्चस्तरीय पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करता है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता है।

4 परीक्षा अनुभाग :

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों हेतु वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रथमा	(कक्षा आठवीं)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा दसवीं)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा बारहवीं)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा बारहवीं)
शास्त्री	(बी.ए.)
शिक्षाशास्त्री	(बी.एड.)
आचार्य	(एम.ए.)

परीक्षा अनुभाग के माध्यम से, संस्थान द्वारा शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष एक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा का संचालन किया जाता है। इसे पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) के नाम से जाना जाता है।

परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) से पुरस्कृत करने हेतु यह शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन तथा मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है।

5 प्रशासन अनुभाग :

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। साथ ही यह परिसरों के प्रशासन पर भी पूर्ण रूप से नियन्त्रण रखता है।

6 वित्त अनुभाग :

यह अनुभाग बजट का विवरण, अनुदान का वितरण, वित्तीय व्यवस्था तथा वार्षिक लेखा-जोखा आदि तैयार करता है। यह भविष्य निधियों का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

7 योजना अनुभाग :

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को आर्थिक अनुदान देना, आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों और संस्कृत शब्दकोश परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

8 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़ीसा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्नाटक
8.	गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

ये परिसर निम्नांकित पाठ्यक्रमों हेतु निर्देशन कार्य करते हैं। केवल इलाहाबाद परिसर में शोध कार्यक्रम का संचालन होता है –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	एम.एड	एम.एड
6.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, शृंगेरी, भोपाल, गुरुवायूर और मुम्बई परिसरों में किया जाता है। एम.एड. कार्यक्रम जयपुर में संचालित होता है। शैक्षिक सत्र का प्रारम्भ प्रतिवर्ष जुलाई में, छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है।

निम्नलिखित तालिका से परिसरों में प्रति-कक्षा प्रवेश का पता चलता है–

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि	एम. एड
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III		I	II		
1.	गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	19	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	67	39	63	57	33	104	179	122	–	–
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मू	68	47	60	51	43	100	42	27	–	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	45	54	53	31	43	97	26	33	01	–
5.	जयपुर परिसर जयपुर	50	39	133	88	90	143	85	99	–	25
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	16	16	36	35	14	89	59	35	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर शृंगेरी	30	20	29	31	25	90	39	29	–	–
8.	गरली परिसर गरली	48	47	72	68	57	–	69	54	–	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	23	14	30	24	29	95	13	19	01	–
10.	के.जे.सौमैया सं.वि. परिसर मुम्बई	12	06	08	03	07	91	06	02	–	–
	योग	359	282	484	388	341	809	518	420	21	25
							कुल योग - 3,647				

परिसरों के छात्रों ने 2007-08 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ़ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार दर्शाता है–

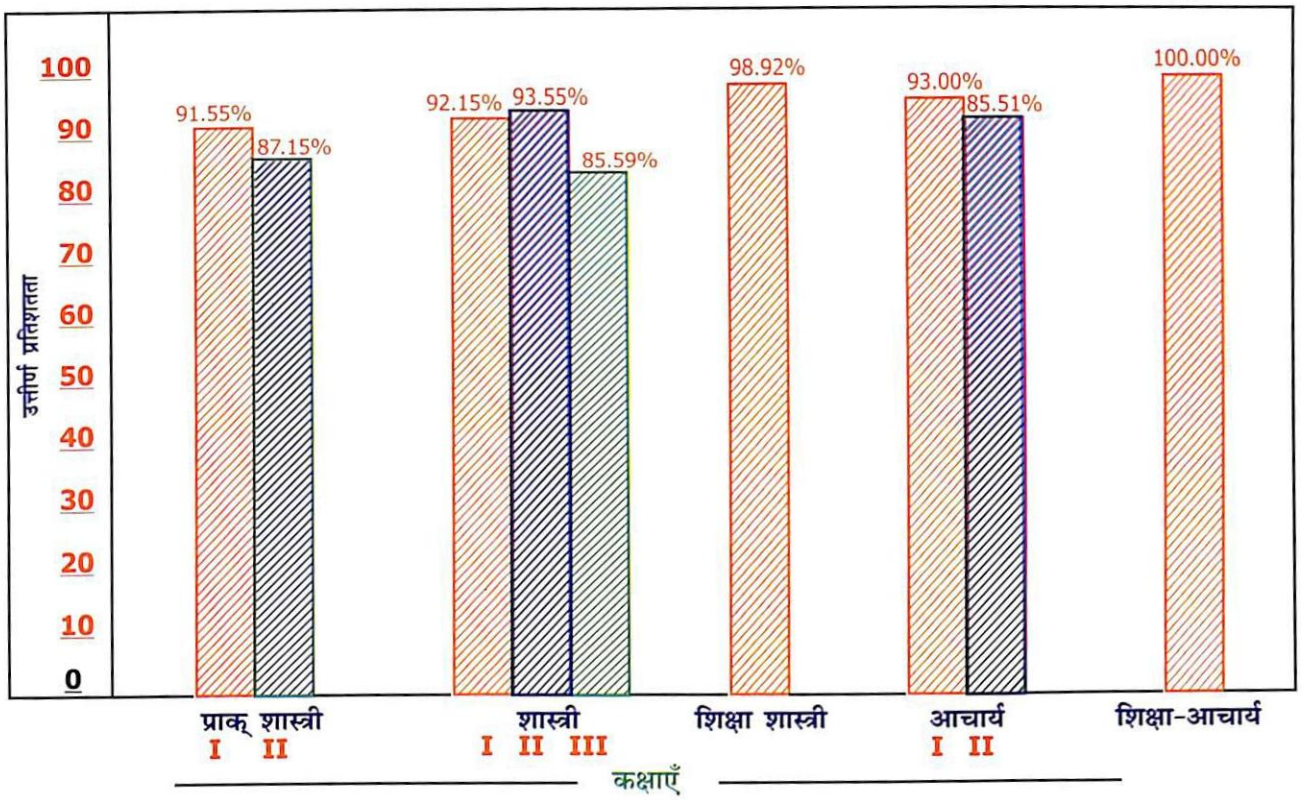

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग है। तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार संकाय-सदस्यों का विवरण संलग्नक-'ग' में दिया गया है।

4. अनुभाग

4.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :–

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह अनुभाग शैक्षणिक कार्य-निष्पादन और शैक्षणिक कार्यक्रम के कैलेण्डर निर्माण हेतु मानकों के निर्धारण के लिए भी उत्तरदायी है।

4.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं : मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा अन्तरित योजनाओं को कार्यान्वित करना। ये निम्नलिखित हैं:–

1. संस्कृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ-साथ संस्कृत साहित्य की रचना।

2. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2007-2008 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दो बार बुलाई गई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के सम्पादन हेतु रु. 109,33,216/- जारी किए गए जिनसे कि उनका सम्पादन-व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न सम्पादकों ने 70 ग्रन्थों का सम्पादन किया।

इसके अतिरिक्त 19 संस्कृत पत्रिकाओं को भी रु. 4,96,250/- का वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया। इस योजना के अन्तर्गत कुल रु. 22,86,578/- की राशि का उपयोग किया गया।

इस वर्ष ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	236
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	874
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	535

प्रस्तुत वर्ष में इस योजना के अधीन दी गई कुल राशि रु. 63,32,342/- है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, रु. 5,70,604/- राशि व्यय करके संस्थान के चार प्रकाशन प्रकाशित किए गए और 6 दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण किया गया। इसके साथ ही इस योजना के अधीन अप्राप्य एवं दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण किया गया और रु. 17,43,692/- के अनुदान का उपयोग किया गया।

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ

यह अनुभाग देश भर में शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं–

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ।
2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी-एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2007-2008 में छात्रवृत्ति प्रदान करने का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित है–

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या (सामान्य)	अनु.जा.	अनु.ज.जा.	छात्रों की कुल संख्या	अपेक्षित वित्त (रूपये)
1.	उप-शास्त्री–I	07	—	—	7x2500	17500
2.	उप-शास्त्री–II	04	—	—	4x2500	10000
3.	पूर्वमध्यमा–I	211	21	—	232x2500	5,80,000
4.	पूर्वमध्यमा–II	73	2	04	79x2500	1,97,500
5.	उत्तरमध्यमा–I	228	10	08	246x3000	7,38,000
6.	उत्तरमध्यमा–II	137	03	07	147x3000	4,41,000
7.	प्राक् शास्त्री–I	43	05	–	48x3000	1,44,000
8.	प्राक् शास्त्री–II	27	–	–	27x3000	81,000
9.	शास्त्री–I	732	98	15	845x4000	33,80,000
10.	शास्त्री–II	413	58	02	473x4000	18,92,000
11.	शास्त्री–III	189	14	–	203x4000	8,12,000
12.	आचार्य–I	179	8	–	187x5000	9,35,000
13.	आचार्य–II	187	13	–	200x5000	10,00,000
14.	नवीं	2980	115	90	3185x2500	79,62,500
15.	दसवीं	1962	72	43	2077x2500	51,92,500
16.	ग्यारहवीं	4139	152	41	4332x3000	1,29,96,000
17.	बारहवीं	1526	24	10	1560x3000	46,80,000
18.	बी.ए.–I	2157	217	13	2387x4000	95,48,000
19.	बी.ए.–II	1512	76	12	1600x4000	64,00,000
20.	बी.ए.–III	1004	50	03	1057x4000	42,28,000
21.	एम.ए.–I	345	36	03	384x5000	19,20,000
22.	एम.ए.–II	120	06	01	127x5000	6,35,000
23.	पी-एच.डी	48	04	–	52x20,000	10,40,000
	कुल	**18,223**	**984**	**252**	**19459**	**6,48,30,000**

4.3 पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

संस्थान ने वर्ष 2006-2007 के दौरान इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम
2. संस्कृत स्वाध्याय योजना
3. पत्राचार पाठ्यक्रम
4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
5. दूरस्थ शिक्षा

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

शैक्षणिक वर्ष 2007–2008 के मध्य अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत द्वितीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन किया गया। देशभर के 839 केन्द्रों में लगभग 18215 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। ऐसे केन्द्रों की संख्या का राज्यवार विवरण निम्नलिखित रूप में हैं:

क्रम सं	राज्य	प्रथम चक्र	द्वितीय चक्र
1.	आन्ध्र प्रदेश	04	01
2.	बिहार+झारखण्ड	05	05
3.	दिल्ली	05	03
4.	गुजरात	05	04
5.	हरियाणा	18	18
6.	जम्मू एवं कश्मीर	06	06
7.	कर्नाटक	31	31
8.	केरल	07	05
9.	महाराष्ट्र+गोवा	02	–
10.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	57	57
11.	उड़ीसा	60	60
12.	पंजाब	04	04
13.	हिमाचल प्रदेश	06	06
14.	राजस्थान	25	18
15.	उत्तराखंड	09	09
16.	उत्तर प्रदेश	118	118
17.	पश्चिम बंगाल	12	12
18.	उत्तर पूर्व राज्य	103	5
	योग	**477**	**362**
	कुलयोग –		**839**

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

परिणामस्वरूप, भारत भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से अनेकानेक लोगों ने संस्कृत का कार्यसाधक ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी जातियों और समुदायों के लोगों ने संस्कृत सीखने में

अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई द्वितीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। द्वितीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहे।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध/महत्वपूर्ण संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु संस्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य-संयोजक (अनौ. संस्कृत शिक्षा)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, सेवा-निवृत्त प्रधानाचार्य, एस.वी.जे.वी. संस्कृत कलाशाला, म.नं. 10-12-12, कोव्वुर-534350, पश्चिम गोदावरी जिला (ए.पी.)।
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, प्रवक्ता, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)।
3.	दिल्ली	डॉ. पंकजा घई, प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, लेडी श्रीराम कॉलेज, लाजपत नगर-IV, दिल्ली-110024.
4.	गुजरात	डॉ. एच.एम. पाण्डे, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र 15, कल्याण बाग, जूनाडोर बाजार, कंकरिया, अहमदाबाद-380028.
5.	हरियाणा	डॉ. सी.डी. सिंह कौशल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विद्यालय परिसर, कुरुक्षेत्र-136119.
6.	हिमाचल प्रदेश व पंजाब	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307.
7.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, ग्रा/पो. कोट भलवल, समीप सेन्ट्रल जेल, तहसील/जिला-जम्मू-181122.
8.	कर्नाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी-577139, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक।
9.	केरल	डॉ. पी. श्रीनिवासन, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, पो. पुरानट्टुकड़ा, जिला त्रिचूर-680551 (केरल)।
10.	महाराष्ट्र (विदर्भ)	प्रो. पंकज चांदे, कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, जिला-नागपुर, महाराष्ट्र।
11.	महाराष्ट्र	डॉ. श्रीपाद भट्ट, संस्कृत विभागाध्यक्ष, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, विद्यापीठ भवन, गुलटेकरी, पुणे-411037.

12.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	प्रो. पी.एन. शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, ई-7/62, अरेरा कालोनी, समीप सैन बोर्ड, भोपाल-462016 (म.प्र.)।
13.	उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. नृपेन्द्रनाथ शर्मा, उत्तर पूर्व क्षेत्र, पंचजन्य, लक्ष्मी नगर, राधा गोबिन्द बरूआ मार्ग, गुवाहाटी, असम-781005.
14.	उड़ीसा	प्रथम चक्र में प्रो. सीएच. एल.एन.शर्मा, प्रो. एवं शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001, उड़ीसा (सम्प्रति जयपुर परिसर, जयपुर में स्थानान्तरित)।
		द्वितीय चक्र में डॉ. सुकान्त कुमार शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001, उड़ीसा।
15.	राजस्थान	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाई-पास, जयपुर-302018 (राजस्थान)।
16.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामाकृष्ण मिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मइलापुर, चेन्नई-110004
17.	उत्तराखण्ड	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, सचिव, संस्कृत अकादमी, रानीपुर झाल, नेशनल हाईवे, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।
18.	उत्तर प्रदेश	डॉ. एम. चन्द्रशेखर, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ-226010.
19.	पश्चिम बंगाल	श्री तन्मय भट्टाचार्य, रामाकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट आफ कल्चर, शोध विभाग, गोल पार्क, कोलकाता-700029.

डॉ. रत्न मोहन झा, व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को कार्यक्रम संयोजन का भार सौंपा गया है।

2. संस्कृत स्वाध्याय योजना

परिचय :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने संस्कृत की स्वाध्याय सामग्री प्रकाशित करने के लिए संस्कृत स्वाध्याय योजना का कार्यभार लिया है ताकि संस्कृत-शिक्षण में रुचि रखने वाले लोगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। विचाराधीन वर्ष के दौरान स्वाध्याय सामग्री के निर्माण में हुई प्रगति निम्न रूप में है :

प्रकाशित ग्रन्थ

1. संक्षेपरामायणम्–द्वितीय संस्करण प्रकाशित।
2. विदुरनीतिशतकम्–परिशिष्टम् सहित मुख्य पाठ प्रकाशित।
3. वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम (वास्तुशास्त्र पर प्रारम्भिक पाठ्यक्रम)–प्रकाशित।

कार्य प्रगति

1. भर्तृहरिनीतिशतकम् खण्ड-1–प्रेस कॉपी तैयार है।
2. भर्तृहरिनीतिशतकम् खण्ड-2–प्रेस कॉपी तैयार है।
3. भगवद्गीतासंग्रह खण्ड-3–संयोजन कार्य सम्पूर्ण, पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है।
4. रघुवंशम् खण्ड-1–सम्पादन व संयोजन कार्य प्रगति पर हैं।
5. रघुवंशम् खण्ड-3–सम्पादन कार्य प्रगति पर है।

3. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में

प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष। वर्ष 2007-2008 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत अध्ययन हेतु 143 नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण के कार्यक्रम के अन्तर्गत, देश के प्रमुख दैनिकों में एक विज्ञापन 21 दिवसीय दीर्घ स्थानीय संस्कृत शिक्षक शिक्षण कार्यक्रम संचालन हेतु दिया गया था, जिसका उद्देश्य संस्कृत माध्यम में संस्कृत शिक्षण कौशल और भाषा सक्षमता का प्रोन्नयन था। शिक्षकों के शिक्षण समूह में चुने जाने हेतु पूर्व-प्रशिक्षण परीक्षा, मौखिक तथा लिखित में, बैठने के लिए ग्रेजुएट तथा इससे अधिक शिक्षितों से आवेदन आमन्त्रित किए गए थे।

इस शृंखला में, संस्थान ने 10 से 30 मई, 2007 तक राजीव गान्धी परिसर,शृंगेरी (कर्नाटक) में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। प्रशिक्षण हेतु 43 प्रतिभागियों का नामांकन हुआ। डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, विद्वान एच.वी. नागराज राव, डॉ. के. गणपति भट्ट, विद्वान श्री जनार्दन हेगडे, डॉ. विस्वास, डॉ. नागरत्न हेगडे, डॉ. शान्तला विस्वास, डॉ. सी.एस.एस. नरसिम्हा मूर्ति, डॉ. रमाकान्त मिश्रा, डॉ. रामचन्दुल बालाजी और श्री सीएच.के. पद्मनाभम इस कार्यक्रम के विदग्ध व्यक्ति थे। कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक हुआ।

अन्य शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, निर्धन निकेतन, खड़खड़ी, हरिद्वार में 12-6-2007 से 2-7-2007 तक किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 63 प्रतिभागियों का नामांकन हुआ। प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन देने में डॉ. बुद्धदेव शर्मा, डॉ. राघव कुमार झा, डॉ. प्रकाश पन्त, प्रो. महावीर अग्रवाल, श्री वेंकटेश मूर्ति और डॉ. रत्न मोहन झा प्रमुख विदग्ध व्यक्तियों ने अपने बहुमूल्य समय एवं ज्ञान का योगदान किया। कार्यक्रम अत्यन्त सफल हुआ।

दूरस्थ शिक्षा:

माननीय मन्त्री श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, नई दिल्ली ने दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में 12-9-2007 को किया। दूरस्थ शिक्षा का उद्देश्य अध्येता को उसके घर पर ही शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह भी आवश्यक है कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अध्येताओं को संस्कृत संबंधी उत्कृष्ट पाठ्य-सामग्री, शिक्षण, प्रशिक्षण और मार्ग-दर्शन उपलब्ध कराया जाए। दूरस्थ शिक्षा विधि अध्येताओं को आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य होगी और आसानी से उपलब्ध होगी। इसे अध्येता अपनी सुविधा अनुसार सीख सकते हैं।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम को कार्यक्रम प्रस्तुत करने की मान्यता दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डी.ई.सी.), इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली द्वारा प्रदान की गई है।

दूरस्थ विधि में छात्रों के मार्गदर्शन हेतु एक परामर्शदाता होगा। यह भी आवश्यक है कि पाठ्य-सामग्री इस प्रकार से तैयार की जाए कि किसी शिक्षक की आवश्यकता ही महसूस न हो। ऐसी अवस्था में अध्ययन-सामग्री को सुगमता से तुलनात्मक, सुविधाजनक ढंग से एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए तैयार करना अत्यावश्यक है। प्राक् शास्त्री, शास्त्री प्रथम वर्ष और आचार्य प्रथम वर्ष स्तर के व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष विषयों की पाठ्य-सामग्री के निर्माण में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग देते रहे हैं।

अत: संस्थान ने दूरस्थ शिक्षा विधि के माध्यम से उपर्युक्त पाठ्य-सामग्री के निर्माण हेतु विभिन्न कक्षाओं में कार्यशालाओं का निर्धारण किया है।

इस प्रक्रिया में स्ट्राइड, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के दिशानिर्देश में एक कार्यशाला का आयोजन 6 से 12 अगस्त 2007 तक किया गया। इसमें प्राक् शास्त्री और शास्त्री प्रथम वर्ष कक्षाओं हेतु व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष विषयों पर सामग्री निर्माण में प्रो. सी.एस.आर. मूर्ति और डॉ. संजय मिश्रा ने योग्य मार्गदर्शन दिया। इस कार्यक्रम में 35 विद्वानों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम स्ट्राइड, इग्नू, नई दिल्ली के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इसी क्रम में आचार्य प्रथम वर्ष कक्षा हेतु व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष पर पाठ्य-सामग्री के लिए एक अन्य कार्यशाला का आयोजन पुरी परिसर, पुरी (उड़ीसा) में 16 से 25 अगस्त, 2007 तक किया गया। उक्त कार्यक्रम में 25 विद्वानों ने सहभागिता की।

4.4 परीक्षा अनुभाग

इस अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ शैक्षिक परिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों और इस उद्देश्य से निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2007-2008 के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है–

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	प्रथमा–III	327	229
2.	पूर्वमध्यमा–I	1292	1246
3.	पूर्वमध्यमा–II	1038	967
4.	उत्तरमध्यमा–I	908	794
5.	उत्तरमध्यमा–II	694	490
6.	प्राक्शास्त्री–I	1775	1625
7.	प्राक्शास्त्री–II	1417	1235
8.	शास्त्री–I	1810	1668
9.	शास्त्री–II	1534	1435
10.	शास्त्री–III	1013	867
11.	आचार्य–I	1156	1076
12.	आचार्य–II	856	732
13.	शिक्षाशास्त्री	738	730
14.	शिक्षाआचार्य	24	24
	योग	**14582**	**13118**

इस वर्ष के दौरान 37 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण संलग्नक-घ में दिया गया है।

वर्ष 2007-08 में परिसरों एवं सम्बद्ध संस्थाओं की विभिन्न कक्षाओं में कुल 15242 छात्रों को पंजीकृत किया गया।

संस्थान ने शिक्षा शास्त्री/बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पूर्व शिक्षाशास्त्री परीक्षा का संचालन 2008 में किया। इस प्रवेश-परीक्षा हेतु 6464 छात्रों का पंजीकरण हुआ। उनमें से 5820 छात्र परीक्षा में बैठे तथा विभिन्न आठ परिसरों में प्रवेश हेतु 1579 छात्र सफल घोषित किए गए। शिक्षा-वर्ष 2008-2009 हेतु 762 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

वार्षिक परीक्षा 2008 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	31631	शारदा कुमारी	आचार्य (न. व्याकरण)	गरली
2.	31575	सुधीर कुमार	आचार्य (साहित्य)	श्रृंगेरी
3.	31685	अवधेश कुमार	आचार्य (स. ज्योतिष)	भोपाल
4.	30706	सीमा शर्मा	आचार्य (फलित ज्योतिष)	जयपुर
5.	31725	शुचिस्मिता बेहेरा	आचार्य (सर्वदर्शन)	पुरी
6.	31811	श्रीलेखा पण्डा	आचार्य (धर्मशास्त्र)	पुरी
7.	31705	अनसूया देवी	आचार्य (पुराणेतिहास)	पुरी
8.	31707	सुनीता रानी साहू	आचार्य (पुराणेतिहास)	पुरी
9.	31304	प्रसाद सरजु दास भगत	आचार्य (वि. अद्वैत वेदांत)	दर्शनम् संस्कृत महा-विद्यालय, छरोडी, गुजरात
10.	32051	चेतना विभूति वेदी	आचार्य (स. यर्जुवेद)	बटुकनाथ संस्कृत महा-विद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
11.	31986	प्रदीप कुमार द्विवेदी	आचार्य (ब. दर्शन)	लखनऊ
12.	31834	पुष्प लता मिश्रा	आचार्य (सांख्य योग)	पुरी
13.	31592	अनन्त कृष्ण	आचार्य (नव्य न्याय)	श्रृंगेरी
14.	31593	एस.आर. नागराज	आचार्य (मीमांसा)	श्रृंगेरी
15.	30432	प्रसाद डी.वी.	आचार्य (अद्वैत वेदान्त)	गुरुवायूर
16.	108	शशी भूषण सेनापति	शिक्षा आचार्य	जयपुर
17.	9432	जितेन्द्र कुमार	शिक्षा शास्त्री	श्रृंगेरी
18.	20672	रमेश आर.	शास्त्री	रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महा-विद्यालय, अरुणापुरम्

19.	11386	अनिरुद्ध कर	उत्तर मध्यमा	रामकृष्ण मठ, विवेकानन्द वेद विद्यालय, वेलूर मठ, हावड़ा
20.	14021	तारा कुमारी	प्राक्शास्त्री	डॉ. मदन मिश्रा संस्कृत महा-विद्यालय, बेगुसराय, बिहार
21.	4322	शिलादित्य हलधर	पूर्व मध्यमा	रामकृष्ण मठ, विवेकानन्द वेद विद्यालय, वेलूर मठ, हावड़ा
22.	1101	लक्ष्मणदीप	प्रथमा	लाज्जाराम स.म.,जींद, हरियाणा

संस्थाओं से सम्बद्धता

संस्थान ने कुछ एक परिसरों से कार्य करना आरम्भ किया था। बाद में कुछ निजी रूप से संचालित संस्थाएं इससे सम्बद्ध की गई। इन सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक 'ङ' में दी गई है। संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारों तथा विश्वविद्यालयों के विवरण क्रमशः 'च' और 'छ' संलग्नक में दिए गए हैं।

4.5 प्रशासन अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रियानुसार आन्तरिक व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने हेतु आवश्यक स्थापन सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

जिन परिसरों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए भवन-निर्माण हेतु जमीन प्राप्त करने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। जम्मू परिसर के भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है और इसके नये परिसर में कार्य प्रारंभ हो चुका है। पुरी परिसर ने अपने नव-निर्मित भवन में कार्य करना आरम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त जम्मू, जयपुर, श्रृंगेरी, लखनऊ, पुरी और गुरुवायूर परिसरों में छात्रों एवं छात्राओं के छात्रावास, पुस्तकालय तथा न्यूनतम स्टाफ आवास आदि के द्वितीय चरण के निर्माण प्रगति पर है।

इस वर्ष संस्थान के मुख्यालय में अनुभाग-वार स्टाफ सदस्यों की संख्या प्रतिवेदन के संलग्नक-ज में दी गई है।

4.6 वित्त अनुभाग

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2007-2008) :

वर्ष 2006-2007 के रु. 744.27 लाख की अप्रयुक्त शेष राशि को वित्तीय वर्ष 2007-2008 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 5983.50 लाख का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को अंगीभूत एककों में निम्नलिखित रुप से आबंटित किया गया :–

(रु. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	3139.60	1189.11	4328.71
2.	पुरी परिसर	.....	259.13	259.13

3.	जम्मू परिसर	62.50	207.07	269.57
4.	इलाहाबाद परिसर	.....	123.04	123.04
5.	गुरुवायूर परिसर	.....	162.52	162.52
6.	जयपुर परिसर	.....	196.60	196.60
7.	लखनऊ परिसर	28.00	168.45	196.45
8.	शृंगेरी परिसर	94.67	.....	94.67
9.	गरली परिसर	98.48	.....	98.48
10.	भोपाल परिसर	138.74	.....	138.74
11.	मुम्बई परिसर	115.59	.....	115.59
	योग	**3677.58**	**2305.92**	**5983.50**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं व्यय की अन्य रख-रखाव के मदों पर उपयोग में लाया गया। वित्तीय वर्ष के अन्त में रुपये 788.55 लाख (योजनागत रुपये 590.69 लाख और योजनेतर रुपये 197.86 लाख) की धनराशि बिना व्यय अवशिष्ट रही।

लेखा :–

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी. आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2007-08 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन डी.जी.ए.सी.आर. को लेखा-परीक्षा हेतु भेजे जा रहे हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण :–

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्यों और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है। इसके साथ ही, देश भर के उन संस्कृत पंडितों को जो दयनीय अवस्था में रहते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता देने की योजना का कार्यभार भी इसे सौंपा गया है।

4.7 योजना अनुभाग

यह अनुभाग उप कुल-सचिव (वित्त/योजना) की देख-रेख में कार्य करता है।

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है।

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके

संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2007-2008 में संस्थान द्वारा लगभग रु. 10,19,31,000/- की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान, 728 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा

संस्थान द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष छात्रों को शास्त्रों में आशु भाषण हेतु प्रोत्साहित करने हेतु किया जा रहा है। अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मन्दिरम्, बंगलौर (कर्नाटक) में 25-28 दिसम्बर, 2007 को आयोजित की गई। 16 शिक्षकों सहित 128 छात्रों ने वैशेषिक, वेदान्त, न्याय, सांख्ययोग, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य, अन्त्याक्षरी तथा समस्यापूर्ति से सम्बद्ध प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किया। प्रत्येक राज्य सरकार व संघ-शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वह आठ शास्त्र-विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक शिक्षक सहित आठ प्रतिभागियों के नाम भेजे। प्रत्येक विषय में प्रतियोगी को प्रथम, द्वितीय व तृतीय योग्यता-क्रम में रू.2000/-, रू.1500/- व रू.1000/- के नकद पुरस्कार के साथ एक पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकांत्याक्षरी की पुरस्कार राशि प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार के लिए बढ़ाकर रू. 7000/-, रू. 5000/- व रू. 3000/- कर दी गई है।

विद्यमान दस विषयों के अतिरिक्त शास्त्र शलाका परीक्षा का भी आयोजन किया गया है। शास्त्र शलाका परीक्षा का आयोजन पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मन्दिरम्, बंगलौर (कर्नाटक) में किया गया।

शलाका परीक्षा–2007-2008

1. व्याकरणे -दशगणी णिजादि उत्तरतिङन्तसहिता
2. न्याये -तर्कसंग्रह: न्यायबोधिन्या दीपिकया च सहित:
3. साहित्ये -शिशुपालवधस्य आदिमसर्गत्रयम्

प्रतियोगिता का स्वरूप भारतीय शास्त्र शिक्षण पद्धति की प्राचीन परम्परा से लिया गया है। इसमें छात्र को सम्पूर्ण पाठ इसकी टीका सहित स्मरण रखना होता है और उससे अपेक्षा की जाती है कि वह "रजत शलाका" द्वारा प्रदर्शित बिन्दु से इसका वर्णन और व्याख्या करे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य परम्परा को पुनरुज्जीवित करना और छात्र की स्मरण-शक्ति को तीव्र करना है।

इस वर्ष इस उद्देश्य के लिए रू. 7,32,000/- व्यय किए गए।

प्रक्रियानुसार वर्ष 2008-09 की अगली शलाका परीक्षा हेतु प्रतिभागियों के लिए निम्नलिखित तीन विषयों की घोषणा की गई है–

1. व्याकरणे - "भट्टोजीदीक्षितकृत वैयाकरणसिद्धान्त-कौमुद्याम् उत्तरार्धे आत्मनेपदप्रकरणमारभ्य ग्रन्थसमाप्ति-पर्यन्तं (वैदिकप्रक्रियां वर्जयित्वा)।"
2. न्याये - केशवमिश्रकृता तर्कभाषा सम्पूर्णा।
3. साहित्ये - भोजराजकृतं "चम्पूरामायणम्" (बाल-अयोध्या-सुन्दरकाण्डानि)।

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 30 अन्य शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2007-08 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 17,92,000/- व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चुनी हुई संस्थाओं को

ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2007-08 में रु. 3,50,000/- व्यय किए गए।

(v) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 22 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना के अधीन रुपये 431.74 लाख तथा योजनेतर में रुपये 275.70 लाख रुपए की धनराशि संस्थान द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर एक अतिव्यापक शब्दकोश तैयार करने की परियोजना डेकन कॉलेज, स्नातकोत्तर तथा शोध संस्थान, पुणे द्वारा आरम्भ की गई है। इस परियोजना में व्यय का प्रमुख स्रोत, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस परियोजना पर वर्ष 1948 में विचार किया गया था तथा संबद्ध सामग्री के संग्रहण के बाद सम्पादन-कार्य 1973 में प्रारम्भ किया गया। इस सुविस्तृत शब्दकोश के खण्ड 8 के प्रथम भाग को पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। अगस्त 2007 में खण्ड 8 के द्वितीय भाग को प्रकाशित किया गया जिसमें पृष्ठ संख्या 4009 से 4168 तक कुल 160 पृष्ठ हैं। इस वर्ष इस परियोजना हेतु रुपये 46.89 लाख की राशि आबंटित की गई है।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष 50,000/- रुपये की मानदेय राशि प्रदान करता है।

इस वर्ष के दौरान इस मद में रुपये 154.28 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्र में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन:

वर्ष 2007-2008 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रुपये 33 लाख व्यय किए।

4.8 पुस्तकालय

संस्थान में शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 22000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। परियोजना अधिकारी इस कक्ष के प्रधान हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की भी देखरेख करते हैं।

कक्ष ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है–

पुस्तकालय		
1.	क्रीत ग्रन्थ	रुपये 14,200.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रुपये 137,199.00

विक्रय		
1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रुपये 4,76,407.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रु. 35,25,918.00
	कुल योग	रु. 40,02,325.00

परिसरों की एक झलक

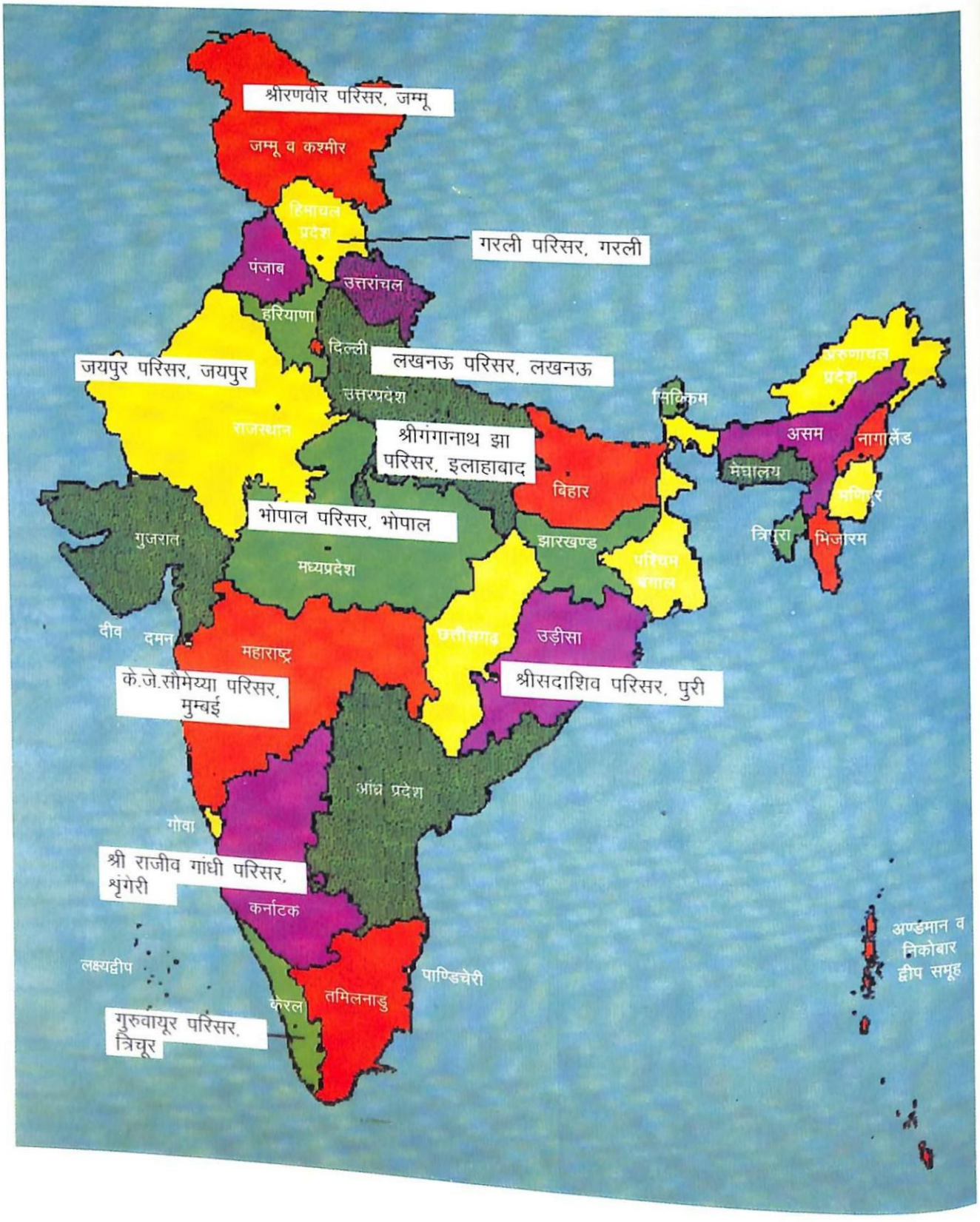
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
गरली परिसर, गरली
पंजाब
उत्तरांचल
हरियाणा
दिल्ली
जयपुर परिसर, जयपुर
लखनऊ परिसर, लखनऊ
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालैंड
मेघालय
मणिपुर
बिहार
भोपाल परिसर, भोपाल
गुजरात
झारखण्ड
त्रिपुरा
मिजोरम
मध्यप्रदेश
पश्चिम बंगाल
दीव
दमन
छत्तीसगढ़
उड़ीसा
महाराष्ट्र
के.जे.सोमेय्या परिसर, मुम्बई
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
आंध्र प्रदेश
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह
लक्ष्यद्वीप
पाण्डिचेरी
केरल
तमिलनाडु
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर

5. परिसर

5.1 गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

इलाहाबाद में पहले गंगानाथ झा शोध संस्थान स्थापित था। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को अपनी अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में 'श्री गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से किया गया। तत्पश्चात् पुनः इसका नामकरण मानित विश्वविद्यालय 'श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद' हुआ। यह परिसर एक ऐसा मान्यता-प्राप्त शोध-केन्द्र है जो संस्कृत साहित्य की विभिन्न विद्याओं के शोध-कार्य हेतु समर्पित है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) की विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोधकार्य के लिए परिसर प्रतिवर्ष निश्चित संख्या में शोध छात्रों को पंजीकृत करता है। इस प्रकार से प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ परिसर के किसी एक प्राध्यापक के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं तथा परिसर में उपलब्ध पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग की सुविधाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालयों एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग मात्र विद्यापीठ के छात्रों तक सीमित नहीं है अपितु सभी विद्वानों हेतु संदर्भ पुस्तकालय के रूप में खुला है। यह संस्कृत में तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचिं रखने वाले समाज के सभी वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को पुस्तकालय की क्षमतानुसार उसके उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है। विचाराधीन वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 1,53,647 रुपयों की पुस्तकों का क्रय किया है।

शैक्षिक स्टाफ़ के सभी सदस्य पंजीकृत छात्रों का शोध-कार्य में मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त संस्थान द्वारा प्रदत्त विषयों पर अपना शोध-कार्य भी करते हैं। परिसर की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है।

शैक्षिक सत्र 2007-08 में 18 छात्रों ने अपने शोध-ग्रन्थ प्रस्तुत किए। इनमे से 4 शोध-छात्रों को 'विद्या-वारिधि' उपाधि प्रदान की गई तथा 19 छात्र शोध-कार्य कर रहे हैं।

परिसर की शोध-पत्रिका का 61वाँ खण्ड प्रकाशित किया गया। अपने प्रकाशन कार्यक्रमों के अतिरिक्त परिसर ने 'वेदभाष्य कोश' परियोजना को प्रारम्भ किया है।

संकाय सदस्यों के क्रियाकलाप :

1. डॉ. (श्रीमती) शैल कुमारी मिश्र, रीडर

(क) शोध मार्ग-दर्शनः 2007 में एक पीएच.डी. छात्र की मौखिक परीक्षा। दो पीएच.डी. छात्रों ने अपने पीएच.डी. के शोध-प्रबन्ध जाँच हेतु प्रस्तुत किये। अब तक 17 पीएच.डी. छात्रों का मार्ग-दर्शन किया।

(ख) हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँः 1. आयुर्वेद ग्रन्थ से सम्बन्धित पारद कल्प विषय। 2. आयुर्वेद ग्रन्थ से सम्बन्धित चिकित्सा राजयक्ष्मा।

(ग) जून 2007 में प्रभारी प्राचार्या।

(घ) सितम्बर 2007 में गंगानाथ झा परिसर के दीक्षांत समारोह में सहभागिता की और प्राचार्यों की बैठक में भाग लिया।

(ङ) 27 जनवरी, 2008 को भारतीय विद्या भवन, इलाहाबाद में पण्डित राम नरेश त्रिपाठी को निमन्त्रित करके ज्योतिष तथा मीडिया विषय पर अध्ययन गोष्ठी का आयोजन किया।

(च) ऑल इण्डिया रेडियो पर संस्कृत समाचार प्रस्तुत किये।

(छ) गंगानाथ झा परिसर द्वारा प्रकाशित उशती नामक पत्रिका एवं गंगानाथ पत्रिका की मुख्य सम्पादिका।

2. डॉ. वी.एन. गिरि, रीडर

(क) पीएच.डी. के छात्रों को मार्गदर्शनः-

(i) जिन्होंने पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की -02

(ii) जिन्होंने शोध-प्रबंध प्रस्तुत किये -06

(iii) पंजीकृत छात्र −16

(ख) प्रकाशन :- रस पर शृंगारविलासिनी निबंध-प्रकाशनाधीन। केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की गंगानाथ झा पत्रिका के सह-संपादक।

(ग) अन्य :- एन.एम.एस. राष्ट्रीय पाण्डुलिपि अभियान के पुनःतैयार किये गये आंकड़ा पत्र का निरीक्षण।

(घ) परिसर प्रशासन के उत्तरदायित्वों का समय-समय पर निर्वहण।

(ङ) क्षेत्रीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सर्वेक्षण।

(च) ऑल इण्डिया रेडियो पर संस्कृत समाचारों का प्रस्तुतीकरण।

3. डॉ. बनमाली बिस्वाल, रीडर

(क) शोध-लेख :- विभिन्न शोध-पत्रिकाओं में हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं में शोध-पेपर प्रकाशित किए।

(ख) शब्द-समस्या पर पतञ्जलि। भारतीय भाषा-विज्ञान का अध्ययन, सम्पादन बी.के. दलाई, भारतीय कला प्रकाशन, दिल्ली, 2007, पी.पी.191-202.

(ग) संस्कृत साहित्य में विशेष सन्दर्भ सहित संग्राहलय और हस्तलिपियाँ। सम्पादन आर.के. पण्डा, भारतीय कला प्रकाशन, दिल्ली, 2007, पी.पी.341-356.

(घ) पाणिनि और उनके मैटालेंग्वेज के विभिन्न पहलू। लेंग्वेज वाल्यूम सेस, पुणे विश्वविद्यालय, 2007.

(ङ) राधा वल्लभ त्रिपाठी का नाट्य साहित्य। घनयानी, लखनऊ, 2007.

4. डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी, रीडर

(क) पाणिनि अष्टाध्यायी के श्लोकों की व्याख्या।

(ख) शब्दामृतम् की गद्य व्याख्या। महार्णव के तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय का सम्पादन।

(ग) तत्त्वकौमुदी-सम्पादनाधीन।

(घ) गंगानाथ झा केन्द्रिय संस्कृत विद्यापीठ की पत्रिका एवं उशती पत्रिका हेतु शोध-पत्रों की प्रस्तुति।

(ङ) प्रथम अंतर्राष्ट्रिय संस्कृत कम्प्यूटर एवं भाषा-विज्ञान संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं व्याख्याता।

(च) औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा हेतु आचार्य प्रथम वर्ष के चतुर्थ पेपर का निर्माण।

(छ) शास्त्री प्रथम वर्ष के चारों पेपरों का निर्माण एवं विद्वानों द्वारा लिखित पेपरों का सम्पादन।

(ज) पाणिनि अष्टाध्यायी विषय पर 12 व्याख्यान माला में कम्प्यूटर वैज्ञानिक। (हैदराबाद केन्द्रिय विद्यालय)।

5. डॉ. जर्नादन प्रसाद पाण्डे

(क) परिसर की उशती पत्रिका का सम्पादन किया।

(ख) उनके मार्गदर्शन में 2 शोध छात्र शोध कार्य कर रहे हैं।

(ग) हस्त-लिखित पाण्डुलिपियों की पुनःजाँच की।

(घ) संस्थान के मुख्यालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की।

(ङ) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा में केन्द्रिय सत्यापन हेतु परीक्षक बने।

6. डॉ. पवन कुमार

(क) जय कृष्ण दीक्षित की दीपा टीका सहित पुरुरवा मनसिजासुरम् पाण्डुलिपि का सम्पादन लगभग सम्पूर्ण है।

(ख) श्री कृष्ण की हस्तलिपि वृन्दावन काव्यम् (टिप्पणी सहित) का सम्पादन लगभग पूर्ण है।

(ग) ऋग्वेद-भाष्य-कोश का निर्माण आरम्भ किया जा रहा है।

(घ) संस्थान की संसाधन निर्धारण एवं क्रय समिति के संयोजक के रूप में कार्य किया।

(ङ) वी.जी.सी. द्वारा प्रायोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में श्रेणी 'ए' के साथ सफलतापूर्वक भाग ग्रहण किया।

7. डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डे, व्याख्याता

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण हेतु आयोजित दूरस्थ शिक्षा की कार्यशाला में 6.8.2007 से 12.8.2007 तक सहभागिता की।

(ख) संस्थान के मुख्यालय द्वारा निर्धारित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया।

(ग) 'ऋग्वेद-भाष्य' के व्यंजनों के शब्दकोश निर्माण हेतु योजना बनाई।

(घ) यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा आयोजित अनुस्थापन कार्यक्रम में सहभागिता की।

(ङ) पाण्डुलिपियों के आंकड़ा पत्र का सत्यापन किया।

(च) 'परिभाषेन्दु शेखर' की मणिप्रभा टीका का सम्पादन किया।

(छ) 'शब्द-शास्त्रीय-उपदेशपदार्थविचार' (निबंध) प्रकाशानाधीन है।

(ज) 'पूर्वत्रसिद्धम्' निर्माणाधीन है।

(झ) सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 'शब्दशास्त्रीय अंतरंग वहिरंगभाष्य विचार' प्रकाशित किया गया।

(ञ) उशती पत्रिका हेतु लेख।

(ट) परिसर की पत्रिका हेतु लेख।

8. डॉ. शैलजा पाण्डेय, शोध सहायक

(क) 'वेदभाष्यकोश' प्रथम भाग प्रेस में है।

(ख) 'सत्योपाख्यान' पाण्डुलिपि के द्वितीय भाग की प्रेस कापी तैयार की।

(ग) पाण्डुलिपि विभाग के आंकड़ा पत्र का सत्यापन किया।

(घ) भूतपूर्व प्रयोजना अधिकारी के सन्दर्भ में पाण्डु-लिपियों का पुन:निरीक्षण किया।

(ङ) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण एवं उसकी रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण।

(च) उशती पत्रिका का सम्पादन।

(छ) 'वास्तुशास्त्रविमर्श पत्रिका', लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत राष्ट्रिय विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), दिल्ली में लेख का प्रकाशन।

(ज) दिनांक 31 मार्च 2008 को लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ में 'भारतीय वास्तु-शास्त्र का ऐतिहासिक विकास' विषय पर विशेष व्याख्यान।

(झ) दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा दिनांक 23 से 25 फरवरी 2008 तक आयोजित गोष्ठी में 'रामायणे सूचना प्रोद्योगिकी' विषय पर शोध पेपर प्रस्तुत किया।

(ञ) 'मे मतम्' ग्रन्थ का प्रकाशन।

9. श्री रामचन्द्र, शोध सहायक

(क) 'विष्णुभक्तिकल्पलता' ग्रन्थ का सम्पादन किया।

(ख) संग्राहालय विभाग के आंकड़ा पत्र का निरीक्षण किया।

(ग) परिसर की क्रय समिति के सदस्य हैं।

10. डॉ. (श्रीमती) बीना मिश्रा

(क) विभाग में स्थापित 2600 हस्तलिपियों का विश्लेषण करके आंकड़ा पत्र तैयार किया।

(ख) हस्तलिखित बंगला लिपि के 90 आंकड़ा पत्र तैयार किये।

(ग) हस्तलिखित मैथिली लिपि के 1000 आंकड़ा पत्र तैयार किये।

(घ) राष्ट्रिय हस्तलिपि मिशन, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित 17000 हस्तलिपियों के आंकड़ा पत्रों का परिसर में निरीक्षण किया।

(ङ) हस्तलिपियों की सुरक्षा के दृष्टिगत 4000 ग्रन्थों को संरक्षित किया।

(च) 'परिसर पत्रिका' एवं 'उशती पत्रिका' हेतु लेख।

(छ) विश्वविद्यालय शोध परियोजना के अन्तर्गत 'मंगलमणिमाला' के भाग-3 का प्रकाशन।

11. डॉ. राम किशोर झा, प्रतिलिपिक

(क) 'मैथिली लिपि' की 1000 हस्तलिपियों का प्रलेखीकरण।

(ख) हस्तलिपियों के सत्यापन हेतु श्री जीवेश्वर झा, पूर्ववर्ती परियोजना अधिकारी के समय में 1473 हस्तलिपियों के अन्वेषण में योगदान।

(ग) 'स्थानीय उद्यान समिति' के सदस्य।

(घ) विभाग की अनेक गतिविधियों में भाग लिया और हस्तलिपियों के कार्य का संयोजन किया।

(ङ) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के निरीक्षण का संयोजन किया।

12. श्री रामरूप, पुस्तकालयाध्यक्ष

(क) परिसर के पुस्तकालय में पुस्तकों का उपहार-475.

(ख) पत्रिका - 38

(ग) क्रीत ग्रन्थ - 02

(घ) रोजगार समाचार पत्र - 02

(ङ) ग्रन्थों के परिग्रहण का कार्य।

(च) ग्रन्थों के वर्गीकरण का कार्य।

(छ) पुस्तकालय की पुस्तकों का सूचीकरण।

(ज) पुस्तकालय का प्रशासन कार्य।

(झ) पुस्तकों का आंकड़ा पत्र तैयार किया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ:

व्याख्यान-माला

1. डॉ. के.डी. त्रिपाठी द्वारा के. सी. चट्टोपाध्याय स्मारक व्याख्यान-माला के तत्त्वावधान में दिनांक 21.10.2007 को व्याख्यान दिया गया।
2. चन्द्रिका प्रसाद शुक्ल द्वारा दिनांक 18.2.2008 को व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मौखिक परीक्षा का आयोजन

1. डॉ. के.ई. धमिधर ने श्री शारदा प्रसाद चतुर्वेदी, शोध-कर्त्ता की मौखिक परीक्षा दिनांक 20.4.2007 को ली।
2. डॉ. भास्कर आचार्य त्रिपाठी, भोपाल ने हंस प्रताप, शोध-कर्त्ता की मौखिक परीक्षा दिनांक 10.12.07 को ली।
3. डॉ. शंकरजी झा, पंजाब विश्वविद्यालय ने श्रीमती कविता पन्त, शोध-कर्त्ता की मौखिक परीक्षा दिनांक 14.2.2008 को ली।

संस्कृत दिवस समारोह

1. दिनांक 31.8.2007 को व्याख्यान का विषय था - 'युगीनापेक्षा: संस्कृतञ्च।'
2. हिन्दी दिवस का आयोजन दिनांक 14.9.2007 को किया गया।
3. गंगानाथ झा परिसर द्वारा कौमुदी महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत 'द्रुत समागम' नामक संस्कृत प्रहसन प्रस्तुत किया गया।

5.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)

परम्परागत संस्कृत अध्ययन-अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित पूर्ववर्ती सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का 15 अगस्त, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधि ग्रहण किया गया। प्रबन्धन के अन्तरण के पश्चात् पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी मिल जाने के कारण अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के रूप में कार्य कर रहा है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, सांख्य योग, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्राक् शास्त्री से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है। परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार शास्त्री व प्राक्शास्त्री की कक्षाओं में अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास, गणित और कंप्यूटर शिक्षा जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। परिसर में बी.एड. के बराबर शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

परिसर के शैक्षिक क्रियाकलाप 4.78 एकड़ भूमि पर नव-निर्मित भवन में आरम्भ हो गए हैं। परिसर में पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर लगभग 50000 पुस्तकों, हस्तलिपियों और पत्रिकाओं से युक्त अति समृद्ध पुस्तकालय है।

इस वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 676 छात्र पंजीकृत थे। इन छात्रों में 376 छात्राएँ थीं। 155 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई थी।

छात्रों के क्रिया-कलाप

परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के संरक्षण में श्री सदाशिव परिसर 10 परिसरों में से एक है। यह श्री जगन्नाथ पुरी, उड़ीसा में अवस्थित है जो श्री जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित 4 धामों में से एक है। यह परिसर गान्धी घाट मौजा के समीप 4.780 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। इसकी 10.5 एकड़ भूमि बालखण्ड मौजा में भी है।

पुस्तकालय

यह नगर का बहुत बड़ा एवं प्रसिद्ध पुस्तकालय है जिसमें असंख्य बहुमूल्य पुस्तकें तथा दुर्लभ हस्तलिपियाँ हैं।

छात्रावास

इसमें तीन छात्रावास हैं जिनमें से एक छात्राओं के लिए है जो कि परिसर में ही अवस्थित है।

शैक्षिक क्रियाकलाप

प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष से आचार्य द्वितीय वर्ष तक शिक्षण प्रदान किया गया। कुल 676 छात्र पंजीकृत थे।

अर्ध-वार्षिक परीक्षा

इसका आयोजन प्रथम बार सभी स्टाफ सदस्यों विशेषतया डॉ. खगेश्वर मिश्र, श्री एस.वी. रमणमूर्ति, डॉ. एम.एम. झा और डॉ. एन.के. पाण्डे की अमूल्य सहायता से किया गया।

साहित्यिक प्रतियोगिताएँ

चैम्पियन-वरिष्ठ दल-राधाकान्त पाण्डा, शास्त्री द्वितीय वर्ष, कनिष्ठ दल-सौम्यरंजन सारंगी, प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष, पूर्ण चन्द्र त्रिपाठी, शास्त्री प्रथम वर्ष ने मुम्बई में आयोजित अखिल भारतीय बाटा गया शरण सिंह हिन्दी प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा बंगलौर में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में लक्ष्मीधर पाण्डा, आचार्य द्वितीय वर्ष ने व्याकरण में प्रथम स्थान प्राप्त किया और नीलमाधव दाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्काउट और गाइड

परिसर में शिक्षा शास्त्री के विद्यार्थियों हेतु एक शिविर का आयोजन 21.11.07 से 30.11.07 तक किया गया। उड़ीसा राज्य स्काउट और गाइड के श्री ललित मोहन पटनायक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एम.एम. झा ने शिविर का आयोजन सफलता-पूर्वक किया।

प्रथम उपचार

श्री विमल प्रसाद महन्ती, पी.टी.आई. ने शिक्षा शास्त्री के छात्रों को प्रशिक्षित किया।

शैक्षणिक भ्रमण

इसका आयोजन शिक्षा शास्त्री के छात्रों के लिए किया गया था और उन्होंने कोलकाता तथा शान्तिनिकेतन की यात्रा की।

छात्रवृत्ति

संस्थान के नियमानुसार प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष से लेकर आचार्य द्वितीय वर्ष, विद्यावारिधि एवं शिक्षा शास्त्री की कक्षाओं के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

संस्कृत दिवस

25 अगस्त से 31 अगस्त 2007 तक एक सप्ताह के लिए मनाया गया। प्रो. चन्द्रशेखर दाश और पंडित हर मोहन दास सम्मानित किए गए। प्राचार्य डॉ. जी. गंगन्ना

ने अध्यक्षता की। प्रो. गोपीनाथ महापात्रा, कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी मुख्य अतिथि थे।

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर, 2007 को मनाया गया। डॉ. एफ.एम. पाण्डा, डॉ. उदयनाथ झा, डॉ. श्रीनिवास आचार्य और डॉ. केतकी महापात्रा ने व्याख्यान दिए।

दूरस्थ शिक्षा शिविर

इसका आयोजन ज्योतिष, व्याकरण और साहित्य विषयों पर डॉ. रत्न मोहन झा के मार्गदर्शन में किया गया। इसके आयोजन में श्री एस.वी. रमण मूर्ति एवं डॉ. एम.एम. झा ने सहयोग दिया।

तेरहवीं गान्धी जयन्ती

2 अक्टूबर, 2007 को मनाई गई। इस तिथि को विश्व भर में अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस मनाया गया।

कौमुदी महोत्सव

नवम्बर, 2007 के अन्तिम सप्ताह में नई दिल्ली में मनाया गया। इसमें हमारे छात्रों ने श्री एस.वी. रमण मूर्ति व डॉ. एन.के. पाण्डे के मार्गदर्शन में ओडिसी नृत्य एवं भर्तृहरि निर्वेदम् नाटक में भाग लिया। नाटक का दिशानिर्देश डॉ. यू.एन. झा ने किया।

विस्तार व्याख्यान

प्रो. हरिहर झा, भूतपूर्व प्राचार्य ने 23 नवम्बर, 2007 को व्याख्यान दिया। तिरुपति के प्रो. नागमुनि रेड्डी ने शिक्षा शास्त्र पर व्याख्यान दिया। प्रो. के.सी. महापात्रा, प्रो. के. पांधी और प्रो. एन.के. पाटी ने भी छात्रों को व्याख्यान दिए।

वार्षिक समारोह

परिसर में 19 व 20 दिसंबर, 2007 को आयोजित किया गया। दरभंगा के डॉ. वी.एस. त्रिपाठी और केन्द्रीय विद्यालय, पुरी के प्राचार्य डॉ. ओझा ने मुख्य अतिथियों के रूप में अवसर पर शोभा बढ़ाई।

खेल-कूद एवं क्रीड़ा 2007-2008

श्री सदाशिव परिसर, पुरी का सत्र 2007-08 वार्षिक खेल-कूद मुकाबला दिनांक 10 और 11 दिसंबर, 2007 को रिज़र्व पुलिस लाइन ग्राउंड, पुरी पर शान एवं समारोह के साथ आयोजित किया गया। उक्त मुकाबले में 172 प्रतियोगियों ने अति उत्साह सहित भाग लिया। श्री सुभाष चन्द्र दास, शास्त्री प्रथम वर्ष, हपीना पात्रा, आचार्य द्वितीय वर्ष, बापूजी महाराणा व राजेन्द्र मिश्रा, पी.एस. द्वितीय वर्ष और लक्ष्मीप्रिय मानसिंह, पी.एस. प्रथम वर्ष क्रमशः वरिष्ठ बालक, वरिष्ठ बालिका, कनिष्ठ बालक और कनिष्ठ बालिका मुकाबलों में चैम्पियन रहे। खेलकूद में अधिकतम अंकों के आधार पर आचार्य द्वितीय वर्ष ने कक्षा चैम्पियनशिप प्राप्त की।

कतिपय उपलब्धियाँ

1. पर्यटन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन युवक छात्रावास, पुरी में दिनांक 28.8.2007 को किया गया। श्री चिन्मय कुमार बहेड़ा, शास्त्री द्वितीय वर्ष और श्री द्रविण कुमार कर, पी.एस. द्वितीय वर्ष ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया।
2. उड़ीसा राज्य की 15 वर्ष से कम बालक व बालिकाओं की शतरंज चैम्पियनशिप का आयोजन 1.9.2007 से 3.9.2007 तक पुरी में किया गया। श्री विश्वरंजन सत्पथी, पी.एस. प्रथम वर्ष ने हमारे परिसर का प्रतिनिधित्व किया।
3. काजल साहू, पी.एस. प्रथम वर्ष ने अखिल उड़ीसा योगासन चैम्पियनशिप में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसका आयोजन व्यायाम भवन, पुरी में नवम्बर 2007 को किया गया।
4. स्मित रंजन लेनका, सरोजिनी तराइ और शुचिस्मिता समल, पी.एस. प्रथम वर्ष ने अत:जिला व उड़ीसा राज्य टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2007 में प्रतिभागिता की। इसका आयोजन शहीद नगर इंडोर हॉल, भुवनेश्वर में 29 नवम्बर से 2 दिसंबर 2007 तक किया गया।

5.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित पूर्ववर्ती श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को संस्थान द्वारा अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। संस्थान की घोषणा मानित विश्वविद्यालय के रूप में किए जाने पर विद्यापीठ का नामकरण पुनः श्री रणवीर परिसर के रूप में किया गया। यह व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, दर्शन, शिक्षा-शास्त्र एवं काश्मीर शैव दर्शन कोश योजना रूपी छः विभागों के माध्यम से कार्यरत है। प्राक् शास्त्री से आचार्य तक के छात्र यहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान शिक्षकों से शिक्षा प्राप्त करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषय पढ़ाए जाते हैं। छात्रों हेतु कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, संगीत कक्षा और योग प्रशिक्षण की भी अच्छी व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी) उपाधि प्रदान करने हेतु शोध कार्यक्रम प्रदान करता है। अब तक इस केन्द्र से 95 से अधिक शोध-छात्रों को यह उपाधि मिल चुकी है। परिसर ने कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश नामक महत्वपूर्ण योजना का बीड़ा उठाया है। इसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन करना है। इसमें समृद्ध पुस्तकालय है और इसे अब तक 19 रचनाओं के प्रकाशन का श्रेय मिल चुका है।

1. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार प्रविष्ट छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	68
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	47
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	60
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	51
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	43
6.	ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	22
7.	ज्योतिषाचार्य द्वितीय वर्ष	08
8.	साहित्याचार्य प्रथम वर्ष	06
9.	साहित्याचार्य द्वितीय वर्ष	11
10.	व्याकरणाचार्य प्रथम वर्ष	02
11.	व्याकरणाचार्य द्वितीय वर्ष	02
12.	दर्शनाचार्य प्रथम वर्ष	10
13.	दर्शनाचार्य द्वितीय वर्ष	05
14.	सिद्धांत ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	02
15.	सिद्धांत ज्योतिषाचार्य द्वितीय वर्ष	01
16.	बी.एड.	100

2. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	30
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	07
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	32
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	17
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	08
6.	ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	12
7.	ज्योतिषाचार्य द्वितीय वर्ष	05
8.	साहित्याचार्य प्रथम वर्ष	05
9.	साहित्याचार्य द्वितीय वर्ष	02
10.	व्याकरणाचार्य प्रथम वर्ष	02
11.	व्याकरणाचार्य द्वितीय वर्ष	01
12.	दर्शनाचार्य प्रथम वर्ष	09
13.	दर्शनाचार्य द्वितीय वर्ष	05
14.	सिद्धांत ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	01
15.	बी.एड.	43

3. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार परिणाम की प्रतिशतता

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	14%
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	14%
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	53%
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	49%
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	73%
6.	ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	71.42%
7.	ज्योतिषाचार्य द्वितीय वर्ष	72.22%
8.	साहित्याचार्य प्रथम वर्ष	11.11%
9.	साहित्याचार्य द्वितीय वर्ष	50%
10.	व्याकरणाचार्य प्रथम वर्ष	80%
11.	दर्शनाचार्य प्रथम वर्ष	100%
12.	बी.एड.	97.95%
13.	सिद्धांत ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	100%

4. शैक्षिक स्टाफ द्वारा सेमिनार/यू.जी.सी. पुनश्चर्या में उपस्थिति

क्र.स.	नाम	सेमिनार/अनुस्थान/पुनश्चर्या
1.	डॉ. डी.के. सिंहदेव	सेमिनार-अनुस्थान पाठ्यक्रम
2.	डॉ. बी.बी. मिश्रा	सेमिनार
3.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	सेमिनार-पुनश्चर्या 3
4.	डॉ. एन.एन. झा	सेमिनार
5.	डॉ. वी.एन. झा	सेमिनार
6.	डॉ. बी.एन. झा	सेमिनार
7.	श्री रमेश सिंह	सेमिनार

पाठ्येतर गतिविधियाँ

1. स्वतंत्रता दिवस समारोह।
2. संस्कृत दिवस समारोह।
3. वाद-विवाद एवं नाटक समारोह।
4. वार्षिक समारोह।

कश्मीर शैव दर्शन कोश परियोजना

कश्मीर शैव दर्शन कोश संकलन की भव्य परियोजना के अन्तर्गत कोश के प्रथम दो खण्ड प्रकाशित किए गए। परिसर में कश्मीर शैव दर्शन पर शारदा और देवनागरी लिपियों में लिखित लगभग 125 दुर्लभ हस्तलिपियाँ सुरक्षित हैं। उनका प्रतिलिपि तथा अनुवाद-कार्य प्रगति पर है।

5.4 गुरुवायूर परिसर, पुरानाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

यह परिसर संस्थान द्वारा 16 जुलाई, 1979 को अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था। पश्चात इसे केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गुरुवायूर, संस्थान के अंगीभूत एकक के रूप में जाना जाने लगा। संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्त होने पर इसे पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गुरुवायूर परिसर नाम दिया गया है। यह परिसर त्रिचूर के पास पुरनाट्टुकरा हरित क्षेत्र में स्थित है जो त्रिचूर रेलवे स्टेशनं से 11 किलोमीटर की दूरी पर गुरुवायूर मन्दिर को जाने वाले मार्ग में है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सुन्दर भवन का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 2.20 करोड़ रुपये है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सहायता से मानित विश्वविद्यालय ने परिसर के द्वितीय चरण के

भवन निर्माणार्थ स्वीकृति दी है जिसमें बालक-बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास, पुस्तकालय तथा अतिथि गृह शामिल हैं एवं लागत 6.31 करोड़ रुपए है।

इस परिसर में शोध-कार्य किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि मिलती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त तथा न्याय में आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक का अध्यापन होता है। परिसर में शास्त्री स्तर पर शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) और स्कूल शिक्षा (प्राक्शास्त्री) का भी अध्यापन होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध है।

प्रस्तुत शैक्षणिक वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 383 छात्रों का पंजीयन किया गया। दो शोध छात्रों को विद्यावारिधि उपाधि प्रदान की गई।

वर्ष 2007-08 में परिसर के क्रियाकलाप

विस्तार व्याख्यान माला 2008

विस्तार व्याख्यान माला का संचालन 18 फरवरी, 2008 से 22 फरवरी, 2008 तक किया गया। इस शृंखला का उद्घाटन प्रो. के.जी. पोलसे, कुलपति, कलामण्डलम् मानित विश्वविद्यालय द्वारा 18 फरवरी, 2008 को किया गया और उन्होंने ध्वनि तत्त्व पर व्याख्यान दिया। प्रो. आर. सुकुमारन् नय्यर, सेवानिवृत्त प्रोफेसर व डीन (शिक्षा), श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी, प्रो. जी. गंगाधरन नय्यर, सेवा-निवृत्त व्याकरण प्रोफेसर, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी, प्रो. आर्या देवी टी., सेवानिवृत्त न्याय प्रोफेसर, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी प्रभृति प्रतिष्ठित विद्वानों ने क्रमशः व्यावसायिकता व शिक्षा-आचार-शास्त्र, ध्वनि से स्फोट एवं न्याय-सर्व-शास्त्रोपकारकम् पर व्याख्यान दिए। श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर व डीन तथा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रो. वासुदेवन पोत्ती विदाई समारोह में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अद्वैत में प्रमाण विषय पर विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान दिया।

छात्र कल्याण संघ :

छात्र कल्याण संघ का गठन योग्यता-सह-उत्सुकता के आधार पर सभी कक्षाओं के चयनित छात्र प्रतिनिधियों के साथ किया गया। वर्ष 2007-2008 के लिये इसका उद्घाटन 26.9.2008 को प्रातः 10.30 बजे परिसर प्रेक्षाग्रह में श्री अजय कुमार, संसद सदस्य, ओट्टापालम द्वारा किया गया। प्रो. के.जी. पोलसे माननीय कुलपति, कलामण्डलम् मानित विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे। प्रभारी प्राचार्य प्रो. के.टी. माधवन ने अध्यक्षता की तथा विदाई भाषण दिया। छात्र अध्यक्ष श्री अमल सी. राजन और डॉ. आर. प्रतिभा, स्टाफ सलाहकार ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। तत्पश्चात् ललित-कला, साहित्यिक, क्रीड़ा तथा पत्रिका आदि विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया।

ओणम उत्सव की पूर्व-संध्या पर एक भूतपूर्व दिवंगत छात्र ऋषिकेशन की स्मृति में **'अठाक्कलम्'** प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

खेल-कूद व क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन परिसर के क्रीड़ा क्षेत्र में 11 व 12 दिसम्बर, 2007 को किया गया। श्री प्रसाद, राज्य खेल-कूद चैम्पियन ने दीपशिखा प्रज्ज्वलित की। डॉ. पी.जी. श्रीनिवासन, प्रभारी-प्राचार्य ने खेल-कूद मुकाबले का उद्घाटन किया और ध्वजारोहण किया। श्री जोबिन पॉल, राज्य खेल-कूद चैम्पियन ने अपने मूल-भाव व्यक्त किए।

परिसर में ललित-कला एवं साहित्यिक दिवस समारोह का आयोजन 17 से 19 दिसम्बर, 2007 तक किया गया। श्री एन. राघवन, निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, त्रिशूर ने 17 दिसम्बर, 2007 को प्रातः 10 बजे समारोह का उद्घाटन किया।

गान्धी जयन्ती समारोह

परिसर के प्राचार्य, स्टाफ एवं छात्रों ने जोश एवं उत्साह के साथ 2 अक्टूबर, 2007 को प्रातः 11 बजे राष्ट्रीय शपथ ग्रहण की। छात्र कल्याण संघ ने हमारे परिसर को 'हरित कलालयम्' बनाने का प्रस्ताव रखा। श्री अनिल अक्कारा, अध्यक्ष, अदत पंचायत के प्रमुख मुख्य अतिथि थे और उन्होंने वृक्षारोपण करके सप्ताह

भर के उत्सवों का श्रीगणेश किया। श्री बाबू एम. पलीस्सरी, विधायक ने 8 अक्टूबर, 2007 को अपराह्न 3 बजे बिदाई समारोह का उद्घाटन किया।

विवेकानन्द जयन्ती समारोह

परिसर में राष्ट्रीय युवक दिवस के सम्बन्ध में विवेकानन्द जयन्ती समारोह का आयोजन 14.1.2008 को प्रातः 10 बजे किया गया। संत प्रशांतानन्द जी, अध्यक्ष, रामकृष्ण मठ, पुरानाट्टुकरा ने समारोह का उद्घाटन किया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ :

1. अंतःपरिसर नाटक प्रतियोगिता में 'मालविकाग्नि-मित्र' की प्रस्तुति

परिसर ने 28 से 30 नवम्बर, 2007 तक दिल्ली में आयोजित कौमुदी महोत्सव में संस्कृत नाटक 'मालविकाग्निमित्र' प्रस्तुत किया और उसे द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। नाटक में प्रत्येक प्रतिभागी छात्र का निष्पादन उत्कृष्ट था और दर्शकों ने नाटक के अन्त में करतलध्वनि की। डॉ. शैलजा और डॉ. शम्भु महालिक निदेशक शिक्षक थे।

2 अखिल भारतीय वाक्-स्पर्धा 2007-08

इस परिसर के छात्रों ने 27 से 29 दिसम्बर, 2007 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा बंगलौर में आयोजित अखिल भारतीय वाक्-स्पर्धा में भाग लिया। डॉ. आर. प्रतिभा ने निदेशक शिक्षक के रूप में दल का साथ दिया।

3. द्वितीय अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव 2008

इस परिसर के आचार्य कक्षा के 10 छात्र द्वितीय अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव 2008 की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये चुने गये। इसका आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा 10 से 13 मार्च, 2008 तक किया गया।

4. राजकोट में संस्कृत नाटक का आयोजन

राजकोट में संस्कृत नाट्य महोत्सव का आयोजन आर्ट्स कॉलेज द्वारा मई 2008 के अन्तिम सप्ताह में किया जायेगा। परिसर द्वारा कौमुदी महोत्सव में प्रदर्शित किये जाने वाले 'मालविकाग्निमित्र' नाटक को राजकोट में संस्कृत नाट्य महोत्सव के मध्य मंचन हेतु चुना गया है।

धर्मादा पुरस्कार

1. श्री पी.के. फ्रांसिस स्मारक नगद पुरस्कार की स्थापना श्रीमती मेरी फ्रांसिस द्वारा की गयी। इसे आचार्य प्रथम वर्ष (साहित्य) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार वरुण वासुदेव को दिया गया। उन्होंने वार्षिक परीक्षा 2007 में 500 अंकों में से 289 अंक प्राप्त किये।
2. श्री पी.के. बोस, मास्टर धर्मादा पुरस्कार आचार्य प्रथम वर्ष (साहित्य) और शास्त्रीय तृतीय वर्ष (मलयालम) में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रदान किया जाता है। इसे संस्था के स्टाफ ने प्रारम्भ किया। इस वर्ष यह पुरस्कार वरुण वासुदेव के तथा रम्या एम. को प्रदान किये गये। उन्होंने वर्ष 2007 की वार्षिक परीक्षा में क्रमशः 500 अंकों में से 289 अंक और 100 में से 83 अंक प्राप्त किये।
3. आचार्य द्वितीय वर्ष (व्याकरण) की परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र को रू. 101 का हनुमंत पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस संस्था के भूतपूर्व रीडर व प्रभारी प्राचार्य डॉ. आर.एन. दास ने इसकी स्थापना की। इस वर्ष यह पुरस्कार जिषा टी.वी. को प्रदान किया गया है। उन्होंने वार्षिक परीक्षा 2007 में 1000 में से 622 अंक प्राप्त किये।
4. रूपये 101 के श्री राम जानकी पुरस्कार की स्थापना डॉ. आर.एन. दास द्वारा की गयी। इसे आचार्य द्वितीय वर्ष (वेदान्त) परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार विजेश के. को प्रदान किया गया। उन्होंने 2007 वार्षिक परीक्षा में 1000 में से 694 अंक प्राप्त किये।
5. प्रो. पी.सी. वासुदेवन एलायथ स्मारक धर्मादा पुरस्कार

रूपये 250 का है। इसकी स्थापना उनके सुपुत्र डॉ. पी.सी. मुरलीमाधवन द्वारा की गयी। यह आचार्य (साहित्य) परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार हिता वी.एम. को प्रदान किया गया। उन्होंने 2007 वार्षिक परीक्षा में 1000 में से 649 अंक प्राप्त किये है।

6. रूपये 501 के प्रो. पी.टी. कुरियाकोसे मास्टर स्मारक धर्मादा नकद पुरस्कार की स्थापना इस संस्था के वरिष्ठ श्रेणी व्याख्याता श्री के.एल. सेबेस्टीयन द्वारा की गयी। यह पुरस्कार ऐच्छिक विषयों के निरपेक्ष आचार्य परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार विजेश के. को प्रदान किया गया। उन्होंने वार्षिक परीक्षा 2007 में 1000 में से 694 अंक प्राप्त किये।

5.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर एवं राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई 1983 में जयपुर में हुई। अब इसका परिवर्तित नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का जयपुर परिसर है। इस परिसर को जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7.27 एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर में रेलवे स्टेशन से लगभग 12 किलोमीटर दूर उपलब्ध कराई गई है। परिसर के मुख्य भवन का निर्माण तथा छात्र-छात्राओं के छात्रावास तथा नौ कर्मचारी आवास सहित रुपये 6.00 करोड़ की लागत से पूरा हो चुका है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि दी जाती है। इसके साथ साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, धर्मशास्त्र, जैन दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्यापन होता है, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) शास्त्री स्तर पर तथा प्राक् शास्त्री का सीनियर सेकण्डरी स्तर पर अध्यापन होता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

विचाराधीन वर्ष में, विभिन्न कक्षाओं में कुल 752 छात्रों का पंजीकरण हुआ है। 150 छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

1. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार प्रविष्ट छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	50
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	39
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	133
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	88
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	90
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	143
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	85
8.	शिक्षा-शास्त्री	99
9.	शिक्षा-आचार्य	25

2. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	30
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	25
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	60
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	57
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	59
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	53
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	55
8.	शिक्षा-शास्त्री	30
9.	शिक्षा-आचार्य	13

3. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार परिणाम की प्रतिशतता

		उपस्थित छात्र	उत्तीर्ण छात्र
1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	47	43
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	40	31

3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	129	118
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	96	72
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	92	82
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	103	72
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	71	60
8.	शिक्षा-शास्त्री	98	98
9.	शिक्षा-आचार्य	24	–

4. **वर्ष 2007-08 में पीएच.डी. छात्रों का पंजीकरण** 04

5. **वर्ष 2007-08 में छात्रावास सुविधा प्राप्त छात्रों की संख्या** 234

6. **पुस्तकालय में कुल पुस्तकों की संख्या** 26000

7. **विभिन्न विभागानुसार शिक्षकों का संक्षिप्त विवरण:**

प्राचार्य	1	
व्याकरण विभाग	1 प्रोफेसर 1 व. व्याख्याता	1 रीडर 1 व्याख्याता
साहित्य विभाग	3 रीडर	1 व्याख्याता
धर्मशास्त्र विभाग	2 रीडर	1 व्याख्याता
ज्योतिष विभाग	1 प्रोफेसर 1 व्याख्याता	1 व. व्याख्याता
जैनदर्शन विभाग	1 रीडर	1 व्याख्याता
शिक्षाशास्त्र विभाग	1 प्रोफेसर 1 व्याख्याता	6 रीडर 3 अनु. व्याख्याता
शारीरिकशिक्षा विभाग	1 व. व्याख्याता	

आधुनिक विषय

हिन्दी	2 अनु. व्याख्याता (अंग्रेजी)
	2 अनु. व्याख्याता
राजनीति विज्ञान	2 अनु. व्याख्याता (कम्प्यूटर शिक्षक)

परिसर में कार्यरत कर्मचारियों का संक्षित विवरण

अनुभाग अधिकारी	1	
सहायक (तकनीकी)	1	
आशुलिपिक (हिन्दी)	1	
प्रवर श्रेणी लिपिक	3	
अवर श्रेणी लिपिक	5	
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	5	
चौकीदार	1	3 अनुबन्ध आधारित
सहायक (पुस्त. ग्रेड-2)	1	
पुस्तकालय	1	

पाठ्येतर गतिविधियाँ :

1. वाग्वर्धिनी सभा का संचालन।
2. संस्कृत सप्ताह समारोह।
3. राजस्थान संस्कृत अकादमी के सहयोग से ईश्वर-विलासमहाकाव्य पर जनवरी में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन जिसमें प्रो. प्रभाकर शास्त्री, प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी और आचार्य पण्डित रामकिशोर शुक्ल ने दो दिनों तक अपना योगदान दिया।
4. रक्त-दान शिविर।

वित्तीय वर्ष 2007-2008

योजना = शून्य

योजनेतर = रूपये 1,91,34,409.00

5.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अपने अंगीभूत केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को 1986 में लखनऊ में स्थापित किया गया। मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्ति के पश्चात् संस्थान द्वारा इसका नाम परिवर्तित करके 'लखनऊ परिसर' रखा गया। इस परिसर हेतु 10 एकड़ भूमि गोमती नगर, विशाल खण्ड में लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त की गई। यह रेलने स्टेशन से लगभग 12 कि. मी. की दूरी पर स्थित है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा परिसर में रु. 2.76 करोड़ की लागत से मुख्य भवन का निर्माण हो चुका है और परिसर के क्रियाकलाप

वहाँ प्रारम्भ हो गए हैं। द्वितीय चरण में छात्र-छात्राओं हेतु छात्रावास का कार्य प्रगति पर है तथा कर्मचारियों हेतु न्यूनतम आवास के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात् विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि दी जाती है। साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष तथा बौद्ध दर्शन में शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा शास्त्री का(बी.एड.) शास्त्री स्तर तथा प्राक् शास्त्री का इण्टर स्तर पर शिक्षा दी जाती है। हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र तथा कम्प्यूटर शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों को पारंपरिक विषयों के साथ शास्त्री स्तर पर पढ़ाया जाता हैं। खेलकूद एवं योग गतिविधियों हेतु यहां एक विशाल क्रीड़ा-क्षेत्र है। शिक्षकों तथा छात्रों हेतु यहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय भी है। प्रशिक्षणाधीन छात्रों के लाभार्थ शिक्षा-शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला आधुनिक मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक प्रविधि उपकरणों से सज्जित है।

2007-08 के दौरान प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 300 छात्रों को प्रवेश मिला। इनमें से 218 छात्र और 82 छात्राएँ थी। 30 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी।

पाठ्येतर गतिविधियाँ :

इस वर्ष शिक्षकों एवं छात्रों के मध्य शैक्षिक कार्य के अतिरिक्त परिसर ने पाठ्येतर गतिविधियों में भी उत्साह-पूर्ण रुचि ली।

1. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार प्रविष्ट छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	16
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	16
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	36
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	35
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	14
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	59
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	35
8.	शिक्षा-शास्त्री	89

2. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	10
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	04
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	11
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	13
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	05
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	23
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	20
8.	शिक्षा-शास्त्री	50

3. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार परिणाम की प्रतिशतता

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	83.33%
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	81.81%
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	91.42%
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	100%
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	85.18%
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	90.47%
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	93.54%
8.	शिक्षा-शास्त्री	97.77%

4. वर्ष 2007-08 में छात्रावास सुविधा प्राप्त छात्रों की संख्या 30

5. वर्ष 2007-08 में अध्ययनरत छात्राओं की संख्या 82

6. वर्ष 2007-08 में आयोजित समारोहों/सेमिनारों की सूची.

1. दिनांक 28.8.2007 से 31.8.2007 तक संस्कृत महोत्सव।
2. हिन्दी दिवस (14.9.2007)।
3. 13, 14, एवं 19 फरवरी 2008 को विशेष व्याख्यान-माला।

4. 10.3.2008 को वार्षिक दिवस समारोह।

7. परिसर में आयेजित विभिन्न सेमिनारों में विद्वान शिक्षकों की सहभागिता।

1. डॉ. विजय कुमार जैन ने अंतर्राष्ट्रिय बौद्ध व्याख्यान-माला 2008 में सहभागिता की और बौद्ध परिषद् में दिनांक 8 फरवरी, 2008 को शोध पेपर पढ़ा।
2. प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, आचार्य ज्योतिष, नई दिल्ली, आचार्य पुरुषोत्तम त्रिपाठी, वाराणसी और आचार्य वायुनन्दन पाण्डे, वाराणसी ने 13, 14 और 19 फरवरी, 2008 को विशेष व्याख्यान-माला का आयोजन किया।
3. वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन 10.3.2008 को किया गया। माननीय डॉ. ओम प्रकाश शास्त्री त्रिपाठी, राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्य अतिथि श्री वेंकटाचलम (आई.ए.एस.), मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार समारोह में उपस्थित थे।

5.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना अपने अंगीभूत एकक के रूप में शृंगेरी में 13जनवरी 1992 को की। मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में दिनांक 05.03.92 के शुभ दिन पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के हाथों इस परिसर का उद्घाटन हुआ। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री राजीव गान्धी परिसर किया गया है। परिसर हेतु राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी में 10 एकड़ भूमि प्रदान की गयी है जो कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो मैंगलौर से 110 कि.मी., बंगलौर से 450 कि.मी., उडुपी से 70 कि.मी. और शिमोगा से 60 कि.भी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा बंगलौर से रेल मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रु. 1.63 करोड़ की लागत से परिसर के मुख्य भवन का निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण में, बालक एवं बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड़ की लागत पर होने को है।

परिसर साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा और नव्य न्याय की शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) की शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री की इण्टर स्तर पर प्रदान कर रहा है। यहाँ शोध कार्य भी होता है जिसको सम्पन्न करने पर शोध छात्र को विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों तथा कम्प्यूटर का शिक्षण भी दिया जाता है।

वर्ष 2007-08 के शैक्षिक वर्ष में, परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 293 छात्रों को प्रवेश दिया गया। उनमें से 16 छात्र अ.जा./अ.ज.जा. के थे तथा 83 छात्राएँ थीं। 60 छात्रों और 24 छात्राओं को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई। जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी, मुख्य प्रशासक, शृंगेरी श्री शारदापीठ के आशीर्वाद से परिसर के सभी छात्रों को मध्याह्न तथा रात्रि-भोजन करवाया जाता है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

छात्रों व संकाय सदस्यों के लाभार्थ 'श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला' शीर्षक से परिसर में पढ़ाए जाने वाले सभी शास्त्रों पर विस्तार भाषणमाला का प्रबन्ध किया गया। इनमें 6 प्रसिद्ध विद्वानों ने भावोत्पादक व्याख्यान दिये। इस व्याख्यान-माला का संयोजन डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट और डॉ. सी.एस. नरसिंह मूर्ति द्वारा किया गया। शैक्षिक उत्कृष्टता के दृष्टिगत विभिन्न शास्त्र विषयों पर वाक्यार्थ के सत्रों का आयोजन किया गया। इनमें परिसर के शिक्षकों ने डॉ. ई.पी. श्रीदेवी और डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट के संयोजन में वाक्यार्थ प्रस्तुत किये। वाक्वर्धिनी परिषद् नामक छात्रों की शैक्षिक और सांस्कृतिक सभा ने डॉ. रमाकान्त मिश्रा और श्री के.ए. पद्मनाभन के मार्गदर्शन में 21 सत्रों का आयोजन किया। प्रस्तुत शैक्षिक वर्ष में शारदा-वार्षिक पत्रिका, सारस्वतम्-विस्तार व्याख्यानों की कार्यवाही, वाक्यार्थ भारती-वाक्यार्थ परिषद् की कार्यवाही और शब्दान् जानीमहे संस्कृत-प्रयोग-संग्रह प्रकाशित किये गये।

त्रिदिवसीय संस्कृत समारोह का आयोजन 28 से 30 अगस्त 2007 तक किया गया। इसका उद्घाटन प्रो. हरहर झा द्वारा किया गया। इसमें विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर छात्रों ने यक्षगान (कर्नाटक की समूह कला) और नृत्य (संस्कृत थियेटर) के मिश्रण यक्षरूपक का मंचन किया। दर्शकों ने इसकी बहुत प्रशंसा की। विदाई समारोह में विद्वान के. गंगन्ना, सहायक निदेशक, कर्नाटक सैकन्ड्री एज्यूकेशन बोर्ड मुख्य अतिथि थे। इनके अतिरिक्त परिसर ने शिक्षक दिवस, हिन्दी दिवस, शरद् शारदा पूजा, कर्नाटक राज्य उत्सव और सतर्कता सप्ताह इत्यादि विभिन्न समारोहों का आयोजन किया। संस्थान की वार्षिक परीक्षाओं में सफल छात्रों को श्री वी. आर. गौरी शंकर, शृंगेरी मठ के प्रशासक द्वारा स्थापित स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। श्री भारतीतीर्थ स्वामी जी द्वारा आशीर्वाद प्रदान किये गये। श्री महाबल भिदे धर्मादा पुरस्कार, श्री बी.एस. शेषगोपाल धर्मादा पुरस्कार और गुरु कृपा पुरस्कार भी प्रदान किए गये।

डॉ. ई.एम. राजन. त्रिशूर नवरात्र अष्टमी वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की। श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्व-विद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र, कोयलाण्डी में वाक्यार्थ पर व्याख्यान दिया। कुक्कुटकरोटपुरम् में रेवतीपट्टनम् की विद्वत् सभा में भाग लिया। कोडावल्लूरू अन्योन्य वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की और आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति में दो व्याख्यान दिये।

डॉ. ई.पी. श्रीदेवी. तिरुपुनिथरा में वाक्यार्थ सभा में और संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ. राघवेन्द्र भट्ट. एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ. चन्द्र आर. कोण्डी. गडाग में 'धर्म और महिलाएँ' विषय पर व्याख्यान दिया तथा नई दिल्ली में संस्थान की दूरस्थ शिक्षा की कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट. बंगलौर में वेदान्त गोष्ठी में, मिथुर में वेदान्त भारती में, केरल में रेवतीपट्टनम् वाक्यार्थ सभा में और दत्ताश्रम तरीकेरे में वाक्यार्थ गोष्ठी में सहभागिता की।

डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट. बंगलौर में वेदान्त गोष्ठी में तथा स्वर्णवल्ली मठ में शास्त्र गोष्ठी में सहभागिता की।

डॉ. भगवान समनफरे. हैदराबाद में वैशेषिक तात्त्विक सत्तामीमांसा पर कार्यशाला में, बंगलौर में वेदान्त गोष्ठी में तथा एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति में अनुस्थापन पाठ्यक्रम में सहभागिता की।

डॉ. सुब्राय वी. भट्ट. शृंगेरी श्रीमठ में महागणपति वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की।

डॉ. सूर्यनारायण भट्ट. बौद्ध विश्वविद्यालय, थाईलैण्ड में वैदिक सम्मेलन में सम्मिलित हुए तथा मलेशिया में संस्कृत भाषण पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. सी.एस.एस. नरसिंहमूर्ति. शृंगेरी श्रीमठ की महागणपति वाक्यार्थ सभा में, पुरी में संस्थान की दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला में तथा आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता की।

डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट. दत्ताश्रम तरीकेरे की वाक्यार्थ गोष्ठी में एवं स्वर्णवल्ली मठ में आयोजित जिलास्तरीय संस्कृतोत्सव प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति में अनुस्थापन पाठ्यक्रम में तथा संस्थान की दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

श्री सीएच.के.ए. पद्मनाभम्. शृंगेरी श्रीमठ की महागणपति वाक्यार्थ सभा में तथा संस्थान की दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ. नवीन होल्ला. शृंगेरी श्रीमठ की महागणपति वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की। जे.आर.आर. संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीमठ में व्युतत्पत्तिवाद पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सम्मिलित हुए।

डॉ. रमाकान्त मिश्र. हरिद्वार के अन्तर्राष्ट्रिय वेद वेदांग सम्मेलन में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी. कालड़ी डेराला में वाक्यार्थ सभा में सहभागिता की तथा उसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के अनुस्थापन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. सोरमानाथ साहू. तिरूवनामालि में रामायण पर

राष्ट्रिय सेमिनार में पेपर पढ़ा तथा एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति के अनुस्थापन पाठ्यक्रम में सहभागिता की।

परिसर के छात्रों ने बंगलौर में आयोजित राज्यस्तरीय वाक्-स्पर्धाओं में भाग लिया और 7 छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किये। दो छात्रों-श्री गणमूर्ति एवं तेजस्वी भट्ट ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया और तीन पुरस्कार प्राप्त किये। परिसर के छात्रों ने श्री जे.सी.बी. एम. कॉलेज,शृंगेरी में आयोजित जिलास्तरीय साहित्यिक तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिता में व्यापक चैम्पियनशिप प्राप्त की। शिक्षा शास्त्री के छात्रों के लाभ हेतु आरम्भिक स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 4 से 13 जनवरी, 2008 तक किया गया।

संकाय-सदस्यों की गतिविधियां :

1. **प्रो. ए.पी. सच्चिदानंद** (क) (i) एन.एफ.एस.ई के कर्नाटक राज्य संयोजक (ii) एन.सी.टी.ई. की निरीक्षण समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

   (ख) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की शैक्षिक परिषद की सूची में सदस्य रूप में नाम लिखा गया।

3. **डॉ. ई.एम. राजन, रीडर** (क) त्रिचूर (केरल) नवरात्र अष्टमी वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

   (ख) श्री शंकर संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल मे वाक्यार्थ भाषण दिया।

   (ग) रेवथी पट्टन, कुक्कुट क्रोडपुर की विद्वत् सभा में भाग लिया।

   (घ) श्री संस्कार संस्कृत विद्यालय, केरल में एक विशिष्ट व्याख्यानमाला में भाषण दिया।

   (ङ) प्लेटिनम जयन्ती समारोह की पूर्व-संध्या में मद्रास संस्कृत कॉलेज, मइलापुर, चेन्नई में वाक्यार्थ किया।

   (च) प्राच्य विद्या सम्मेलन, जम्मू में वाक्यार्थ किया।

   (छ) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली से प्रकाशित 'श्री कृष्ण लीला विलास' का सम्पादन तथा टिप्पणी कार्य किया।

   (ज) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के केन्द्रीय शोध बोर्ड के सदस्य रूप में सूचीबद्ध हुए।

3. **डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट, रीडर** (क) स्वर्णवल्ली मठ की वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

   (ख) योगानंदेश्वर मठ, के के. आर. नागर द्वारा धारवाड़ में आयोजित वेदान्त गोष्ठी में भाग लिया।

   (ग) रेवती पट्टन, कालीकट (केरल) में वाक्यार्थ गोष्ठी में भाग लिया।

4. **डॉ. सुब्राय वी. भट्ट, वरिष्ठ व्याख्याता** (क) महागणपति वाक्यार्थ विद्वत् सभा, श्री शारदापीठम् शृंगेरी, में भाग लिया।

   (ख) जम्मू के अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन में भाग लिया।

   (ग) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के शैक्षिक परिषद के सदस्य रूप में सूचीबद्ध हुए।

5. **डॉ. रमाकान्त मिश्र, व्याख्याता** (क) राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा संचालित एक दस दिवसीय राष्ट्रीय भाषा प्रक्रियात्मक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

   (ख) संस्कृत भारती द्वारा भोपाल में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

6. **डॉ. ई.पी. श्रीदेवी, व्याख्याता** राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा संचालित पुनश्चर्या में भाग लिया तथा 'ए' श्रेणी प्राप्त की।

7. **डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी, व्याख्याता** (क) आई ए एस ई तिरुपति में 'भाषा शिक्षण के निर्देशात्मक रूपांकन' पर एक संगोष्ठी में भाग लिया तथा पेपर पढ़ा।

   (ख) जम्मू विश्वविद्यालय में 43वें अखिल भारतीय आरियेण्टल सम्मेलन की पण्डित परिषद में भाग लिया।

8. **डॉ. सी.एस.एस.एन.मूर्थि, व्याख्याता** (क) शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कालडी में 'शब्दबोध' पर संगोष्ठी में भाग लिया।

   (ख) स्वर्गीय श्री पेरि सूर्यनारायण शास्त्री की स्मृति में 'गुरु संस्मरण सभा' में भाग लिया।

(ग) 'महागणपति वाक्यार्थ सभा', शृंगेरी में भाग लिया।

(घ) अखिल भारतीय ओरियेण्टल सम्मेलन, जम्मू में भाग लिया।

9. **डॉ. नवीन होल्ला, व्याख्याता** (क) श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी में भाग लिया तथा संयोजन किया।

(ख) पंडित परिषद, जम्मू के अखिल भारतीय ऑरियेण्डल सम्मेलन में भाग लिया तथा वाक्यार्थ किया।

10. **डा. चन्द्रशेखर भट, व्याख्याता** (क) सुधर्म रक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश द्वारा तेनाली में आयोजित वाक्यार्थ सभा में वाक्यार्थ भाषण दिया।

(ख) सूत्र 'नय' पर स्वर्णवल्ली मठ में वाक्यार्थ भाषण दिया।

(ग) वैयाकरणीय बैठक, बंगलौर में वाक्यार्थ भाषण दिया।

11. **श्री कृष्णनाथ पद्मनाभम्, व्याख्याता**
(क) महा गणपति वाक्यार्थ सभा, शृंगेरी मठ में भाग लिया।

12. **श्री गणेश ईश्वर भट, व्याख्याता** (क) स्वर्णवल्ली मठ की वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

(ख) 'वेदान्त वाक्यार्थ विचार गोष्ठी', कृष्णराज नगर, बंगलौर में भाग लिया।

(ग) अखिल भारतीय ऑरियण्टल सम्मेलन, जम्मू में वाक्यार्थ पर भाषण दिया।

(घ) स्वर्णवल्ली मठ में जिलास्तरीय संस्कृत उत्सव शास्त्रीय प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में भाग लिया।

5.8 गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान पर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। इस विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री के द्वारा हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री की उपस्थिति में 16 सितम्बर, 1997 के शुभ दिन को किया गया। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के गरली परिसर के रूप में किया गया है। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार ने विपाशा के तट पर, गाँव बलहर, समीप प्रागपुर, तहसील देहरा, जिला काँगड़ा में 2-63-18 हेक्टेयर उपयुक्त भूमि आबंटित की है।

जीवन के सभी क्षेत्रों से सम्बद्ध छात्रों को प्राक् शास्त्री का शिक्षण इण्टर स्तर पर और साहित्य, ज्योतिष तथा व्याकरण विद्या विशेषों का शिक्षण शास्त्री एवं आचार्य स्तरों पर दिया जाता है। शोध-छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्राप्त करवाने की दिशा में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, हिन्दी, अंग्रेजी और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

शैक्षिक सत्र 2007-08 के दौरान 415 छात्रों ने प्राक् शास्त्री से आचार्य तक की कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया।

1. विभिन्न विभागानुसार शिक्षकों का संक्षिप्त विवरण:

ज्योतिष विभाग	1 रीडर 1 अनु. व्याख्याता	1 व्याख्याता
साहित्य विभाग	3 रीडर 1 व्याख्याता	1 व. व्याख्याता
व्याकरण विभाग	2 प्रोफेसर 1 व. व्याख्याता	1 रीडर 2 अनु. व्याख्याता

आधुनिक विषय

हिन्दी	1 अनु. व्याख्याता
अंग्रेजी	1 अनु. व्याख्याता
इतिहास	1 अनु. व्याख्याता
पर्यावरण	1 अनु. व्याख्याता

2. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार प्रविष्ट छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	48
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	47
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	72
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	68
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	57
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	69
	क) ज्योतिष	34
	ख) साहित्य	22
	ग) व्याकरण	13
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	54
	क) ज्योतिष	28
	ख) साहित्य	17
	ग) व्याकरण	09

3. वर्ष 2007-08 में कुल प्रविष्ट छात्रों का संक्षिप्त विवरण

कक्षा	छात्र	छात्राएँ	अनु.जाति		अनु.जनजाति		योग
			छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	
प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	25	23	–	10	–	–	48
प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	17	30	01	09	–	–	47
शास्त्री प्रथम वर्ष	30	42	01	06	01	–	72
शास्त्री द्वितीय वर्ष	36	32	03	02	–	–	68
शास्त्री तृतीय वर्ष	31	26	02	07	01	03	57
आचार्य प्रथम वर्ष							
क) ज्योतिष	31	03	02	–	–	–	34
ख) साहित्य	01	21	–	03	–	–	22
ग) व्याकरण	05	08	–	02	–	–	13
आचार्य द्वितीय वर्ष							
क) ज्योतिष	25	03	–	–	–	–	28
ख) साहित्य	02	15	–	02	–	–	17
ग) व्याकरण	03	06	–	–	–	–	09

4. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	48
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	28
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	55
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	44
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	26
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	43
	क) ज्योतिष	15
	ख) साहित्य	15
	ग) व्याकरण	13
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	37
	क) ज्योतिष	15
	ख) साहित्य	14
	ग) व्याकरण	08

5. **वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार परिणाम की प्रतिशतता**

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	99%
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	78%
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	98%
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	99%
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	88%
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	98%
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	98%

पाठ्येतर गतिविधियाँ

1. संस्थान के मुख्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शैक्षिक प्रतियोगिता में छात्रों का चयन हुआ। डॉ. एम.एम. पाठक, रीडर (ज्योतिष), डॉ. सुबोध शर्मा, रीडर (व्याकरण), डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी, व्याख्याता (साहित्य) और डॉ. राजकुमार शर्मा ने संयोजक के रूप में कार्य किया।
2. परिसर के 14 छात्रों एवं 4 शिक्षकों के दल ने संस्थान मुख्यालय द्वारा आयोजित कौमुदी महोत्सव में भाग लिया।
3. छात्रों ने परिसर की वार्षिक शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया।
4. परिसर द्वारा विभिन्न विषयों पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
5. वार्षिक क्रीड़ा दिवस का आयोजन 13.12.2007 को किया गया। परिसर के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने म्यूजिकल चेयर रेस, ऊँची कूद, लम्बी कूद, कबड्डी, बैडमिंटन, वॉलीबाल और केरम बोर्ड इत्यादि विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहयोग दिया।
6. इस परिसर के 8 छात्रों ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा 22.12.2007 को बंगलौर में आयोजित अखिल भारतीय वाक्-स्पर्धा में भाग लिया।
7. दिनांक 24.3.2008 को यू.जी.सी. टीम का परिसर में आगमन हुआ। प्रो. के.वी. रामकृष्णाचार्यलु, प्रो. एस.एस. कदम, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, श्री सी.एस. कनियाल, श्रीमती एस. मुखर्जी, श्री वी.एस. कर्सी एवं श्री जी.एस. रावत यू.जी.सी. टीम के सदस्य थे।

5.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

वर्ष 2001-02 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भोपाल में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की और इसकी शैक्षिक गतिविधियाँ शैक्षिक सत्र 2002-03 से प्रारम्भ हो गईं। अब इसका नाम परिवर्तित करके राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का भोपाल परिसर रखा गया है। मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने इसके लिए बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पास 10 एकड़ भूमि आबंटित की है। परिसर की चारदीवारी का निर्माण सी.पी. डब्ल्यू.डी. द्वारा पहले ही किया जा चुका है। माननीय अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार ने दिनांक 19 सितम्बर, 2005 को मुख्य भवन का शिला-न्यास किया। अपने भवन का निर्माण होने तक, इसकी गतिविधियाँ किराये के भवन में चल रही हैं।

परिसर साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष का शिक्षण शास्त्री और आचार्य स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड) का शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री का इण्टर स्तर पर प्रदान करता है। यह शोध-छात्रों हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है जिसके सम्पन्न करने पर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति-शास्त्र तथा कम्प्यूटर जैसे विषयों को पढ़ाने की उचित व्यवस्था भी उपलब्ध है। जरूरतमंद छात्रों को छात्रावास की सुविधा भी यह परिसर प्रदान करता है।

2007-2008 के शैक्षिक सत्र में, विभिन्न कक्षाओं में कुल 248 छात्रों को प्रवेश दिया गया। जिनमें से, 29 छात्राएँ थीं। 110 छात्रों को छात्रावास-सुविधा प्रदान की गई। अपने शिक्षण कार्य के अतिरिक्त निम्नलिखित संकाय-सदस्यों ने विभिन्न संगोष्ठियों/पुनश्चर्या आदि में भाग लिया।

1. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार प्रविष्ट छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	23
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	14
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	30
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	24
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	29
6.	ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	05
7.	ज्योतिषाचार्य द्वितीय वर्ष	10
8.	साहित्याचार्य प्रथम वर्ष	05
9.	साहित्याचार्य द्वितीय वर्ष	07
10.	व्याकरणाचार्य प्रथम वर्ष	13
11.	व्याकरणाचार्य द्वितीय वर्ष	19
12.	शिक्षाशास्त्री	95
13.	विद्यावारिधि	01

2. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	09
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	03
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	07
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	09
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	13
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	12
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	15
8.	शिक्षाशास्त्री	50

3. वर्ष 2007-08 में कक्षा-वार परिणाम की प्रतिशतता

1.	प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष	85%
2.	प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष	65%
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	91%
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	100%
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	87.50%
6.	ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष	90%
7.	ज्योतिषाचार्य द्वितीय वर्ष	75%
8.	साहित्याचार्य प्रथम वर्ष	100%
9.	साहित्याचार्य द्वितीय वर्ष	100%
10.	व्याकरणाचार्य प्रथम वर्ष	100%
11.	व्याकरणाचार्य द्वितीय वर्ष	-
12.	शिक्षाशास्त्री	100%

4. वर्ष 2007-08 में छात्रावास सुविधा प्राप्त छात्रों की संख्या 110

5. वर्ष 2007-08 में प्रविष्ट छात्राओं की संख्या 29

पाठ्येतर गतिविधियाँ

1. संस्कृत दिवस समारोह-23.8.2007 से 25.8.2007 तक।
2. हिन्दी दिवस-14.9.2007.
3. वार्षिक समारोह-18.12.2007.

शैक्षिक स्टाफ द्वारा सेमिनारों/यू.जी.सी. पुनश्चर्या में उपस्थिति

क्र.स.	नाम	सेमिनार/अनुस्थान/पुनश्चर्या	तारीख
1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	(1) कटनी, मध्य प्रदेश में अखिल भारतीय संस्कृत सेमिनार	जन.07
		(2) राष्ट्रीय सेमिनार, दिल्ली	नव.07
		(3) राष्ट्रीय शिक्षा उत्कृष्टता सम्मान	नव.07
		(4) वागर्थ सम्मान	दिस.07
		(5) 10वीं तथा 12वीं कक्षा हेतु संस्कृत पाठ्य पुस्तक लेखन पर कार्यशाला	दिस.07

2.	डॉ. वी.एन.चौधरी	(1) कालिदास संस्कृत अकादमी, विदिशा द्वारा विज्ञान पर संस्कृत में सेमिनार	सित.
		(2) एस.आइ.एम.एस, गाजियाबाद, उ.प्र. में शिक्षक शिक्षण में गुणवत्ता आश्वासन पर राष्ट्रीय सेमिनार	29.03.2008
3.	डॉ. प्रभा देवी चौधरी	(1) एस.आइ.एम.एस, गाजियाबाद, उ.प्र. में शिक्षक शिक्षण में गुणवत्ता आश्वासन पर राष्ट्रीय सेमिनार	29.03.2008
4.	डॉ. बोध कुमार झा	(1) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, दिल्ली	6.8.2007 से 12.8.2007 तक
		(2) अखिल भारती संस्कृत सेमिनार, दिल्ली	फरवरी 2008
		(3) अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा, बंगलौर	26.12.2007 से 28.12.2007 तक
5.	डॉ. हंसधर झा	(1) अखिल भारतीय ज्योतिष सेमिनार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3,4.02.2008
		(2) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, रां.सं.सं. नई दिल्ली	6.8.2007 से 12.8.2007 तक
		(3) पाणिनि व्याकरण शास्त्रीय संगोष्ठी और शास्त्रार्थ, आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय, होशंगाबाद, म.प्र.	26.8.2007
6.	डॉ. अर्चना दुबे	(1) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, दिल्ली	23.2.2008 से 25.2.2008 तक
7.	श्री ब्रजभूषण ओझा	(1) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, दिल्ली	6.8.2007 से 12.8.2007 तक
		(2) अनुस्थापन पाठ्यक्रम, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति	3.12.2007 से 23.12.2007 तक
		(3) राष्ट्रीय सेमिनार, जगद् गुरु रामानन्दचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)	6.12.2007 से 8.12.2007 तक
		(4) पाणिनि व्याकरण शास्त्रीय संगोष्ठी और शास्त्रार्थ, आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय, होशंगाबाद, म.प्र.	26.8.2007
8.	डॉ. पवन कुमार	(1) अनुस्थापन पाठ्यक्रम, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश	17.12.2007 से 12.1.2008 तक
9.	डॉ. सुज्ञान कुमार महंती	(1) अखिल भारतीय संस्कृत सेमिनार, दिल्ली	23.2.2008 से 25.2.2008 तक
		(2) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, दिल्ली	6.8.2007 से 12.8.2007 तक
10.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा	(1) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, दिल्ली	6.8.2007 से 12.8.2007 तक
11.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	(1) अनुस्थापन पाठ्यक्रम, यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय	7.7.2007 से 23.8.2007 तक

12.	डॉ. नारायणन इ.आर.	(1) अनुस्थापन कार्यक्रम, यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय	27.7.2007 से 23.8.2007 तक
13.	श्री अमित कुमार शुक्ल	(1) अनुस्थापन कार्यक्रम, यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बी.एच.यू. वाराणसी	5.9.2007 से 25.9.2007 तक
		(2) राष्ट्रीय सेमिनार, जगद् गुरु रामानन्दचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)	19.1.2008 से 21.1.2008 तक
		(3) अखिल भारतीय ज्योतिष सेमिनार, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी	3,4.2.2008
		(4) दूरस्थ शिक्षा कार्यशाला, दिल्ली	6.8.2007 से 12.8.2007 तक
14.	डॉ. कृष्णकांत पाण्डेय	(1) पाणिनि व्याकरण शास्त्रीय संगोष्ठी और शास्त्रार्थ आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय, होशंगाबाद, म.प्र.	26.8.2007
		(2) अखिल भारतीय ज्योतिष सेमिनार और शास्त्रीय संगोष्ठी, ज्योतिष विज्ञान समिति, वाराणसी	10.12.2007 से 11.12.2007 तक
15.	श्री नीलभ तिवारी	(1) एस.आइ.एम.एस, गाजियाबाद, उ.प्र. में शिक्षक शिक्षण में गुणवत्ता आश्वासन पर राष्ट्रीय सेमिनार	29.03.2008
16.	श्री नीतिन कुमार जैन	(1) उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय सेमिनार (बी.एच.यू, बनारस)	17,18.11.2007
		(2) एस.आइ.एम.एस, गाजियाबाद, उ.प्र. में शिक्षक शिक्षण में गुणवत्ता आश्वासन पर राष्ट्रीय सेमिनार	29.03.2008

5.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

के.जे. सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार, मुम्बई ने अपने परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने के प्रस्ताव के साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया। तत्पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त समिति द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशंसा की गयी कि अंगीभूत विद्यापीठ स्थापित किया जाए। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को 31.03.2002 को निर्णय लेकर स्वीकृत किया गया। के.जे. सौमैया ट्रस्ट ने आबंटित भूमि पर विद्यापीठ हेतु भवन बनने तक अपने भवन में कक्षाएँ चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने पट्टाकर्ता सौमैया ट्रस्ट से आबंटित एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। डॉ. मुरली मनोहर जोशी, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने के.जे. सौमैया केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई परिसर का उद्घाटन दिनांक 16.05.2002 के शुभ दिन को किया। विद्यापीठ की स्थिति विद्या विहार स्थानीय सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर सोमेया कॉलेज परिसर में लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर है।

वर्ष 2002-03 के मध्य अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रथम दीक्षा का पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। बाद में मार्च, 2003 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठित होकर इस विद्यापीठ का नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर रखा गया। शैक्षिक सत्र 2003-04 से प्राक् शास्त्री, शास्त्री और आचार्य की नियमित कक्षाओं का शिक्षण आरम्भ किया गया।

परिसर में इण्टर के समकक्ष प्राक् शास्त्री, बी.ए. के समकक्ष शास्त्री और एम.ए. (संस्कृत) के समकक्ष आचार्य तथा पीएच्.डी. (संस्कृत शास्त्रों में) के समकक्ष विद्यावारिधि का शिक्षण साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष विद्या विशेषों में प्रदान किया जाता है। पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषयों का शिक्षण भी संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार कराया जाता है। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रथम व द्वितीय

दीक्षा पाठ्यक्रम एवं ज्योतिष के प्रारम्भिक पाठ्यक्रम भी संस्थान के अनुमोदनानुसार पढ़ाये जाते हैं। क्षेत्रीय एन.सी. टी.ई., भोपाल ने बी.एड. के समकक्ष शिक्षा शास्त्री के लिए बढाई गई 100 सीटों की भर्ती का अनुमोदन किया। फलस्वरूप शैक्षिक सत्र 2006-07 से इस पाठ्क्रम को परिसर में आरंभ कर दिया गया। पिछले साल की वार्षिक परीक्षा का परिणाम लगभग 100 प्रतिशत रहा।

शैक्षिक सत्र 2007-08 में मानव संसाधन संख्या में प्रगति निम्न प्रकार से हुई:

1. छात्र संख्या. इस शैक्षिक सत्र के आरम्भ में प्रविष्ट छात्रों की कुल संख्या 135 थी जबकि पिछले साल यह 104 थी। इस प्रकार छात्रों की संख्या उत्तरोतर बढ़ रही है।

2. शिक्षण स्टाफ. इस शैक्षिक सत्र में 18 शिक्षण स्टाफ सदस्य है। यथा-1 प्राचार्य, 3 रीडर, 2 वरिष्ठ व्याख्याता, 4 व्याख्याता, 1 शास्त्र चूड़ामणि विद्वान्, आधुनिक विषयों में 3 अनुबन्धित आधार पर व्याख्याता, 1 शिक्षण में अनुबन्धित आधार पर व्याख्याता, 2 कम्प्यूटर संकाय सदस्य एवं 1 पर्यावरण अध्ययन में अतिथि व्याख्याता। डॉ. राम रूप मिश्रा, अतिथि व्याख्याता को शास्त्र चूड़ामणि के रूप में नियुक्त किया गया है और उन्होंने 7.12.2007 को कार्यभार संभाल लिया है। इस प्रकार शिक्षण स्टाफ में उत्तरोतर प्रगति हुई है।

सामान्य पारम्परिक खण्ड में पाठ्य-सह एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियां :

शैक्षिक सत्र 2007-08 के मध्य संस्थान में शिक्षण गतिविधियों के अतिरिक्त निम्नलिखित पाठ्येतर गतिविधियाँ हुई :

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 02.08.2007 को प्रतिष्ठित अतिथि संत श्री श्री सत्यनारायण मौर्य महाराज, मुम्बई द्वारा एवं मुख्य अतिथि पण्डित गुलाम दस्तगीर विराजधर, प्रतिनिधि महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई द्वारा किया गया। आयोजक प्रो. कमल चन्द्र योगी, संयोजक डॉ. सुशान्त कुमार राज, संस्कृत शिक्षक डॉ. देवानन्द शुक्ला, अन्य सभी शिक्षक एवं सदस्य उपस्थित थे।

कुलपति, संस्थान, नई दिल्ली नियमानुसार भूमि पट्टानामा दस्तावेजों के स्टाम्प शुल्क पंजीकरण फीस की माफी हेतु माननीय राजस्व मन्त्री, महाराष्ट्र राज्य, **श्री नारायण राणे** को दिनांक 14.8.2007 मिले।

संस्कृत सप्ताह समारोह का उद्घाटन 25.8.2007 को दक्षिण शृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु संत श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामिंगल द्वारा शृंगेरी शारदा शंकर मठ, चैम्बूर, मुम्बई में किया गया। उसमें शिक्षकों एवं छात्रों ने 'आधुनिक समय में संस्कृत भाषा का महत्त्व' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। संत श्री ने गुरु परम्परा की परम्परिक पद्धति से संस्कृत के प्रचार के उपायों पर प्रवचन दिया। इसके अतिरिक्त श्लोक पाठ, सूत्रान्त्याक्षरी, सूत्र पाठ, निबंध लेखन एवं भाषण जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह के विदाई समारोह में संत श्री श्री सत्यनारायण मौर्य महाराज, मुम्बई ने अध्यक्षता की। उसी समारोह में पण्डित गुलाम दस्तगीर विराजधर, महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई के प्रतिनिधि, मुख्य अतिथि थे। शिक्षक दिवस का आयोजन 5 सितम्बर, 2007 को एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी उसी दिन किया गया। इस विद्यापीठ के छात्र संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 10.9.2007 से 14.9.2007 तक आयोजित द्वितीय दीक्षान्त समारोह में भाग लेने के लिए क्रमशः डॉ. बट्टी लाल मीणा एवं डॉ. के.सी. योगी के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में दिल्ली गये।

हिन्दी दिवस एवं गान्धी जयन्ती क्रमशः 14 सितम्बर, 2007 और 2 अक्टूबर, 2007 को निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता एवं अहिंसा विषय पर प्रतियोगिता से अनुगत शपथ समारोह के साथ मनाये गये।

प्रथम विशिष्ट शास्त्रीय विस्तार व्याख्यान 26.9. 2007 को आयोजित किये गये। पण्डित श्री गोपाल कृष्ण शास्त्री, आन्ध्र प्रदेश द्वारा व्याकरण में 'शब्द-ब्रह्म-सिद्धि-प्रक्रिया' पर, पण्डित श्री ऋतनारायण शास्त्री, केरल द्वारा ज्योतिष में 'मुहूर्त विचारणा' पर, प्रो. राजा राम शुक्ला, निदेशक शोध व प्रकाशन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा न्याय में तर्कविद्या के महत्व पर व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर व्याख्याता, रीडर एवं छात्र उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त आयोजक प्रो. डॉ. के.सी. योगी एवं संयोजक डॉ. एस.

राधा भी उपस्थित थे।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 'अंत:विद्यापीठ नाट्य-कला प्रतियोगिता' का आयोजन 28.11.2007 से 30.11.2007 तक नई दिल्ली में किया गया। इसमें मुम्बई परिसर के शिक्षा-शास्त्र एवं पारम्परिक छात्रों द्वारा 'मदन-केतु-चरितम्' नाटक का अभिनय प्रशंसनीय एवं अधिक उत्साहपूर्ण ढंग से किया गया। 'अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्-स्पर्धा' में सहभागिता हेतु छात्रों का चयन 17.12.2007 को चयन समिति द्वारा पहले महाराष्ट्र राज्य स्तर पर किया गया। समिति का गठन के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई द्वारा महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधि एवं संयोजकं पण्डित श्री गुलाम दस्तगीर विराजधर के सहयोग से किया गया। चयनित छात्र, डॉ. के.सी. योगी एवं 'मुम्बा देवी संस्कृत कॉलेज', मुम्बई के एक व्याख्याता के मार्गदर्शन में 26.12.2007 से 28.12.2007 तक बंगलौर, कर्नाटक में आयोजित 'अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्-स्पर्धा' में भाग लेने के लिए गए।

नियमानुसार विद्यापीठ की भूमि व भवन के पट्टानामा दस्तावेजों के पंजीकरण हेतु स्टाम्प शुल्क पंजीकरण फीस 19.3.2008 को स्टाम्प शुल्क रजिस्ट्रार, चैम्बूर, मुम्बई के पास राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के कार्यकारी कुलसचिव श्री चन्दन सिंह कनियाल के समक्ष जमा की गई। व्यवहारिक पर्यावरण प्रशिक्षण हेतु अतिथि व्याख्याता प्रो. दीपक मोरे के संयोजकत्व में पारम्परिक शास्त्र शिक्षण विभाग में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 'पर्यावरण क्षेत्रीय सर्वेक्षण प्रशिक्षण पर्यटन' का आयोजन 31.3.2008 को विद्यापीठ से केन्द्रीय पार्क, मुम्बई तक किया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) निरीक्षण दल का आगमन प्रो. शिवाजी राव कदम, कुलपति, भारतीय विद्यापीठ, पूना की अध्यक्षता में 5 वर्ष की अग्रिम मान्यता की स्वीकृति देने हेतु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के अन्तर्गत के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई के निरीक्षण के लिए दिनांक 15 मई, 2008 को हुआ। इस अवसर पर आयोजक श्री चन्दन सिंह कनियाल जी, कार्यकारी कुलसचिव, संयोजक डॉ. शुक्ला मुखर्जी, परियोजना अधिकारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, डॉ. के.सी. योगी एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई के प्राचार्य एवं अन्य सभी शिक्षण व शिक्षेणतर स्टाफ उपस्थित थे।

अध्यापन खण्ड की पाठ्य-सह व पाठ्येतर गति-विधियाँ

बी.एड. के छात्र 1.1.2007 से महाराष्ट्र राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, मुम्बई द्वारा आयोजित स्काउट व गाईड प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने हेतु भोर, पूना गये। अध्यापन अभ्यास का प्रथम सत्र डॉ. एल.एम. मिश्रा के संयोजकत्व में मुम्बई के विभिन्न स्कूलों में आयोजित किया गया।

अध्यापन अभ्यास का द्वितीय सत्र कुछ प्राध्यापकों के मार्गदर्शन एवं डॉ. एल.एम. मिश्रा के संयोजकत्व में मुम्बई के विभिन्न स्कूलों में 21.1.2008 से 1.2.2008 तक आयोजित किया गया। इस विद्यापीठ द्वारा बी.एड. के छात्रों की व्यवाहारिक परीक्षा सर्वोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, घाटकोपार, मुम्बई में 20.2.2008 से 25.2.2008 तक आयोजित की गई। इसमें डॉ. नोद नाथ मिश्रा एवं डॉ. एल.एम. मिश्रा क्रमश: बाह्य तथा आंतरिक परीक्षक थे। बी.एड. के छात्रों के लिए प्रथमोपचार प्रशिक्षण शिविर डॉ. लोकमान्य मिश्रा के संयोजकत्व में 29.2.2008 से 11.3.2008 तक आयोजित किया गया। मुम्बई से अहमदाबाद तक शैक्षणिक पर्यटन बी.एड. विभाग के डॉ. लोकमान्य मिश्रा एवं अन्य शिक्षकों के पर्यवेक्षण में 30.3.2008 से 4.4.2008 तक आयोजित किया गया।

प्राचार्य एवं संकाय सदस्यों की गतिविधियाँ तथा उपलब्धियाँ

डॉ. कमल चन्द्र योगी, प्राचार्य-

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्व- विद्यालय), नई दिल्ली द्वारा 10.9.2007 से 14.9.2007 तक आयोजित द्वितीय दीक्षान्त-समारोह में सहभागिता की और प्राचार्यों की बैठक में भाग लिया।

(ख) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 28.11.2007 से 30.11.2007 तक आयोजित अंत:

विद्यापीठ नाट्य-कला प्रतियोगिता के 'कौमुदी महोत्सव' में सहभागिता की।

(ग) बंगलौर, कर्नाटक में 26.12.2007 से 28.12.2007 तक आयोजित 'अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्-स्पर्धा' में प्रतिभागिता की एवं महाराष्ट्र राज्य के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

(घ) 'अन्तर्राष्ट्रिय बौद्ध-धर्म सम्मेलन' में सहभागिता की और 'बौद्ध-धर्म का भिन्नता में सार्वभौम एकता में योगदान' पर पेपर पढ़ा। इसका आयोजन कालिना, दर्शन विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय में 12.3.2008 को किया गया।

(ङ) सौमैया विद्या विहार, मुम्बई में आयोजित 'सुर भारती सम्मेलन' में सहभागिता की और संस्कृत में व्याख्यान दिया।

डॉ. एस. राधा, रीडर (साहित्य)-

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में 'पत्राचार पाठ्यचर्या कार्यशाला' में सहभागिता की।

(ख) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में 'शैक्षणिक परिषद्' में भाग लिया।

डॉ. प्रकाश चन्द्र, रीडर (व्याकरण)-

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में 'पत्राचार पाठ्यचर्या कार्यशाला' में सहभागिता की और 'सुर भारती सम्मेलन' में संस्कृत में भाषण दिया।

(ख) व्याकरण शास्त्र में 'पत्राचार पाठ्यचर्या' पर पाठ लिखे।

डॉ. लोक मान्य मिश्रा, रीडर (प्रशिक्षण)-

(क) जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान में आयोजित 'संस्कृत में दक्षता वर्धन हेतु शिक्षण पद्धति का वर्णन' पर पेपर पढ़ा।

डॉ. बाटी लाल मीणा, वरिष्ठ व्याख्याता (प्रशिक्षण)

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा 10.9.2007 से 14.9.2007 तक आयोजित द्वितीय दीक्षान्त समारोह में सहभागिता की और छात्रों का मार्गदर्शन किया।

डॉ. देवदत्त सरोदे, व्याख्याता (प्रशिक्षण)-

(क) 19.2.2008 से 21.3.2008 तक केरल विश्वविद्यालय में आयोजित 'अनुस्थापन पाठ्यक्रम' संस्कृत में सम्पन्न किया।

डॉ. हरि प्रसाद के., व्याख्याता (प्रशिक्षण)-

(क) 19.2.2008 से 21.3.2008 तक केरल विश्वविद्यालय में आयोजित 'अनुस्थापन पाठ्यक्रम' संस्कृत में सम्पन्न किया।

डॉ. राम रूप मिश्रा, अतिथि व्याख्याता (व्याकरण)-

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 28.11.2007 से 30.11.2007 तक आयोजित अंत: विद्यापीठ नाट्य-कला प्रतियोगिता में सहभागिता की एवं नाट्य-कला के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

श्रीमती सविता अग्रवाल, अनु. व्याख्याता (हिन्दी)-

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 28.11.2007 से 30.11.2007 तक आयोजित 'कौमुदी महोत्सव' नामक अंत: विद्यापीठ नाट्य-कला प्रतियोगिता में सहभागिता की तथा छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

श्री रणजय कुमार सिंह, अनु. व्याख्याता (राजनीति विज्ञान)-

(क) गान्धी दर्शन अध्ययन केन्द्र, मुम्बई में आयोजित 'गान्धी-दर्शन की सार्वभौम प्रासंगिकता' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वोच्च पुरस्कार विजेता के रूप में पुरस्कृत एवं सम्मानित किए गए।

श्री श्रीनिवास मंथा, अनु. व्याख्याता (प्रशिक्षण)-

(क) भोर, पूना में 'स्काउट व गाइड प्रशिक्षण शिविर' में संयोजक के रूप में बी.एड. के छात्रों का मार्गदर्शन किया।

छात्रों के क्रियाकलाप एवं उपलब्धियाँ-

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 28.11.2007 से 30.11.2007 तक अंत: विद्यापीठ

नाट्य-कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 'मदनकेतुचरितम्' नाटक में 'शिवदास' के रूप में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का प्रथम पुरस्कार श्री सोमेन्द्र सिंह झा, बी.एड. छात्र को प्रदान किया गया।

(ख) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 28.11.2007 से 30.11.2007 तक अंत: विद्यापीठ नाट्य-कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 'मदनकेतुचरितम्' नाटक में -शृंगार-मंजरी' के रूप में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का द्वितीय पुरस्कार राजकुमारी तेजल गौड़, शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा को प्रदान किया गया।

(ग) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 28.11.2007 से 30.11.2007 तक अंत: विद्यापीठ नाट्य-कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 'मदनकेतुचरितम्' नाटक में 'वृद्ध महिला' के रूप में श्रेष्ठ अभिनेत्री का तृतीय पुरस्कार श्री रूपेश टेटे, प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र को प्रदान किया गया।

(घ) श्री अमित कुमार शर्मा को बंगलौर, कर्नाटक में 28.12.2007 से 30.12.2007 तक आयोजित 'अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्-स्पर्धा' में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र राज्य स्तर शास्त्रीय प्रतियोगिता में सांख्य योग शास्त्र में चुना गया।

(ङ) विकास कॉलेज, विक्रोली, मुम्बई में आयोजित नृत्य-कला प्रतियोगिता में कुमारी रूपल गौड़ और तेजल गौड़, शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्राओं को सर्वश्रेष्ठ युगल नर्तकियों के रूप में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

(च) गान्धी दर्शन अध्ययन केन्द्र, मुम्बई में 'गान्धी दर्शन की सार्वभौम प्रासंगिता' पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुमारी तेजल गौड़ और श्री रूपेश टेटे को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शैक्षिक सत्र की समाप्ति पर 'वार्षिक परीक्षा 2008' में शामिल छात्रों की कुल संख्या 120 थी।

परीक्षाएँ-

(क) प्राक् शास्त्री परीक्षाएँ 24.3.2008 से 4.4.2008 तक आयोजित की गईं।

(ख) प्राक्-शोध परीक्षाएँ 5.4.2008 को आयोजित की गई।

(ग) पूर्व अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा 6.4.2008 को आयोजित की गई।

(घ) प्राक् शास्त्री तथा शास्त्री छात्रों के लिए कम्प्यूटर व्यवहारिक परीक्षाएँ 7.4.2008 से 14.4.2008 तक आयोजित की गईं।

(ङ) शास्त्री, आचार्य एवं शिक्षा-शास्त्री छात्रों के लिए वार्षिक परीक्षाएँ 15.4.2008 से 30.4.2008 तक आयोजित की गईं।

(च) पी.एस.एस.टी. परीक्षा का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय, भाण्डुप, मुम्बई में 17.5.2008 को किया गया।

बजट एवं छात्रवृत्ति- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत वित्तीय सत्र 2007-2008 के लिए रु.1,10,28,225/- (रुपये एक करोड़, दस लाख, अट्ठाईस हज़ार, दो सौ और पच्चीस मात्र) का बजट स्वीकृत किया गया। उक्त राशि में से रु.61,00,000/- (रुपये इकसठ लाख मात्र) नियमित वेतन व भत्ते तथा परिसर के दैनंदिन खर्चों के लिए रखे गये। विद्यापीठ भवन हेतु भूमि के पट्टानामा दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए रु.49,56,225/- (रुपये उनचास लाख, छप्पन हज़ार, दो सौ और पच्चीस मात्र) स्वीकृत किए गए। अब के.जे. सौमैया न्यास द्वारा भूमि का अन्तरण राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठ को 99 वर्ष के लिए पट्टानामा पर कर दिया गया है।

इस विद्यापीठ में शैक्षिक सत्र 2007-2008 में रुपये 1,77,678/- (रुपये एक लाख, सतहत्तर हज़ार, छ सौ और अठहत्तर मात्र) की छात्रवृत्ति राशि नियमित एवं पात्र छात्रों को नियमानुसार वितरित की गई।

6. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता तथा संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं।

उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता देकर संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मा.सं.वि. मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रारम्भ किया था, पश्चात विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति की संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया गया है :

6.1 संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

कार्यक्षेत्र

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत के प्रचार एवं विकास के क्षेत्र में संगठनों/संस्थाओं/व्यक्तियों को अपनी गतिविधियाँ जारी रखने और/या उनका विस्तार करने या नये क्षेत्रों का उद्घाटन करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये गतिविधियाँ निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक प्रयोजनों से संबद्ध हो सकती हैं:-

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलना और/या विकसित पाठशालाओं/संस्थाओं का अनुरक्षण करना।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना

(ग) संस्कृत प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों तथा वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण या बढ़ाना

(ङ) संस्कृत प्रचार हेतु प्रचार उपस्करों को खरीदना

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, वाक्स्पर्धा, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन

(छ) द्विभाषीय शब्दकोश तैयार करना जिसकी एक भाषा संस्कृत हो

(ज) संस्कृत पाण्डुलिपियां तैयार करना और प्रकाशित करना।

(झ) संस्कृत की पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना, उनका प्रकाशन तथा उनके स्तर का अनुरक्षण तथा उनके सार और गुणवत्ता में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों हेतु पुरस्कारों की व्यवस्था

(ट) भवनों का निर्माण, उनकी मरम्मत तथा उनका विस्तार।

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन

(ड) संस्कृत में अनुसंधान।

(ढ) संस्कृत की समृद्धि, प्रचार और विकास में सहायता देने वाली कोई अन्य क्रिया कलाप।

किसी अनुमोदित योजना के निष्पादन पर होनेवाले कुल खर्च का अधिकतम 75 प्रतिशत अंश भारत-सरकार सहायता के रूप में देती है। भवन परियोजनाओं के मामले में अनुदान की सीमा अनुमोदित खर्च का 50 प्रतिशत या रु. 50,000/- इनमें से जो भी कम हो मान्य हैं। विशेष मामलों में वित्त मन्त्रालय के अनुमोदन से रु. 50,000/- की सीमा बढ़ाई जा सकती है।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमत: राज्य सरकारों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पर निर्भर है कि वह विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार करे। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणों के आधार पर विचार किया जाता है और

अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही स्वीकृत किया जाता है। अखिल भारतीय स्तर के आवेदनों को छोड़कर जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे प्राप्त होते हैं, आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए राज्य-सरकारों के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और प्रारंभ परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जा सकते हैं।

आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रिया:

संबंधित राज्य-सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते हुए यह बताएगी कि–

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) सिफारिश प्राप्त योजना से संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच हुई है और उन्हें उचित समझा गया है।

(घ) वह विशेष राशि जिसे राज्य सरकार उस संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने हेतु सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) सहायता-अनुदान की सिफारिश जिस निकाय हेतु है, वह दूषित भ्रष्टाचार व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजते वक्त राज्य-सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है, उसकी आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और प्रसार हेतु अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य-शिक्षा-विभाग या भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा-विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनुदान 25,000 रु. से अधिक है तो संस्था की जांच वहां जाकर की जा सकती है।
2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई है, उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया जाएगा। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापस करना होगा।
3. किस्तों में दी जाने वाली अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएंगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न किया गया हो और जब तक पहली किस्त से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ खर्च का प्रमाणित विवरण, अगली किस्त की प्राप्ति-प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त दी जाएगी।
4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक उचित समय निर्धारित किया जाना चाहिए। इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन कार्य पूरा करना होगा, जब तक संस्थान प्रार्थना करने पर अवधि न बढ़ा दे।
5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति

या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।

6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएं। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक कभी भी कर सकता है।
7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, अथवा स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों हेतु नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।
8. संस्था, भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, धर्म या वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्तिकर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।
9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत है, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।
10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2007-08 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, उनका राज्य-वार विवरण संलग्नक-झ में दिया गया है।

6.2 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा

संस्थान पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन करता है। समस्या-पूर्ति की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वे आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजें। सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को प्रत्येक प्रतियोगिता में पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। श्रेष्ठता के क्रम में क्रमशः रु. 2000/-, रु. 1500/- तथा रु. 1000/- के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि बढ़ाकर रु. 7000/-, रु. 5000/- और रु. 3000/- कर दी गई है। परिशोधित पुरस्कार राशि वर्ष 2005-06 से प्रयोज्य है।

वर्तमान दस प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की प्राचीन परम्परा की शास्त्र शिक्षण पद्धति से लिया गया है। इसमें छात्र को अपनी स्मृति में टीका सहित सारे मूल-पाठ को रखना होता है और "रजत श्लाका" द्वारा प्रकट बिन्दु से वर्णन व व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना एवं छात्र की स्मरण-शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

वर्ष 2007-08 में प्रतियोगिता का आयोजन पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मन्दिरम्, बंगलौर में किया गया। निर्णायक पैनल द्वारा कर्नाटक राज्य को प्रथम घोषित किया गया।

6.3 शास्त्र चूड़ामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओंके उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को बढ़ावा देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के न्यूनतम 12 वर्ष तक साहचर्य का पूर्णकालिक होना ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर ध्यान व विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल के आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामत: इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों पर लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होती। परिणामस्वरूप, ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्तव्य का निर्वहण तो प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देह-निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्तियां प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती है। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 2500/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 6 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

6.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्ट विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड व पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय से सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जा सकता हैं। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 50/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यतः प्रतिदिन रु. 200/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

इस वर्ष अनुस्थापन-पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु 18 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

6.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई॰ तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूणे का नेतृत्व किया जा रहा है। अब तक शब्दकोश की 7 जिल्दें प्रकाशित की जा चुकी हैं। आठवीं खण्ड का कार्य प्रगति पर है। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2007-08 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु.46.89 लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

6.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस योजना के अधीन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के अतिरिक्त आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक आर्थिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पाली/प्राकृत के

लिए एक पुरस्कार है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(इ) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(ई) सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्राधानाचार्य।

(उ) आदर्श संस्कृत पाठशालाओं के अध्यक्ष।

(ऊ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वानों से यह अनुरोध कि वे केवल दो नामों की संस्तुति करें।

(ऋ) भारत सरकार के सभी मन्त्रालय/विभाग।

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच एच.आर.एम. द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति करती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र कि अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर एच.आर.एम., प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

इसके अतिरिक्त संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी और फ़ारसी के युवा विद्वानों को भी भाषाओं के उन्नयन में श्रेष्ठ योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित किया जाता है। ऐसे युवा विद्वानों को प्रमाण-पत्र एवं शाल के अतिरिक्त रु. 1,00,000/- का एकमुश्त आर्थिक अनुदान दिया जाता है।

6.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों-जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को प्रस्तावित कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय जानने हेतु भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने हेतु सहायता अनुदान समिति के समक्ष रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर ही ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक लागत का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को निःशुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के

पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशक की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2006-07 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमशः संलग्नक ट और ठ में दिया गया है।

6.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तकों के विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। हालांकि, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजते हुए पुस्तकों की कम-से-कम दो प्रतियाँ मानार्थ भेजें। ये मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश के साथ उन पुस्तकालयों की सूची भी भेजी जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजनी हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में प्रत्येक प्रति पर 20 पैसे की दर से पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ सकता है जिनका वहन भी संस्थान करता है। आवेदक प्रतियों के प्रेषण-सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2007-08 में इस योजना के अन्तर्गत रुपये 63.32 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

6.9 आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत इसी प्रयोजन से, संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच. डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएं स्वीकृत आवर्ती का 95% स्वीकृत अनावर्त्ती का 75% प्राप्त करती हैं।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें :

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचारणीय हैं। हालांकि, मान्यता के कारण किसी भी संस्था को स्वतः वित्तीय सहायतार्थ अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रहना अधिकार की बात होती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत 'सोसाइटी' अथवा 'पंजीकृत न्यास' है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होना चाहिए। हालांकि, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। हालांकि, पुरानी योजना के अधीन पहले से सहायता प्राप्त जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रुपये 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन होगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने हेतु वचनबद्ध हों।

इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची संलग्नक-ढ में दी गई है।

6.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं-इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के छात्रों के लिए क्रमश: 15% और 7.5% छात्रवृत्तियाँ आरक्षित हैं।

संस्कृत में न्यूनतम 60% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं। आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हता को घटाकर 45% किया जा सकता है। प्रार्थी छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति के सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों हेतु ये छात्रवृत्तियाँ 1 जुलाई से अगामी 20 अप्रैल तक 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र के कार्य की प्रगति के रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य वृत्तिकारी कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं हो, उसे छात्रवृत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी आवश्यक शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रवृत्ति की निम्नलिखित दरें हैं :

(1) संस्कृत/पाली/प्राकृत के साथ नवम एवं दशम कक्षाएँ/ पूर्व-मध्यमा अथवा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 250/- प्रतिमाह।

(2) संस्कृत/पाली/प्राकृत के साथ ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाएँ/प्राक् शास्त्री/उत्तर-मध्यमा तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु 300/- प्रतिमाह।

(3) संस्कृत/पालि/प्राकृत के साथ शास्त्री/स्नातक/बी. ए./ बी.ए. (आनर्स) तथा त्रिवर्षीय समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 400/- प्रतिमाह।

(4) संस्कृत/पालि/प्राकृत में आचार्य उपाधि तथा इसके समकक्ष स्नातकोत्तर उपाधि रु. 500/- प्रतिमाह।

(5) संस्कृत/पालि/प्राकृत में विद्यावारिधि/पीएच.डी. तथा समकक्ष रु. 1500/-प्रतिमाह+रु. 2000/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (केवल दो वर्ष तक)।

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों हेतु विचारित प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या का विवरण संलग्नक-ड में दिया गया है।

6.11 असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। ऐसे सुझाव राज्य-सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुंचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष के रूप में, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पंडितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000 प्रतिवर्ष से कम है। किसी अन्य गुणवत्ता का निर्धारण नहीं है। संस्कृत पंडितों को यह वित्तीय सहायता 'राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान', नई दिल्ली के माध्यम से बांटा जाता है तथा लाभार्थी व्यक्ति के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

प्राप्तकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की दशा में, यह सहायता उसके पति/पत्नी को मृत्युपर्यन्त लगातार दी जाती है।

7. वर्ष 2007-2008 की प्रमुख घटनाएँ

7.1 मानाभिषेक समारोह (21.5.2007)

मानाभिषेक समारोह का आयोजन राष्ट्रपति भवन में दिनांक 21 मई, 2007 को किया गया। इसमें 22 विद्वानों ने सम्मान-पत्र तथा 8 युवा विद्वानों ने महर्षि बादरायण व्यास सम्मान 2006 प्राप्त किया।

महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, माननीय मन्त्री-मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा एच.ई. राज्य मन्त्री

महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, भारत के राष्ट्रपति सम्मान-पत्र प्रदान करते हुए

महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, भारत के राष्ट्रपति महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करते हुए

7.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त-समारोह (12.9.2007)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त-समारोह का आयोजन दिनांक 12 सितम्बर, 2007 को 'श्री फोर्ट' प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में किया गया। माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार व राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलाध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की।

प्रो. सुखदेव थोरट, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने दीक्षान्त-समारोह भाषण दिया। इस अवसर पर श्री गिरिधारी लाल भार्गव, संसद सदस्य, राजस्थान भी उपस्थित थे।

105 छात्रों को विद्यावारिधि उपाधि, 1932 छात्रों को आचार्य, 2233 छात्रों को शिक्षा शास्त्री, 2363 छात्रों को शास्त्री और 63 छात्रों को 2004-05, 2005-06 और 2006-07 के लिए उत्कृष्टता स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

बाएँ से: डॉ. सी. गिरि, प्रो. सुखेदव थोरट, माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री अर्जुन सिंह, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, श्री गिरिधारी लाल भार्गव तथा डॉ. जी.आर. मिश्रा.

माननीय मन्त्री महोदय उपाधि प्रदान करते हुए.

इस अवसर पर संस्कृत-भाषा-शिक्षणम् के 120 पाठों की डी.वी.डी. एलबम, न्याय मुक्तावली की 120 घण्टों की एम.पी.3 एलबम और राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 13 ग्रंथों का भी विमोचन किया गया। माननीय मन्त्री श्री अर्जुन सिंह ने जयपुर परिसर, पुरी परिसर, लखनऊ परिसर और शृंगेरी परिसर के विभिन्न भवनों का इलेक्ट्रानिक ढंग से उद्घाटन किया।

7.3 संस्कृत सप्ताहोत्सव (25 से 31 अगस्त, 2007)

'संस्कृत सप्ताहोत्सव' का आयोजन 25 अगस्त से 31 अगस्त, 2007 तक सप्ताह भर के लिए किया गया। संस्कृत दिवस का आयोजन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ और राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 28 अगस्त, 2007 को 'तीन मूर्ति' प्रेक्षागृह में किया गया।

समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। श्री केशव देसिराजु, आई.ए.एस, संयुक्त सचिव (भाषा) ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. (श्रीमती) क्रिस्टिन चजनाकी, ल्योन विश्वविद्यालय, फ्रांस सम्माननीय अतिथि थीं। समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती सरोजिनी महिषी, भूतपूर्व संसद सदस्य, लोक सभा व भूतपूर्व उपाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली थीं।

बाएँ से: प्रो. वी. उपाध्याय, डॉ. सरोजिनी महिषी, श्री केशव देसिराजू, प्रो. क्रिस्टिन चजनाकी और प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री संस्कृत दिवस समारोह के अवसर पर

प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने स्वागत भाषण में सब को बधाई दी और प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने सभी अतिथियों का धन्यवाद-ज्ञापन किया।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में संस्कृत सप्ताहोत्सव का उद्घाटन प्रो. रामरञ्जन मुखर्जी, भूतपूर्व कुलाधिपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा 25 अगस्त को में किया गया।

संस्कृत सप्ताहोत्सव के मध्य शृंखला-बद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में 'विद्वत् सान्निध्यम्' -समकालीन संस्कृत विद्वान् पर चर्चा का आयोजन किया गया। विषय विद्वान् प्रो. रामरञ्जन मुखर्जी थे। निम्नलिखित विद्वानों ने प्रो. मुखर्जी की कृतियों पर अपने विचार प्रस्तुत किये-

1. प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
2. प्रो. अवनीन्द्र कुमार, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. प्रो. शशी प्रभा कुमार, अध्यक्ष, संस्कृत भाषा केन्द्र, जे. एन.यू., नई दिल्ली।
4. प्रो. रमेश पाण्डे, प्रोफेसर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

प्रो. राम रञ्जन मुखर्जी, प्रो. वाचस्पति उपाध्याय तथा अन्य
विद्वान् संस्कृत सप्ताहोत्सव के उद्घाटन समारोह पर

समकालीन संस्कृत कवि पर 'कवि सान्निध्यम्' चर्चा का आयोजन 26 अगस्त, 2007 को किया गया। प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्रा, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी चर्चा के कवि थे। निम्नलिखित विद्वानों ने प्रो. मिश्रा की साहित्यिक उपलब्धियों का मूल्यांकन प्रस्तुत किया:-

1. प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश।
2. डॉ. कलानाथ शास्त्री, सचिव, संस्कृत साहित्य समाज, जयपुर, राजस्थान।
3. डॉ. पुष्पा दीक्षित, निदेशक, पाणिनीय शोध संस्थान, विलासपुर, मध्य प्रदेश।
4. डॉ. रमाकान्त शुक्ला, सेवानिवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

बाएँ से : प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, प्रो. राजेन्द्र मिश्रा एवं
अन्य विद्वान् संस्कृत सप्ताहोत्सव के 'कवि सान्निध्यम्' समारोह पर

अनेक अग्रगण्य विद्वानों ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

दिल्ली स्थित छठी से बारहवीं कक्षा के 356 छात्रों ने विभिन्न समूहों में श्लोक-उच्चारण, भाषा-स्पर्धा एवं निबंध-लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विजेता छात्रों को स्मृति-चिह्नों तथा प्रमाण-पत्रों के साथ-साथ नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

श्री आर. पी. अग्रवाल, सचिव, शिक्षा, भारत सरकार ने 31 अगस्त, 2007 को संस्कृत सप्ताहोत्सव के विदाई समारोह की शोभा बढ़ाई।

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने कार्यक्रमों के सभी सहयोगियों, सहभागियों तथा दर्शकों का धन्यवाद दिया।

संस्कृत सप्ताहोत्सव के मध्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों में विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

श्री आर.पी. अग्रवाल, शिक्षा सचिव, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय संस्कृत सप्ताहोत्सव के विदाई समारोह पर सम्बोधित करते हुए

7.4 हिन्दी पखवाड़ा (14 से 30 सितम्बर, 2007)

हिन्दी पखवाड़ा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में 14 से 30 सितम्बर, 2007 तक आयोजित किया गया। इस अवधि में विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने अति उत्साह से सहभागिता की।

प्रो. जी.एन. पाण्डे, कुलपति, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूटधाम द्वारा दिनांक 15.10.2008 को विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

बाएँ से : डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, प्रो. जी.एन. पाण्डे, कुलपति, जगद् गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय तथा प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

7.5 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा (26-28 दिसम्बर, 2007)

अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा का आयोजन 26 से 28 दिसम्बर, 2007 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, पूर्ण-प्रज्ञा शोध संस्थान मन्दिरम्, बंगलौर में किया गया। इसमें देश के 17 राज्यों से 126 छात्रों एवं 18 शिक्षकों ने न्याय, व्याकरण एवं साहित्य में समस्या-पूर्ति, श्लोकान्त्याक्षरी, भाषा-स्पर्धा और श्लाका परीक्षा के अतिरिक्त 8 शास्त्रों में भाग लिया।

समारोह का उद्घाटन संत तेजावर मठाधीश विश्वेशतीर्थ स्वामी जी द्वारा किया गया। प्रो. रामरञ्जन मुखर्जी, भूतपूर्व कुलाधिपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर प्रो. रामकरण शर्मा, भूतपूर्व अध्यक्ष, इण्टरनेशनल एसोसिएशन आफ संस्कृत स्टडीज़, मुख्य वक्ता थे।

श्री. एच.ई. रामेश्वर ठाकुर, सम्माननीय गवर्नर, कर्नाटक विदाई समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रो. वी.आर. पंचमुखी, कुलाधिपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.टी. पाण्डुरंगी, निदेशक, द्वैत वेदान्त स्टडीज़ रिसर्च फाउन्डेशन सम्माननीय अतिथि थे।

निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों को प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया:

1. प्रो. आर.के. शर्मा, भूतपूर्व अध्यक्ष, आई.ए.ए.एस., इण्टरनेशनल एसोसिएशन आफ एशियन स्टडीज़।
2. प्रो. एल. नारायण, प्राचार्य, वेद वेदान्त गुरुकुल, मादीपुर, गुंटूर।
3. प्रो. केदार नारायण जोशी, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।
4. प्रो. विश्वनाथ गोपाल कृष्ण, संस्कृत विद्वान, राजमुंदरी।
5. श्री देवदत्त पाटिल, पूना।
6. डॉ. हरिदास भट्ट, बंगलौर।
7. डॉ. प्रह्लादाचार्यार, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।

न्याय, साहित्य, व्याकरण में शलाका सहित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 43 पुरस्कार एवं पदक (स्वर्ण, रजत तथा कांस्य) प्रदान किए गए।

समग्र निष्पादन में कर्नाटक राज्य को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी मंचन किया गया। सहभागियों के अतिरिक्त अनेक संस्कृत विद्वानों, स्टाफ सदस्यों, छात्रों तथा जनसाधारण ने इस कार्यक्रम का अति उत्साह के साथ आनन्द उठाया।

श्री एच.ई. रामेश्वर ठाकुर, सम्माननीय गवर्नर, कर्नाटक अखिल भारतीय वाक्-स्पर्धा, बंगलौर के सुअवसर पर सम्बोधित करते हुए

संत तेजावर मठाधीश विश्वेश तीर्थ स्वामी जी के साथ विजेतागण

7.6 कौमुदी महोत्सव (अंत:परिसर संस्कृत नाट्य- कला प्रतियोगिता) 24-26 नवम्बर, 2007

कौमुदी महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संस्कृत नाट्य-कला प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 26 नवम्बर, 2007 तक लिटिल थियेटर ग्रुप (एल.टी.जी.) प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में किया गया। समारोह का उद्घाटन प्रो. श्रीनिवास रथ, कुलपति, महर्षि सन्दीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा किया गया। इस समारोह में श्री के.एम. आचार्य, अपर सचिव, शिक्षा, भारत सरकार सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. रथ ने अपने विचार व्यक्त किए। श्री के.एम. आचार्य ने विश्वविद्यालयों में भी नाट्य-कला प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का सुझाव दिया। उद्घाटन समारोह में प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्कृत नाट्य-कला प्रतियोगिताओं के उद्देश्यों का वर्णन किया। डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों का स्वागत किया और डॉ. जी. आर. मिश्रा, उप-कुलसचिव (परीक्षा) ने अतिथियों का धन्यवाद किया।

उद्घाटन समारोह के भाग के रूप में 10 परिसरों के छात्रों ने 'पूर्व रङ्ग' प्रस्तुत किया। संस्कृत नाटकों के अनुक्रम में प्रथम नाटक का मंचन 'कौरवौरवम्' के एकल अभिनय के रूप में किया गया। इसे श्री वेंकटेश मूर्ति, शोध सहायक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा उद्घाटन सत्र में प्रस्तुत किया गया।

निम्नलिखित 10 संस्कृत नाटकों का मंचन सभी परिसरों के छात्रों द्वारा 28-30 नवम्बर, 2007 को किया गया।

1.	अभिषेकनाटकम्	-	श्री राजीव गांधी परिसर,शृंगेरी, कर्नाटक
2.	मालविकाग्निमित्र	-	गुरुवायूर परिसर, पुरानाट्टुकरा, त्रिचूर, केरल
3.	त्रिपुरदाह	-	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, भोपाल, मध्य प्रदेश
4.	लटकमेलकम्	-	जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान
5.	भृर्तहरिनिर्वेदम्	-	श्री सदाशिव परिसर, पुरी, उड़ीसा
6.	चण्डकौशिकम्	-	लखनऊ परिसर, लखनऊ, उ.प्र.

7.	कर्पूरमंजरी	–	गरली परिसर, गरली, कांगड़ा, हि.प्र.
8.	धूर्तसमागम	–	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, उ.प्र.
9.	अविमारकम्	–	श्री रणबीर परिसर, जम्मू
10.	मदनकेतुचरितम्	–	मुम्बई परिसर, मुम्बई

संस्कृत नाट्योत्सव 2003-04 से आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव में 49 संस्कृत नाटकों का मंचन किया गया है। शृंगेरी के छात्रों द्वारा संस्कृत नाट्य कला के स्वर्ण जयंती समारोह के रूप में 50वें नाटक 'सुदामा मोक्ष' का भी मंचन किया गया।

शृंगेरी, गुरुवायूर और भोपाल परिसर के छात्रों द्वारा प्रदर्शित 'अभिषेकनाटकम्, मालविकाग्निमित्रम् और त्रिपुरदाह' नाटकों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विनायक भट्ट द्वारा अभिषेकनाटकम् में अभिनीत बाली के पात्र को सर्वश्रेष्ठ पुरुष पात्र घोषित किया गया और कुमारी मधु मिश्रा द्वारा चण्डकौशिकम् में अभिनीत शैव्या के पात्र को सर्वश्रेष्ठ महिला पात्र घोषित किया गया। इन नाटकों में निम्नलिखित निर्णायक थे:

1. प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, प्रोफेसर व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश।
2. प्रो. एल.एन.एम. मूर्ति, प्रोफेसर, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।
3. प्रो. बलदेव मेहता, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक।
4. श्री प्रयाग रामकृष्ण, उप-निदेशक, ऑल इण्डिया रेडियो, हैदराबाद।
5. डॉ. बलेदवानन्द सागर, निदेशक, संस्कृत समाचार, आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली।
6. श्रीमती विधु खेड़ा, नाट्य-कला विशेषज्ञ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली।

नाट्य-कला प्रतियोगिताओं के प्रेक्षक प्रतिष्ठित विद्वानों में प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, भूतपूर्व कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, प्रो. राममूर्ति शर्मा, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. श्रीधर वशिष्ठ, भूतपूर्व कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, प्रो. बद्रीनारायण पंचोली, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, श्री विद्या सागर वर्मा, भूतपूर्व कजाखिस्तान में भारत के भूतपूर्व राजदूत, प्रो. आर. महादेवन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, तिरुपति, प्रो. अवनीन्द्र कुमार, सेवा-निवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, डॉ. रमाकान्त शुक्ला, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, प्रो. रमेश पाण्डे, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के अन्य विद्वान उपस्थित थे।

डॉ. एन. गोपालस्वामी, निर्वाचन आयोग एवं श्री मोहम्मद अशरफ अली फातमी, सम्माननीय राज्य मन्त्री, शिक्षा भी नाट्योत्सव में उपस्थित थे।

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री ने सभी संबद्ध व्यक्तियों का स्वागत किया एवं उन्हें बधाई दी। डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, ने अतिथियों को धन्यवाद दिया।

बाएँ से : प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, श्री के.एम. आचार्य, प्रो. श्रीनिवास रथ और डॉ. सी. गिरि

प्रबन्धन परिषद् के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	निदेशक (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
4.	प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी प्रोफेसर ऑफ संस्कृत डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय सागर-470003 (म.प्र.)	सदस्य
5.	प्रो. गंगाधर पण्डा प्रोफेसर ऑफ संस्कृत सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी-221002 (उ.प्र.)	सदस्य
6.	श्री नीतिश सेनगुप्ता 'सुनन्दा' 40/135, सी.आर. पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019	सदस्य
7.	प्रो. श्रीनिवास रथ 12, उद्यान मार्ग, उज्जैन-456010 (म.प्र.)	सदस्य
8.	प्रो. बलदेव मेहरा संस्कृत विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक-124001 (हरियाणा)	सदस्य
9.	प्रो. आजाद मिश्र राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, ई-7/62, अरेरा कॉलोनी, भोपाल-462016 (म.प्र.)	सदस्य
10.	डॉ. कमल नयन शर्मा, रीडर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाई-पास, जयपुर (राजस्थान)	सदस्य
11.	डॉ. एस. सुब्रमन्य शर्मा वरिष्ठ व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरूवायूर परिसर पो. पुरानट्टुकड़ा, जिला-त्रिचूर-680551 (केरल)	सदस्य
12.	कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

संलग्नक-ख

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	श्री नीतिश सेनगुप्ता भूतपूर्व सदस्य - योजना आयोग 'सुनन्दा' 40/135, सी.आर. पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019	सदस्य
3.	प्रो. श्रीनिवास रथ 12, उद्यान मार्ग, उज्जैन-456010 (म.प्र.)	सदस्य
4.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
5.	निदेशक (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
6.	प्रो. केशव शर्मा रत्न कुमारी संस्कृत शोध संस्थान भारती विहार, मशोबरा, शिमला (हि.प्र.)	सदस्य
7.	डॉ. करतार सिंह उप वित्त अधिकारी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (यू.जी.सी. के नामिती)	सदस्य
8.	कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
1.	प्रो. गोपाराजु रामा	प्राचार्य (30.6.07 को कार्यमुक्त)	साहित्य, व्याकरण
2.	डॉ. (श्रीमती) एस. के. मिश्र	रीडर	साहित्य
3.	डा. ललित कुमार त्रिपाठी	रीडर	नव्य व्याकरण
4.	डॉ. वी. एन. गिरि	रीडर	साहित्य
5.	डॉ. बनमाली बिस्वाल	रीडर	व्याकरण
6.	डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	रीडर	साहित्य
7.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	व्याख्याता	व्याकरण
8.	डॉ. पवन कुमार	व्याख्याता	साहित्य
9.	श्रीमती बीना मिश्र	संग्रहाध्यक्ष	शोध
10.	श्री राम रूप	पुस्तकालयाध्यक्ष	शोध
11.	डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
12.	श्री रामचन्द्र	शोध सहायक	शोध
13.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	शोध
2.	**श्री सदाशिव परिसर, पुरी**		
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. के.बी. सुभारायदु	प्रोफेसर	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. सीएच. एल. एन. शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
4.	डॉ. एफ. एम. पण्डा	रीडर	पुराणेतिहास
5.	डॉ. खगेश्वर मिश्र	रीडर	धर्मशास्त्र
6.	डॉ. सीएच. एन. वी. प्रसाद राव	रीडर	अद्वैत वेदान्त
7.	श्री एस.वी.आर. मूर्ति	रीडर	अंग्रेजी
8.	डॉ. ए. के. नन्दा	रीडर	धर्मशास्त्र
9.	डॉ. एच. के. महापात्रा	रीडर	व्याकरण
10.	डॉ. के.वी. सोमयाजुलु	रीडर	व्याकरण
11.	डॉ. एस.एम. रथ	रीडर	साहित्य
12.	डॉ. एम.एम. झा	रीडर	शिक्षा शास्त्र

क्रमशः...

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
13.	डॉ. एस.के. सेनापति	रीडर	सर्वदर्शन
14.	श्री बी.पी. मोहन्ती	व्याख्याता (पी.ई.) चयन श्रेणी	शारीरिक शिक्षा
15.	डॉ. (श्रीमती) एम.रथ	वरिष्ठ व्याख्याता	पुराणेतिहास
16.	डॉ. एल.के. साहू	वरिष्ठ व्याख्याता	धर्मशास्त्र
17.	डॉ. यू.एन. झा	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
18.	डॉ. आर.के. बर्मन	वरिष्ठ व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
19.	डॉ. सत्यम कुमारी	वरिष्ठ व्याख्याता	न्याय
20.	श्रीमती गौरा प्रिया दाश	वरिष्ठ व्याख्याता	सांख्य योग
21.	डॉ. एस. एन. आचार्य	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
22.	डॉ. (श्रीमती) अनुपम पृस्ति	वरिष्ठ व्याख्याता	नव्य व्याकरण
23.	डॉ. पी.के. महापात्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
24.	डॉ. (श्रीमती) शुभस्मिता मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
25.	डॉ. (श्रीमती) एन. पाणिग्रही	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
26.	डॉ. के. ई. मधुसूदनन	वरिष्ठ व्याख्याता	नव्य न्याय
27.	डॉ. बृंदाबन पात्र	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
28.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
29.	डॉ. वी.पी. कच्छवाह	वरिष्ठ व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
30.	डॉ. दुर्गा सीएच. सारंगी	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
31.	डॉ. महेश झा	वरिष्ठ व्याख्याता	न्याय
32.	डॉ. श्रीमती के. महापात्रा	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	हिन्दी
33.	डॉ. एन.सी. साहू	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	उड़िया
34.	श्री पी.सी. महापात्रा	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	इतिहास
35.	कुमारी स्नेहा नन्दा	वरिष्ठ पी.जी.टी.	साहित्य
36.	डॉ. श्रीमती एस. सतपथी	वरिष्ठ पी.जी.टी.	सर्वदर्शन
37.	डॉ. एस. आचार्य	वरिष्ठ पी.जी.टी.	हिन्दी
38.	श्री पी.सी. साहू	वरिष्ठ टी.जी.टी.	हिन्दी, डी.सी.एस. गणित
39.	श्रीमती बी.एल. मोहन्ती	वरिष्ठ टी.जी.टी.	साहित्य
40.	डॉ. (श्रीमती) आर.एम. प्रतिहारी	वरिष्ठ टी.जी.टी.	साहित्य
41.	श्री डी.पी. दास महापात्रा	वरिष्ठ टी.जी.टी.	इतिहास
42.	डॉ. एन.के. पाण्डेय	टी.जी.टी.	व्याकरण

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
3.	**श्री रणवीर परिसर, जम्मू**		
1.	प्रो. वी.एम. शास्त्री	प्रधानाचार्य	साहित्य
2.	डॉ. वी.एन. झा	रीडर	साहित्य
3.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	व्याख्याता	साहित्य
4.	डॉ. डी.के. सिंहदेव	व्याख्याता	साहित्य
5.	डॉ. एस.के. शर्मा	पी.जी.टी.	साहित्य
6.	डॉ. वाई.पी. खजूरिया	प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. के.पी. शर्मा	रीडर	व्याकरण
8.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	रीडर	व्याकरण
9.	डॉ. रामजी पाण्डेय	पी.जी.टी.	व्याकरण
10.	डॉ. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	व्याकरण
11.	डॉ. आई.एम. दास	प्रोफेसर	ज्योतिष
12.	डॉ. बी.बी. मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
13.	श्री राम दास	टी.जी.टी.	ज्योतिष
14.	डॉ. बी.एन. झा	रीडर	दर्शन
15.	श्री के. रघुनाथन	रीडर	दर्शन
16.	डॉ. जे.भानु मूर्ति	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. बच्चा भारती	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. नागेन्द्र झा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. जे.आर. शर्मा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
20.	श्री दरयाव सिंह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
21.	श्री एस.सी. शर्मा	रीडर	अंग्रेजी
22.	डॉ. रमेश सिंह	रीडर	शारीरिक शिक्षा
23.	डॉ. विनोद कुमार गुप्ता	कनिष्ठ व्याख्याता	हिन्दी
24.	श्रीमती रेणु मल्होत्रा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
25.	श्रीमती निर्मल गुप्ता	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
26.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
27.	डॉ. आर.सी. होता	शोध सहायक	शोध
28.	डॉ. एम.के. मारवाह	शोध सहायक	शोध
29.	डॉ. सुरेश पाण्डे	शोध सहायक	शोध

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
30.	डॉ. सुनीता गुप्ता	शोध सहायक	शोध
4.	**गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर**		
1.	डॉ. एन.आर. कन्नन	प्रधानाचार्य	न्याय,मीमांसा, वेदान्त
2.	प्रो. के.टी. माधवन	प्रोफेसर	साहित्य
3.	डॉ. एम.ए. बाबू	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
4.	डॉ. पी.जी. श्रीनिवासन	रीडर	व्याकरण
5.	डॉ. वी.के. शैलजा	रीडर	व्याकरण
6.	डॉ. सी.एल. सिसिली	रीडर	व्याकरण
7.	डॉ. आर. प्रतिभा	रीडर	वेदान्त
8.	श्री एस. सुब्रमनिय शर्मा	वरिष्ठ व्याख्याता	वेदान्त
9.	डॉ. इन्दिरा पी.	व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
11.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन्	व्याख्याता	न्याय
12.	डॉ. शम्भुनाथ महालिक	व्याख्याता	वेदान्त
13.	डॉ. आर. बालमुरूगन	व्याख्याता	न्याय
14.	श्री विश्वानाथन् के.	व्याख्याता	साहित्य
15.	डॉ. बी. पीएम श्रीनिवास	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. चन्द्रकान्त	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	श्री त्रिविक्रमन नम्बूदिरी ए.एम.सी.	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
19.	डॉ. कृष्णन नम्बूदिरी के.	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
20.	डॉ. के. सरलादेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
21.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	कनिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
22.	डॉ. के. यू. जया	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य इतिहास
23.	श्रीमती वी. के. सुबैदा	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य हिन्दी
24.	डॉ. सी. सान्था	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
25.	डॉ. पी.वी. श्रीदेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
26.	के. ए. जेस्सी	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य मलयालम
27.	श्रीमती जयश्री पी.	वरिष्ठ प्रशिक्षक	कम्प्यूटर
28.	श्रीमोहन के. आर.	कनिष्ठ प्रशिक्षक	कम्प्यूटर

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
29.	डॉ. ललिता चन्द्रन	शोध सहायक	शोध
30.	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन	शोध सहायक	शोध
5.	**जयपुर परिसर, जयपुर**		
1.	डॉ. हिन्द केसरी	प्रधानाचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	डॉ. कमल नयन शर्मा	रीडर	धर्मशास्त्र
5.	डॉ. (श्रीमती) भगवती सुदेश	रीडर	धर्मशास्त्र
6.	डॉ. शिवकान्त झा	रीडर	व्याकरण
7.	डॉ. टी.के. शर्मा	रीडर	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. वाई.एस. रमेश	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
9.	डॉ. श्रेयांस कुमार सिंघई	रीडर	जैन-दर्शन
10.	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा	रीडर	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. (श्रीमती) संतोष मित्तल	रीडर	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. फतेह सिंह	रीडर	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	रीडर	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. के. पी. केशवन	रीडर	साहित्य
15.	डॉ. ओ. पी. भदाना	रीडर	शारीरिक शिक्षा
16.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	रीडर	साहित्य
17.	डॉ. विजय पाल शास्त्री	रीडर	साहित्य
18.	डॉ. श्रीधर मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
19.	डॉ. ईश्वर भट्ट	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
20.	डॉ. बत्ती लाल मीना	व्याख्याता (मुम्बई परिसर को स्थानान्तरित)	शिक्षा-शास्त्र
21.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	व्याख्याता	जैन दर्शन
22.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	व्याख्याता	साहित्य
23.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	व्याख्याता	व्याकरण
6.	**लखनऊ परिसर, लखनऊ**		
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा	प्रधानाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
2.	प्रो. एस.एन. झा	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. एस.के. चतुर्वेदी	रीडर	व्याकरण

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
4.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
5.	डॉ. बटोही झा	रीडर	साहित्य
6.	डॉ. एल.एन. पाण्डे	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. वी.के. जैन	रीडर	बौध दर्शन
8.	डॉ. एस.के. पाण्डे	रीडर	हिन्दी
9.	डॉ. एस.के. पाठक	रीडर	व्याकरण
10.	डॉ. राम लखन पाण्डेय	रीडर	साहित्य
11.	डॉ. जी.पी. शर्मा	रीडर	शारीरिक शिक्षा
12.	डॉ. (श्रीमती) ए. अग्रवाल	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
13.	डॉ. डी.के. झा	व्याख्याता	व्याकरण
14.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम	व्याख्याता	ज्योतिष
15.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	व्याख्याता	साहित्य
16.	डॉ. भारत भूषण त्रिपाठी	व्याख्याता	व्याकरण
17.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. शामदेव मिश्र	व्याख्याता	ज्योतिष
19.	कुमारी गजला अंसारी	व्याख्याता	साहित्य
20.	डॉ. गुरचरण सिंह नेगी	व्याख्याता	बौद्ध दर्शन
21.	श्री जगन्नाथ झा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
22.	श्रीमती कविता बिसरिया	कनिष्ठ व्याख्याता	अंग्रेजी
23.	डॉ. एस.पी. सिंह	कनिष्ठ व्याख्याता	अर्थशास्त्र
24.	डॉ. आर.बी. दुबे	शोध सहायक	शोध
7.	**श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी**		
1.	प्रो. आर. देवनाथन	प्रधानाचार्य (15.06.06 से)	व्याकरण
2.	डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. ई.एम. राजन	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	रीडर	अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. सुब्रय वी. भट्ट	वरिष्ठ व्याख्याता	मीमांसा
6.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	व्याख्याता	साहित्य
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
9.	डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. नवीना होल्ला	व्याख्याता	न्याय
11.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	व्याख्याता	व्याकरण
12.	डॉ. कृष्णनाथन पद्मनाभम्	व्याख्याता	व्याकरण
13.	श्री गणेश ईश्वर भट्ट	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	व्याख्याता	साहित्य
15.	श्री हरि प्रसाद के.	व्याख्याता (16.10.06 तक)	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. भगवान समथराय	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
17.	डॉ. सोमनाथ साहु	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	व्याख्याता	साहित्य
8.	**गरली परिसर, गरली**		
1.	प्रो. आर.एन. दास	प्रधानाचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. सुबोध शर्मा	रीडर	व्याकरण
3.	डॉ. ए.सी. गौड़	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
4.	डॉ. एम.एम. पाठक	रीडर	ज्योतिष
5.	डॉ. सी.एम. रैना	व्याख्याता	ज्योतिष
6.	डॉ. वी.के. निर्मल	व्याख्याता	ज्योतिष
7.	डॉ. आर.के. शर्मा	रीडर	साहित्य
8.	डॉ. एस.एन. तिवारी	रीडर	साहित्य
9.	डॉ. के.के. दलाल	व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. एस.के. त्रिपाठी	व्याख्याता	साहित्य
9.	**भोपाल परिसर, भोपाल**		
1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्रोफेसर/ओ.एस.डी.	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. वी.एन. चौधरी	रीडर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. पी.डी. चौधरी	रीडर	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. पवन कुमार	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. आजाद मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. बोध कुमार झा	रीडर	व्याकरण
8.	श्री ब्रजभूषण ओझा	व्याख्याता	व्याकरण

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
9.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. सुज्ञान कुमार महन्ती	व्याख्याता	साहित्य
11.	डॉ. नारायणन ई. आर.	व्याख्याता	साहित्य
12.	डॉ. रामचन्द्र जोइस	व्याख्याता	साहित्य
13.	डॉ. हंसधर झा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
14.	श्री अमित शुक्ल	व्याख्याता	ज्योतिष
15.	डॉ. के.के. शिने	व्याख्याता (मुम्बई परिसर को स्थानांतरित)	शिक्षाशास्त्र
16.	श्री देवदत्त सरोदे	व्याख्याता (मुम्बई परिसर को स्थानांतरित)	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. अर्चना दूबे	व्याख्याता	हिन्दी
10.	**के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् (परिसर), मुम्बई**		
1.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	प्रधानाचार्य (शृंगेरी परिसर से स्थानान्तरित)	व्याकरण
2.	डॉ. प्रकाश चन्द्र	रीडर	व्याकरण
3.	डॉ. (श्रीमती) राधा	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. लोकमान्य मिश्र	रीडर (लखनऊ परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. के.के. शिने	रीडर (भोपाल परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. बत्तीलाल मीना	व्याख्याता (जयपुर परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
7.	श्री देवदत्त सरोदे	व्याख्याता (भोपाल परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
8.	श्री वी.एस.वी.भास्कर रेड्डी	व्याख्याता (भोपाल परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. (श्रीमती) चन्द्रकला आर. कोंदि	व्याख्याता	साहित्य
10.	श्री हरिप्रसाद के.	व्याख्याता (शृंगेरी परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र

संलग्नक-घ

नवम्बर 2007 से अक्टूबर 2008 तक आयोजित मौखिक-परीक्षा में सम्मिलित विद्यावारिधि के छात्रों की सूची

क्रमांक	फाइल नं.	नाम/पिता का नाम	गाइड	परिसर	विषय	शास्त्र	मौखिक परीक्षा तारीख
1.	16-785	रंजन कुमार महापात्र, सुपुत्र श्री महेश्वर महापात्र	डॉ. सच्चिदानन्द मिश्र	पुरी	श्री बुद्धिनाथ झा के सिद्धांत शिरोमणि के टिप्पणी विवरण का समीक्षात्मक अध्ययन	ज्योतिष	02.11.07
2.	16-738	इतिश्री महापात्र, सुपुत्री श्री ब्रजमोहन महापात्र	डॉ. खगेश्वर मिश्र	पुरी	अशौचविषये विज्ञानेश्वरदेवणभट्ट मतयोस्तुलनात्मकम् अध्ययनम्	धर्म-शास्त्र	03.11.07
3.	16-759	राम प्रताप, सुपुत्र श्री बंशी लाल	डॉ. बनमाली बिश्वाल	इलाहाबाद	सीमाभिधानस्य गद्यकाव्यस्य साहित्यिकं परिशीलनम्	साहित्य	03.11.07
4.	16-779	कादम्बिनी साहु, सुपुत्री श्री अच्युतानन्द साहु	डॉ. अतुल कुमार नन्दा	पुरी	नित्याचारप्रदीपः -नित्याचारपद्धत्योः तुलनात्मकम् अध्ययनम्	धर्म-शास्त्र	06.11.07
5.	16-780	विक्रम राउत, सुपुत्र श्री विश्वनाथ राउत	डॉ. अतुल कुमार नन्दा	पुरी	कौटिल्य अर्थशास्त्र व्यवहार तथा विवादरत्नाकर का तुलनात्मक अध्ययन	धर्म-शास्त्र	07.11.07
6.	16-750	शिव प्रसाद ओता, सुपुत्र श्री भास्कर ओता	डॉ. खगेश्वर मिश्र	पुरी	श्री रामचन्द्र वाजपेयी कृत प्रायश्चित दीपिकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्म-शास्त्र	12.11.07
7.	16-794	मनीषा मिश्र, सुपुत्री श्री रमापति मिश्र	डॉ. शैल कुमारी मिश्र	इलाहाबाद	कवि कर्णपूरविरचितस्य परिजातहरणमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य	26.11.07
8.	16-747	अनीता दीक्षित, सुपुत्री श्री शैलेन्द्र दीक्षित	डॉ. राम सागर मिश्र	लखनऊ	सीता-हरण-नाटकस्य परिशीलनम्	साहित्य	03.12.07
9.	16-733	नगेन्द्र सिंह	डॉ. विशम्भर नाथ गिरि	इलाहाबाद	सुकृतिदत्तप्रणीतस्य कार्त्तवीर्योदय महाकाव्यस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य	06.12.08
10.	16-798	विष्णुकान्त शर्मा, सुपुत्र श्री जगदीश नारायण शर्मा	डॉ. संतोष मित्तल	जयपुर	संस्कृतशिक्षणे अर्वाचीन प्रोद्योगिक्याः प्रभावशीलतायाः अध्ययनम्	शिक्षा-शास्त्र	10.12.07
11.	16-776	जगमोहन मिश्र, सुपुत्र श्री आर्तबन्धु मिश्र	डॉ. अतुल कुमार नन्दा	पुरी	रघुनन्दनकृत व्यवहारतत्वेन सह प्रतापरुद्रदेव-कृत सरस्वतीविलासस्य तुलनात्मकम् अध्ययनम्	धर्म-शास्त्र	18.12.07

क्रमशः....

क्रमांक	फाइल नं.	नाम/पिता का नाम	गाइड	परिसर	विषय	शास्त्र	मौखिक परीक्षा तारीख
12.	16-781	मधवन एन. पाण्डुरंगी, सुपुत्र श्री एन.के. पाण्डुरंगी	प्रो. ए. हरिदास भट्ट	पूर्णप्रज्ञा शोध संस्थान, बगलौर	श्री कुम्भकोण आनन्दतीर्थाचार्यकृत न्यायरत्नाकरस्य विमर्शात्मकम् सम्पादनम्	द्वैत वेदांत	21.01.08
13.	16-698	सुश्री बाला नायक, सुपुत्री श्री भ्रमरवर नायक	डॉ. मिनती रथ	पुरी	महाभारतीय शान्ति पर्व में आपदधर्मोपर्वण का समीक्षात्मक अध्ययन	धर्म-शास्त्र	05.02.08
14.	16-810	कविता पंत, सुपुत्री श्री जगदीश चन्द्र पंत	डॉ विशम्भर नाथ गिरि	इलाहाबाद	श्रीमद् रुद्रदेवविरचिताया: उषारागोदया नाटिकाया: समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य	14.02.08
15.	16-788	नरेन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री राम स्वरूप	श्री शिव कुमार	लखनऊ	व्याकरण सिद्धांत कौमुदी अंतर्गत पञ्चसन्धि-प्रकरणस्य विविध टीकाश्रितम् अध्ययनम्	व्याकरण	10.03.08
16.	16-797	अमित कुमार त्रिपाठी, सुपुत्र श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी	डॉ. वी.पी. हिमांशु	पुरी	श्री गणेश्वर रथ वाचस्पति विरचितस्य श्री पुरुषोत्तम चरितस्य अध्ययनम्	साहित्य	12.03.08
17.	16-807	स्मिता पट्टनायक, सुपुत्री श्री ए.के. पट्टनायक	डॉ. फकीर मोहन पण्डा	पुरी	पुराणेतिहासेषु ब्रह्मकुमार:	पुराणेतिहास	18.03.08
18.	16-773	अजित कुमार द्विवेदी, सुपुत्र श्री के.के द्विवेदी	डॉ. बनमाली बिश्वाल	इलाहाबाद	प्रकाशितानाम् वाजसनेयि प्रातिशाख्य टीकानां सामीक्षिकं तुलनात्मकम् अध्ययनम्	वेद	10.04.08
19.	16-836	अर्चना सत्पथी, सुपुत्री श्री जयकृष्ण सत्पथी	डॉ. पी.के. महापात्र	पुरी	भाग्यभावस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	ज्योतिष	07.07.08
20.	16-859	अजिता मिश्र, सुपुत्री श्री काशीनाथ मिश्र	डॉ. जी. गंगन्ना	पुरी	ललित-विस्तरस्यालंकारिकमध्ययनम्	साहित्य	15.07.08
21.	16-760	रश्मिता शतपथी, सुपुत्री डॉ. राम चन्द्र शतपथी	डॉ. जी. गंगन्ना	पुरी	उत्कलीयपञ्चसखा शांकरवेदान्त दर्शनयो: विश्लेषणात्मकम् अध्ययनम्	अद्वैत वेदांत	25.07.08
22.	16-835	अनीता शर्मा, सुपुत्री श्री मूलचन्द्र	श्रीमती सरस्वती जैन	महावीर विश्व संस्कृत विद्यापीठ जयपुर	संस्कृतकाव्यपरंपरायां मध्यमकाव्यस्य व्यापकत्वसमीक्षणम्	व्याकरण	31.07.08
23.	16-641	राजेन्द्र कुमार सैनी, सुपुत्र श्री एच.एस. सैनी	डॉ. शिव कांत झा	जयपुर	परिभाषेन्दुशेखरस्य त्रिपथगा टीकाया: समीक्षात्मकं सम्पादनम्	व्याकरण	05.08.08
24.	16-834	उमेश टी., सुपुत्र श्री तिम्मप्पा	डॉ. सुब्रायु वी. भट्ट	श्रृंगेरी	श्रौतेषु प्रकृति-विकृतियागविमर्श:	पूर्व मीमांसा	12.09.08

क्रमश:....

संलग्नक-घ (क्रमश:....)

क्रमांक	फाइल नं.	नाम/पिता का नाम	गाइड	परिसर	विषय	शास्त्र	मौखिक परीक्षा तारीख
25.	16-792	शिव प्रकाश पाठक, सुपुत्र श्री वी.पी. पाठक	डॉ. शैल कुमारी मिश्र	इलाहाबाद	श्रीमद्-भागवत-महापुराणे चतुष्षष्टिकला विमर्शः	पुराण	12.09.08
26.	16-855	मानस प्रकाश मिश्र, सुपुत्र डॉ. विजय नारायण मिश्र	डॉ. गोप राजु रामा	इलाहाबाद	ऋगवेदस्य दशम मण्डलस्य सांस्कृतिकपरिशीलनम्	वेद	12.09.08
27.	16-806	विश्व रंजन पण्डा देब शर्मा, सुपुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ पण्डा	डॉ. अनुपमा पृष्टि	पुरी	परमलघुमंजूषायाः तत्त्वार्थनिरूपणे वाक्यपदीयस्य योगदानम्	व्याकरण	16.09.08
28.	16-844	विमलेश झा, सुपुत्र डॉ. विघनेश झा	डॉ. उमा रमन झा	लखनऊ	नवाह्निक-महाभाष्य-विमला व्याख्यायाः तत्त्वालोकाभ्यां सह तुलनात्मकम् अध्ययनम्	व्याकरण	18.09.08
29.	16-730	दीनानाथ त्रिपाठी, सुपुत्र श्री ओंकार नाथ त्रिपाठी	डॉ. बनमाली बिश्वाल	इलाहाबाद	पाणिन्युत्तरवर्तिव्याकरणस्य शास्त्रीय-संज्ञाशब्दानां समालोचनात्मकम् अध्ययनम्	व्याकरण	18.09.08
30.	16-796	मोहन चन्द्र झा, सुपुत्र श्री धर्मनारायण झा	डॉ. फूलकांत मिश्र	दरभंगा	श्री-भिक्षु-महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य	18.09.08
31.	16-802	अनुराग पाण्डेय, सुपुत्र श्री गिरधारी लाल	डॉ. विशम्बर नाथ गिरि	इलाहाबाद	वैशेषिकसूत्रोपस्कार विवृत्योः तुलनात्मकं परिशीलनम्	दर्शन	22.09.08
32.	16-828	हरिओम शर्मा, सुपुत्र श्री रामअवतार शर्मा	डॉ. कमल नयन शर्मा	जयपुर	वर्तमानपरिस्थितौ प्राचीनशिक्षाव्यवस्थायाः प्रासंगिकता	धर्म-शास्त्र	24.09.08
33.	16-768	रूबी श्रीवास्तव, सुपुत्री श्री शिवाजी	डॉ. बनमाली बिश्वाल	इलाहाबाद	पौराणिक वाङ्मये विचित्रविद्यास्वरूप-समीक्षणम्	पुराण	25.09.08
34.	16-803	पूर्णा मौर्या, सुपुत्री श्री राम अभिलाष सिंह	डॉ. विशम्बर नाथ गिरि	इलाहाबाद	हरिदासभट्टाचार्यप्रणीतायाः विराज-सरोजिनीनाटिकायाः परिशीलनम्	साहित्य	25.09.08
35.	16-816	राधारमण पाण्डेय, सुपुत्र श्री रामदेव पाण्डेय	डॉ. बनमाली बिश्वाल	इलाहाबाद	वैज्ञानिकपृष्ठभूमौ अथर्ववेदस्य समीक्षात्मक-मध्ययनम्	वेद	26.09.08
36.	16-826	राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, सुपुत्र श्री त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी	डॉ. विशम्बर नाथ गिरि	इलाहाबाद	मृगांकलेखानाटिकायाः समालोचनात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य	23.10.08
37.	16-669	आहुति रथ, सुपुत्री श्री सुरेन्द्र कुमार रथ	डॉ. जी. गंगन्ना	पुरी	श्री पूर्णानन्दगोस्वामीविरचित सिद्धान्त बिन्दुसारस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	सर्व-दर्शन	23.10.08

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय ग्राम-पो. लगमा, (रामभद्र पुर) वा. लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार)-847407	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटैली, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार)-842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, प्राचीन व्याकरण)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी, पो. पटोरी बसंत, जिला–दरभंगा (बिहार)-846003	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष-सिद्धान्त व फलित, व्याकरण)। विद्यावारिधि।
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वा. बहेरा, जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
7.	डॉ. मंडन मिश्र माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
9.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंजरपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत महाविद्यालय गाँव व पो. कथरा–847423 जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार)-847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष और धर्मशास्त्र)। विद्यावारिधि।
	दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–15	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्य न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
14.	श्री राम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612, दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्वविद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन), विद्यावारिधि।
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तग्मध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
24.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
गुजरात		
25.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
26.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
27.	एम.जे.पी. संस्कृत विद्यालय नरुनपुर, मीलाम्बिका रोड, अहमदाबाद–13	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
28.	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय सरखेज गांधी नगर, हाईवे, छरोडी–382421	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
हरियाणा		
29.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
30.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघोला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
31.	श्री रामकृष्ण संस्कृत विद्यालय जी.टी. रोड, मुरथल, जिला–सोनीपत (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
32.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
33.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
जम्मू व कश्मीर		
34.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
झारखण्ड		
35.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड। पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
36.	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल		
37.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
38.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
39.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्विलोन (केरल)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
40.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
41.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
42.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यापीठम्, देवस्वम् बोर्ड जंक्शन, कावदिअर, पो. त्रिवेन्द्रम–695003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
43.	श्री भारती संस्कृत महाविद्यालय, मुजुंगावु, पो. एडनाड कासरगोड (केरल) - 671321	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
44.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
45.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
46.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
47.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो. हिवाटा, (बी.यू.), तहसील मेहकर, जिला–बुलढ़ाना (महाराष्ट्र) 443301	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
48.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
पंजाब		
50.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
51.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज खन्ना–141401 जिला–लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
52.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी–322201 जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
53.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
54.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
55.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
56.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
57.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
58.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
59.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तराञ्चल		
60.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो. त्रियुगी नारायण जनपद जिला–चमोली	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
61.	ज्वल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ज्वल्पा देवी मन्दिर, पो. पति सैन पौडी–गढ़वाल	
62.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सलड महादेव जिला–पौडी गढ़वाल–246279	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
63.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय दौरा पो. (कंटई) जिला–मिदनापुर पश्चिम बंगाल–72140	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
64.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, व्याकरण, वेदान्त, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
65.	ठाकुर गदाधर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. आरामबाग (कालीपुर) जिला–हुगली (पश्चिम बंगाल) – 712601	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)
66.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
67.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्ययोग, नव्यन्याय, वेदान्त)

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
68.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, तेनोहरी, थाना रानीगंज जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
69.	भारती चतुष्पथी श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
70.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
71.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पो. आरामबाग (कालीपुर) जिला–हुगली – 712601 (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-च

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71/ स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	-वही-
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल, 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वॉल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवाईई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी
		शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा	प्री. यूनिवर्सिटी
		शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
		शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
		शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	डी.फिल्
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
		शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं. ए सी एम-II/6115 दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81	शास्त्री आचार्य	बी.ए., शास्त्री एम.ए.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली पत्र संख्या-एफ. 36/ओईन 31/संस्कृत/22721 दिनांक 23.12.74 नई दिल्ली	प्रथमा	मिडिल स्कूल तथा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8/74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.

क्रमश:....

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं. मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं. 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए 16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा/पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य	प्रथमा/पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.AI/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, देखिए सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	माध्यमिक शिक्षा केंद्र बोर्ड, नई दिल्ली, द्रष्टव्य डी. ओ. सं. 80628 दिनांक 27.5.88	प्रथमा पूर्वमध्यमा, द्वितीय वर्ष उत्तर मध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	मिडिल हाई स्कूल/सेकण्डरी इंटरमीडिएट/सीनियर सेकण्डरी
46.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
47.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
48.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर 11/3/71-एसई दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुभागवार कार्यरत संख्या

1.	**शैक्षणिक अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	अवर श्रेणी क्लर्क (लिपिक)	1
	III	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
2.	**शोध एवं प्रकाशन अनुभाग**		
	I	सहायक कुलसचिव	1
	II	शोध सहायक	1
	III	सहायक	2
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	3
3.	**पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	3
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	प्रशिक्षक	2
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
4.	**परीक्षा अनुभाग**		
	I	सहायक कुलसचिव	1
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	शोध सहायक	3
	IV	सहायक	2
	V	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	VI	अवर श्रेणी सहायक	5
	VII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
5.	**प्रशासन अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	III	सहायक	2

क्रमशः....

	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	V	अवर श्रेणी लिपिक	8
	VI	गेस्टेटनर आपरेटर	1
	VII	चतुर्थ श्रेणी/चौकीदार	10
6.	**वित्त अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
7.	**योजना अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	प्रवर श्रेणी लिपिक	2
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
8.	**पुस्तकालय**		
	I	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष-ग्रेड-I	1
	II	पुस्तकालय सहायक	1
	III	सहायक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	1
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**		
	I	शोध सहायक	1
	II	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
10.	**छात्रवृत्ति अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	अवर श्रेणी लिपिक	2
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1

11.	कुलपति कार्यालय		
	I	निजी सचिव	2
	II	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
12.	कुलसचिव कार्यालय		
	I	निजी सचिव	1
	II	अवर श्रेणी लिपिक	1
	III	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1

संलग्नक-झ

सम्बद्ध राज्य सरकारों के माध्यम से प्रेषित आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वर्ष 2007-08 के मध्य वार्षिक अनुदान स्वीकृत किया गया, उनकी राज्यवार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	16
2.	असम	1
3.	बिहार	31
4.	छत्तीसगढ़	1
5.	दिल्ली	9
6.	गुजरात	6
7.	हरियाणा	29
8.	हिमाचल प्रदेश	2
9.	जम्मू और कश्मीर	2
10.	झारखण्ड	4
11.	कर्नाटक	20
12.	केरल	26
13.	मध्य प्रदेश	23
14.	महाराष्ट्र	19
15.	मणिपुर	3

16.	उड़ीसा	14
17.	पाण्डिचेरी	1
18.	पंजाब	8
19.	राजस्थान	33
20.	सिक्किम	6
21.	तमिलनाडु	24
22.	उत्तर प्रदेश	173
23.	उत्तरांचल	52
24.	पश्चिम बंगाल	264
	कुल	**767**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ. पी.एन. कवतेकर, इन्दौर	भूलोकविलोकनम्-4 बाजीराव मस्तानीया	52, 570
2.	डॉ. जी. गंगन्ना, पुरी	ब्रह्मतत्त्वविमर्शः	13, 288
3.	डॉ. विश्वनाथ स्वाई, पुरी	वशिष्ठ स्मृति तत्व	44, 556
4.	डॉ. जयमन्त मिश्र, दरभंगा	महामानव चम्पू	1,01,387
5.	डॉ. भवेन्द्र झा, दिल्ली	आशाधरभट्टकृत गोविन्दस्य समीक्षणम्	73,858
6.	डॉ. निलिम्बा त्रिपाठी	ब्रजनन्दन काव्यम्	17,356
7.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु, पुरी	व्याकरणे शास्त्रे शब्द-विमर्शः	16, 215
8.	डॉ. ज्ञानधर पाठक	कूटकाव्यपरम्परायां सीतारमण सम्वादझरी	23, 398
9.	डॉ. अरुण कुमार उपाध्याय	सांख्य-सिद्धांत	49, 838
10.	डॉ. राम कुमार, बिहार	कोविदानन्द विमर्शिनी	42, 223
11.	प्रो. रामजी उपाध्याय, वाराणसी	आर्ष शुभाषित साहस्री	26, 232
12.	डॉ. रामाकान्त पाण्डेय, जयपुर	ईश्वरविलासमहाकाव्यम्	83, 300

क्रमशः....

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
13.	कैप्टन रामभगत शर्मा, हरियाणा	रामाभिरामीय महाकाव्यम्	27, 442
14.	श्री शंकर लाल चतुर्वेदी, मथुरा	भागवत-विमर्श:	23, 027
15.	श्री सूर्यनारायण नागेन्द्र	श्री नृसिंह सहस्रनाम भाष्यम्	17, 577
16.	डॉ. शंकर नारायण	उपादिपदानुक्रम कोष	52, 838
17.	डॉ. सुनिल कुमार उपाध्याय	श्रीदुर्गासप्तशती	25, 630
18.	डॉ. रामेश्वर प्रसाद चर्तुवेदी	शिक्षा ग्रन्थों का आलोचनात्मक अध्ययन	28, 530
19.	श्री वैकुण्ठ नाथ शर्मा, जयपुर	कथाकल्पतरु	17, 083
20.	डॉ. बोध कुमार झा, जम्मू	व्याकरण-सिद्धांत-दिग्दर्शनम्	50, 367
21.	डॉ. वेदनारायण चौधरी, जम्मू	वराहमिहिररचितबृह्ज्जातस्य होराभिप्राय निर्णय टीकाया: सम्पादनम्	40, 367
22.	डॉ. केशव प्रसाद मिश्र	षट्त्रिंशद् भार्गवानां वेदोपबृंह्णो योगस्तेषां	54, 067
23.	श्रीपति अवस्थी, लखनऊ	भारत के प्रसिद्ध अभिलेख	33, 030
24.	श्री पुरुषोत्तम साहू, मथुरा	भावनासारसंग्रह:	91, 243
25.	डॉ रामजीत मिश्र, इलाहाबाद	अभिनन्दनकृत रामचरितम्	76, 243
26.	डॉ. आर.एन. दास, गरली	प्राचीनभारतस्येतिहास:	23, 372
27.	डॉ. अद्वैत चरण ढल	साहित्य-भूषणम्	38, 394
28.	डॉ. विश्वनाथ ठाकुर	प्राचीन भारतीय-आर्य में अस्थाई एवं आदर्श रूप तथा उनका भाषिक विश्लेषण	
29.	डॉ. संध्या सिन्हा	शतपथब्राह्मणस्य विवेचनासमीक्षात्मकाध्ययनम्	16, 644
30.	श्री प्रताप कुमार मिश्र	खानखाना अब्दुर्रहीम और संस्कृत	33, 082
31.	डॉ. जगत नारायण पाण्डेय	भारतीय साहित्य मीमांसा	20,909
32.	डॉ. चेतना	राजस्थाने संस्कृत पत्रकारिता	26,060
33.	श्री देवीपत रथ	समाज-संस्कार-विध्या रघुनन्दस्यावदानम्	16,940

क्रमश:....

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
13.	कैप्टन रामभगत शर्मा, हरियाणा	रामाभिरामीय महाकाव्यम्	27, 442
14.	श्री शंकर लाल चतुर्वेदी, मथुरा	भागवत-विमर्श:	23, 027
15.	श्री सूर्यनारायण नागेन्द्र	श्री नृसिंह सहस्रनाम भाष्यम्	17, 577
16.	डॉ. शंकर नारायण	उपादिपदानुक्रम कोष	52, 838
17.	डॉ. सुनिल कुमार उपाध्याय	श्रीदुर्गासप्तशती	25, 630
18.	डॉ. रामेश्वर प्रसाद चर्तुवेदी	शिक्षा ग्रन्थों का आलोचनात्मक अध्ययन	28, 530
19.	श्री वैकुण्ठ नाथ शर्मा, जयपुर	कथाकल्पतरु	17, 083
20.	डॉ. बोध कुमार झा, जम्मू	व्याकरण-सिद्धांत-दिग्दर्शनम्	50, 367
21.	डॉ. वेदनारायण चौधरी, जम्मू	वराहमिहिररचितबृहज्जातस्य होराभिप्राय निर्णय टीकाया: सम्पादनम्	40, 367
22.	डॉ. केशव प्रसाद मिश्र	षट्त्रिंशद् भार्गवानां वेदोपबृंहणो योगस्तेषां	54, 067
23.	श्रीपति अवस्थी, लखनऊ	भारत के प्रसिद्ध अभिलेख	33, 030
24.	श्री पुरुषोत्तम साहू, मथुरा	भावनासारसंग्रह:	91, 243
25.	डॉ रामजीत मिश्र, इलाहाबाद	अभिनन्दनकृत रामचरितम्	76, 243
26.	डॉ. आर.एन. दास, गरली	प्राचीनभारतस्येतिहास:	23, 372
27.	डॉ. अद्वैत चरण ढल	साहित्य-भूषणम्	38, 394
28.	डॉ. विश्वनाथ ठाकुर	प्राचीन भारतीय-आर्य में अस्थाई एवं आदर्श रूप तथा उनका भाषिक विश्लेषण	
29.	डॉ. संध्या सिन्हा	शतपथब्राह्मणस्य विवेचनासमीक्षात्मकाध्ययनम्	16, 644
30.	श्री प्रताप कुमार मिश्र	खानखाना अब्दुर्रहीम और संस्कृत	33, 082
31.	डॉ. जगत नारायण पाण्डेय	भारतीय साहित्य मीमांसा	20,909
32.	डॉ. चेतना	राजस्थाने संस्कृत पत्रकारिता	26,060
33.	श्री देवीपत रथ	समाज-संस्कार-विध्या रघुनन्दस्यावदानम्	16,940

क्रमश:...

34.	प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी	पुराण वाङ्मय में युद्ध एवं सैन्य विज्ञान	34,420
35.	श्री अशोक कुमार गौड़	संस्कृत वाङ्मय वैदिक वाङ्मय	38,630
36.	डॉ. रामलखन पाण्डेय	सत्रहवीं शताब्दी के संस्कृत महाकाव्य	18,809
37.	डॉ. प्रेम कुमार सिंह	साहित्य शास्त्रीय सम्प्रदायों के मूलभूत	22,423
38.	डॉ. शिव सागर त्रिपाठी	निर्वचन विज्ञान एवं पौराणिक निर्वचन	50,726
39.	डॉ. प्रशस्य मित्र शास्त्री	अनभीप्सितम्	16,417
40.	डॉ. नारायण दास	वाजित्रयुतः	10,790
41.	प्रो. हरिदत्त शर्मा	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं काव्यात्मकता की झलकें	

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक
1.	डॉ. रामाशीष पाण्डेय विद्याधर (पश्चिम) हरम, रांची, झारखण्ड	यास्ककालीन भारतवर्ष
2.	डॉ. मीरा रानी रावत, द्वारा अनिल कुमार सक्सेना समीप जे.डी. पब्लिक स्कूल, नघेरा रोड, हरदोई	शतपत ब्रह्मण में आचार
3.	डॉ. अजय मिश्र, ए-58, सेक्टर-23, नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश	उत्तर आधुनिकता और संस्कृत कविता
4.	डॉ. मधुबाला शर्मा, द्वारा पं. श्री मोहन लाल मकान नं. 2381, पाण्डेय भवन, खज़ाने वालों का रास्ता, जयपुर	सूत्रधार मण्डन देवमूर्ति विज्ञान
5.	डॉ. एम.एल. द्विवेदी, अवर आयुक्त, इलाहाबाद	संस्कृत काव्य-शास्त्र को उद्‌भट का योगदान
6.	डॉ. वृजेन्द्र कुमार पाण्डेय (ज्योतिषाचार्य) डी-5/66, त्रिपुरा 12वीं गली, बुद्धार, वाराणसी	सूर्यसिद्धान्तस्य भूधरी टीकाकारः आचार्यः भूधरः
7.	डॉ. तरुण कुमार शर्मा, 178, अलेनगंज, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	कविवर क्षेमेन्द्र के लघुकाव्यों का परिशीलन

क्रमशः....

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक
8.	डॉ. (श्रीमती) उमा गौड़, व्याख्याता, संस्कृत विभाग एन.ए.एस.पी.जी. कॉलेज, मेरठ	श्रीमलधारिदेवप्रभसूरि कृत पाण्डवचरितम् का समीक्षात्मकाध्ययन
9.	डॉ. (श्रीमती) प्रमोद बाला मिश्रा, 19-20, चाणक्यपुरी नैनिताल रोड, पो. शामतगंज, बरेली	श्रौतव्यांगों में प्रयुक्त महत्त्वपूर्ण शब्दों की विवेचना
10.	वैद्य शिवदत्त शर्मा, आरोग्य निकेतन, 5ए, समत प्लाट, आखिरी मोड गांधी नगर, जम्मू-4	व्यावहारिक काया चिकित्सा
11.	डॉ. रुचि कुलश्रेष्ठ, द्वारा प्रेम कुमार गुप्ता डॉ. बालाजी वाली गली, इटावा (उ.प्र.)	20वीं शताब्दी का संस्कृत लघुकथा साहित्य
12.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, 253/09, नानक नगर जम्मू	पुनर्जन्मविमर्शः
13.	डॉ. ए.एस. अर्वामुदन, विभागाध्यक्ष मीमांसा, एस.एल.बी.एस.आर.एस. विद्यापीठ, कटवारिया सराय नई दिल्ली	पूर्व मीमांसा और न्याय मंजरी में प्रस्तुत बौद्ध दर्शन
14.	डॉ. शक्तिधर झा, लक्ष्मी नगर, दरभंगा, बिहार	प्राचीन भारतीय-आर्य भाषाओं का यथार्थ इतिहास बनाम डॉ. राम विलास की भाषिक अभिधारणा
15.	डॉ. सनंदन कुमार त्रिपाठी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गरली परिसर, गरली	मृच्छकटिकस्य धर्म-शास्त्रीया समीक्षा
16.	डॉ. राय कुमार शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गरली परिसर, गरली	मधुरेश मनीषा
17.	डॉ. रवीन्द्रनाथ झा, जे-19इ, रमेश नगर, दिल्ली नेहरू नगर, भोपाल	कौण्ड भट्ट एवं नागेश का लकारार्थ विवचेन
18.	डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी, 42, गोमती कालोनी नेहरू नगर, भोपाल	अरिनाशक दुर्गाष्टकम्
19.	डॉ. (श्रीमती) परिणीता देशपाण्डे, सहायक निदेशक, के.जे. सोमैया सेंटर फॉर बुद्धिष्ट स्टडीज, मैनेजमेन्ट भवन विद्याविहार, मुम्बई	ब्राह्मण ग्रन्थों के धार्मिक आख्यानों का समीक्षात्मक अध्ययन
20.	श्री वाई.बी. सुब्बा राव, मकान नं. 1, सी फातिमा एन्कलेव रामाकृष्णपुरम, तीसरी गली, पश्चिम आम्बलम्, मद्रास	मूविंग जोडिऑक पर ज्योतिष
21.	आचार्य डॉ. श्रीपति अवस्थी, 551 झा/108, राम नगर, आलम बाग, लखनऊ	उत्तर-भारतीय-अभिलेखानां सांस्कृतिकम् अध्ययनम्

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक
22.	डॉ. सुखमय भट्टाचार्य, हितेश विसवाज रोड अम्बिका पेट्टी, सिलचर, कछार, असम	भाषापरिक्रमा
23.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, मकान नं.9-बी भुरा पटेल नगर, हीरपुर, अजमेर रोड, जयपुर	दर्शनिक विचारमाला
24.	डॉ. सच्चिदानन्द तिवारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गरली परिसर, गरली	नानक चन्द्रोदय महाकाव्य
25.	श्री शिवमणि मिश्र, कार्यवाहक प्राचार्य श्री मुमुकेश भवन, वेद वेदांग महाविद्यालय अस्सी, इलाहाबाद	बृहद् वैयाकरण भूषण वैयाकरण भूषणसारयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्
26.	डॉ. शीतला प्रसाद पाण्डेय, ग्राम/पो. कुरहुआ वाया बी.एच.यू. वाराणसी	वैखानस आगमः एक अध्ययन
27.	डॉ. निरंजन दास, बडा साहित्य भारतीय साहसन स्कूल लेन, देहानखल, उड़ीसा	साहित्यादर्श
28.	डॉ. सविता ओझा, राजीव गांधी पी.जी. कालेज, कोटवा जामुनीपुर, इलाहाबाद	आहार्य अभिनय एक समीक्षात्मक अध्ययन
29.	डॉ. शंकर लाल शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अनुसंधान संस्थान, शाहपुरा, जयपुर	राजस्थान की संस्कृत सम्पदा
30.	डॉ. भागवत प्रसाद दास शर्मा, अरथ मंडप ग्राम/पो. सरोदा, जिला गज्जम, उड़ीसा	वैदेहीविलास महाकाव्य
31.	डॉ. विन्ध्येश्वरी प्रसाद मिश्रा, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, एफ-2/22, विश्वविद्यालय परिसर, उज्जैन	मंत्रभागवतम्
32.	डॉ. गोस्वामी बलभ्रद प्रसाद शास्त्री, 14 अशोक नगर, पो. शाहमत गंज, बरेली	आहतकश्मीरम्
33.	पं. विद्याधर दीक्षित मृदुल, 289 आचार्य कुटीर, रेता बाजार, फतेहपुर (उ.प्र.)	अथ पुत्रेष्टि मृदुलनाटकम्
34.	डॉ. राधेश्याम गंगवार, गवर्नमेंट पी.जी. डिग्री कालेज पिथौरागढ़, उत्तरांचल	कविस्तवी
35.	डॉ. श्रीमती शालिनी मिश्रा, एल.आई.जी., 1/1591 जानकीपुरम, लखनऊ	काव्यप्रकाश की गोविन्द ठाकुरकृत काव्यदीप टीका में काव्य गुणदोषालोचन
36.	डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर (साहित्य) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर 92/281, मानसरोवर, जयपुर	श्री लक्ष्मणमाणिक्यदेवविरचितं विख्यात विजय-नाटकम्
37.	श्री अरुण कुमार उपाध्याय, बी-9, सी.बी. 9 कैंटूनमेन्ट रोड, कटक, उड़ीसा	गायत्रीपञ्चदशी स्वीकृत

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक
38.	डॉ. जी.जी. गंगाधरन, 74/2, जरका बुन्दे कवल अट्टूर, पो. वेलहाका, बेंगलोर	क्षेमकुतूहलम्
39.	डॉ. गणेश कुमार शुक्ला, आर.जेड.132 ब्लॉक एक्स-2, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ	नागेशभट्टकृत परिभाषेन्दुशेखर
40.	डॉ. जी.वी. कवीश्वर, बी-38, इन्दिरा कॉलोनी बरहानपुर (खण्डवा) म.प्र.	महाभारतम् के रहस्य
41.	डॉ. बी.पी.टी. वागीश शास्त्री, 3/13, ए-शिवाला, वाराणसी	अनिरुद्धचम्पू
42.	डॉ. श्रीमती साधना श्रीवास्तव, द्वारा श्री अशोक श्रीवास्तव कासिम बाजार, (हीरो हौंडा के ऊपर) बलिया	शिवलीलार्णव महाकाव्य
43.	कैप्टन रामभगत शर्मा, ग्राम/पो. खुदना, जिला महेन्द्रुगढ	महाभारतभारतीमहाकाव्यम्
44.	डॉ. संजय कुमार झा, प्लाट नं. 92बी/2, मकान नं.5, मुनीरका, नई दिल्ली	प्रमुख उपनिषदों के पारिभाषिक शब्द
45.	डॉ. जयमत्त मिश्र, हनुमान गंज, मिश्र टोला, दरभंगा	युगलश्रीगीतिमालिका
46.	डॉ. बलभ्रद प्रसाद शास्त्री, 14, अशोक नगर नैनीताल रोड, बरेली	ज्योतिष्मती (काव्यलता)
47.	श्री गंगाधर मिश्र, बी-38/239, बी.एस., तुलसीपुर महमुरगंज, वाराणसी	अथर्ववेद के संस्कार सम्बन्धी ग्रन्थों का अध्ययन
48.	डॉ. देशराज शर्मा, कुंदन कॉटेज, समर हिल, शिमला	कौशीतकी गृह्यसूत्र परीक्षा
49.	डॉ. कीर्ति वल्लभ, शाक्त शारदा ज्योतिष भवन पं. ताराकर स्मृति (एम.इ.एस. कैम्प के सामने), चम्पावत	रङ्गवीथि
50.	डॉ. मधुकराचार्य त्रिपाठी, डी-129, गंगोत्री नगर नैनी, इलाहाबाद	डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी का रचनासंसार
51.	डॉ. रवीन्द्र शुक्ल, ग्राम तेनशाह, आलमबाद मंझनपुर, कौशाम्बी	अथर्ववेद वर्णपटलस्य शिक्षान्तरैः सह समालोचनात्मकाध्ययनम्
52.	डॉ. गोवर्धन राम विश्नोइ, पो. गुरुकुल कांगडी प्राचीन अवधूत मण्डल, हरिद्वार	वैदिक संस्कृत परिप्रेक्ष्ये जम्भवाण्या विवेचनात्मकमध्ययनम्
53.	प्रो. मिथलेश पाण्डेय, द्वारा श्री रवि प्रकाश महेश्वरी पंखा वाला बाग, इटावा	आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास
54.	श्री शंकर लाल शास्त्री, राजस्थान संस्कृत अनुसंधान शाहपुरा, जयपुर	शिशुपालवध महाकाव्य में माघ का जीवन-दर्शन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बालुसरी,
जिला-कोजीकोड,
केरल-673612

2. श्री रंगलक्ष्मी
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121

3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बघोला, (पलवल),
जिला-फरीदाबाद,
हरियाणा

4. वैदिक संशोधन मंडल,
तिलक विद्यापीठ,
गुलटेकड़ी,
पुणे-400037

5. जे.एन.बी. आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. लगमा,
वाया-लोहना रोड,
जिला-दरभंगा,
बिहार-847407

6. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

7. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रोयीथा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

8. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेखा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

9. श्री एकर्षानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मणिपुर,
उत्तर प्रदेश-205001

10. मुम्बा देवी संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

11. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, (बंगना) जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश-174307

12. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जंगला (रोहरू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

13. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

14. राजकुमारी गणेश शर्मा
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी,
जिला-दरभंगा, बिहार-846003

15. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बंगलौर,
कर्नाटक-560028

16. स्वामी प्राणकुशाचार्य आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

क्रमशः....

17. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

18. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार-842001

19. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पो. हरिया
जिला-मिदनापुर, पश्चिम बंगाल-721430

20. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश-221003

21. संस्कृत अकादमी
(शोध संस्थान)
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

संलग्नक-ड

आगामी वर्ष में शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु विचारित प्रस्तावों का राज्य-वार संख्या विवरण

क्रमांक	राज्य का नाम	छात्रवृत्तियों की कुल संख्या
1.	हरियाणा	2471
2.	कर्नाटक	3420
3.	उड़ीसा	940
4.	राजस्थान	647
5.	बिहार	107
6.	छत्तीसगढ़	1312
7.	मध्य प्रदेश	77
8.	मणिपुर	12
9.	उत्तर प्रदेश	1987
10.	आंध्र प्रदेश	731
11.	अरुणाचल प्रदेश	47

क्रमशः....

12.	दिल्ली	961
13.	झारखण्ड	2092
14.	हिमाचल प्रदेश	442
15.	केरल	1583
16.	पंजाब	855
17.	महाराष्ट्र	983
18.	गुजरात	19
19.	उत्तरांचल	42
20.	पश्चिम बंगाल	480
21.	आसाम	136
22.	तमिलनाडु	26
23.	चण्डीगढ़	122
24.	दमन दीव	05
25.	त्रिपुरा	02
	सर्वयोग	**19499**

31 मार्च 2008 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च, 2008 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों/प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की है। लेखा-परीक्षा 2012-13 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 10 एककों के लेखे भी सम्मिलित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा-रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध है। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबंधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखापरीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे विचार को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

   i. हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं।

   ii. इस प्रतिवेदन के तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे वित्त मन्त्रालय द्वारा अनुमोदित फॉर्मेट में तैयार नहीं किए गए हैं।

   iii. हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यही प्रकट होता है।

   iv. हम आगे सूचित करते हैं कि:

क. तुलन-पत्र

क 1. स्थायी परिसम्पत्तियाँ

क 1.1 स्थायी परिसम्पत्तियों में सी.पी.डब्ल्यू.डी. को प्रदत्त रु.134.58 लाख का अग्रिम शामिल है। फलस्वरूप स्थायी परिसम्पत्तियों को अधिक करके तथा चालू परिसम्पत्ति अग्रिमों को कम करके दर्शाया गया है।

क 1.2 प्रारम्भ से ही चालू परिसम्पत्तियों पर मूल्य-ह्रास नहीं लगाया गया था। इससे परिसम्पत्तियों को अधिक करके एवं व्यय को कम करके दर्शाया गया है। इस रकम का प्रमात्रीकरण नहीं किया जा सका।

क 2 निवेश

निवेश वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित स्वरूप के अनुसार नहीं थे। देखिए अधिसूचना सं. एफ.5(53)/2002-ई सी बी व पी आर, दिनांकित 24.1.2005.

ख लेखांकन नीति

संस्थान ने अपनी 'महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ' तथा 'लेखों पर नोट' प्रकट नहीं किए थे।

ग सामान्य

ग 1. संस्थान ने अपना लेखा उपचय आधार के बजाय नकदी आधार पर तैयार किया।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2007-08 में संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से कुल रु.52.39 करोड़ (योजनेतर रु. 19.95 करोड़ तथा योजना रु.32.44 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया। इन्होंने रु.1.81 करोड़ (योजना रु.0.33 करोड़ और योजनेतर रु.1.48 करोड़) की आय अपने स्रोतों से भी अर्जित की। इन्होंने रु.52.41 करोड़ (योजना रु.29.82 करोड़ और योजनेतर रु.22.59 करोड़) का उपयोग किया। योजनेतर के अन्तर्गत अतिरिक्त व्यय पिछले साल के अव्ययित शेष में से चुकाया गया।

ङ प्रबन्धन पत्र : उपचारी/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए पृथक् प्रबन्धन पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुल-सचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

5. पूर्ववर्ती पैराग्राफों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

6. हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

अ. जहाँ तक यह 31 मार्च, 2008 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलन-पत्र से संबद्ध है; एवं

ब. जहाँ तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से
भारत के नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक

ह0

महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26-11-2008

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

क्रमश:

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. **आन्तरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:**

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी आन्तरिक लेखा परीक्षा विभाग की स्थापना नहीं की गई थी। मन्त्रालय द्वारा भी किसी आन्तरिक लेखा-परीक्षा का प्रबन्ध नहीं किया गया था।

2. **आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता:**

- लेखा अधिकारी तथा वित्त अधिकारी के आवश्यक पद क्रमश: 2000 व 2002 से रिक्त थे।

मानीटर

- बाह्य लेखा-परीक्षा के प्रति संस्थान की अनुक्रिया प्रभावकारी नहीं थी। 41 पैराग्राफ़ों वाली सात निरीक्षण रिपोर्टें 1999-2000 से बकाया थीं। उपलब्ध कराए गए रिकार्डों के अनुसार बकाया पैराग्राफ़ के निपटान हेतु किसी भी समीक्षा बैठक का आयोजन नहीं किया गया था।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली:**

- भूमि एवं भवन के अतिरिक्त अन्य स्थायी परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन 2002-03 से नहीं किया गया था। पुस्तकों का प्रत्यक्ष सत्यापन 1994-95 से नहीं किया गया था। अत: लेखा-परीक्षा में परिसम्पत्तियों का सत्यापन नहीं हो सका।

4. **सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली:**

- पेपर स्टाक, लेखन-सामग्री एवं अन्य उपभोज्य मदों जैसी सामान-सूची का प्रत्यक्ष सत्यापन 2005-06 से नहीं किया गया था। प्रकाशनों के विषय में प्रत्यक्ष सत्यापन आज तक नहीं किया गया।

5. **सांविधिक देय राशि के भुगतान की नियमितता:**

- 31.3.2008 को सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान बकाया नहीं था।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2007-08 वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ तथा भुगतान का विवरण

प्राप्तियां	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्ववर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1 पूर्व बकाया					अनुसूची (एफ)				
i. हाथ में रोकड	68858.00	255045.00	323903.00	427645.00	1 स्थापना में व्यय	25916780.00	113235637.00	139152417.00	141147913.00
बैंक में जमा					अनुसूची (जी)				
i. बचत खाता	3834065.00	30837248.00	34671313.00	61559528.00	2 i. प्रशासन में व्यय	5022179.00	28404650.00	33426829.00	36874109.00
ii.बचत खाता (फैलोशिप)	49780.00	0.00	49780.00	284980.00	ii. विन्यास निधि	0.00	9282.00	9282.00	17196.00
iii. बचत खाता (सम्मान राशि)	39432000.00	0.00	39432000.00						
2 एच.आर.डी. मंत्रालय से अनुदान					अनुसूची (एच)				
i. अनुरक्षण	322467000.00	199500000.00	521967000.00	441400000.00					
ii.केन्द्रीय योजना	1955860.00	0.00	1955860.00	7420870.00	3 योजना	262293829.00	80012534.00	342306363.00	224913758.00
iii. फेलोशिप (यू.जी.सी.)	252838.00	0.00	252838.00	246800.00					
iv. सम्मान राशियां		0.00	0.00	39432000.00	अनुसूची (आई)				
अनुसूची (ए)					4 प्रेषण	5311845.00	39512563.00	44824408.00	40700545.00
3 अन्य प्राप्तियां					अनुसूची (जे)				
i. विविध प्राप्तियां	2265729.00	11290970.00	13556699.00	13272211.00					
ii. प्रकाशन	476407.00	3527701.00	4004108.00	2339477.00					
iii. अन्य स्रोत से आय	154133.00		154133.00	379276.00	5 पूँजीगत व्यय	19079624.00	4217423.00	23297047.00	88922045.00
iv. पुस्तकालय पुस्तकें	395213.00		395213.00	0.00					
कुल योग =	3291482.00	14818671.00	18110153.00	15990964.00	अनुसूची (के)				
विन्यास निधि पर ब्याज		1560.00	1560.00	30716.00	6 सावधि योजना	0.00	245250000.00	245250000.00	192229917.00
					अनुसूची (एल)				
अनुसूची (बी)					7 अग्रिम खाता	611128.00	6001958.00	6613086.00	7859557.00
4 प्रेषण	5440758.00	39520056.00	44960814.00	40523032.00					
					नकद रोकड़				
अनुसूची (सी)									
i.सावधि योजना	0.00	245250000.00	245250000.00	192229917.00	i हाथ में रोकड़	48618.00	319016.00	367634.00	323903.00
					बैंकों में शेष राशि				
अनुसूची (डी)									
5 अग्रिम खाता	801165.00	5956807.00	6757972.00	7595584.00	i बचत खाता	59309803.00	19176324.00	78486127.00	34671313.00
					ii बचत खाता फेलोशिप		0.00	0.00	49780.00
					iii बचत खाता सम्मानराशि		0.00	0.00	39432000.00
कुल योग =	377593806.00	536139387.00	913733193.00	807142036.00	कुल योग =	377593806.00	536139387.00	913733193.00	807142036.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2007-08 वर्षीय समेकित आय एवं व्यय का विवरण

क्र.सं.	व्यय लेखा शीर्ष	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये	क्र.सं.	आय लेखा शीर्ष	चालू वर्ष रुपये		पूर्व वर्ष रुपये	
	अनुसूची (ओ)								
1	स्थापना व्यय	139152417.00	126147913.00	1	पूर्व वर्ष की बकाया राशि				61987173.00
	अनुसूची (पी)			2	मंत्रालय से प्राप्त अनुदान राशि	521917000.00		441400000.00	
2	प्रशासनिक व्यय	33426829.00	36874109.00	3	केन्द्रीय योजना	1955860.00			
	अनुसूची (क्यू)				अनुसूची (एम)				
3	योजना	326457601.00	214217656.00	4	कम पूंजीगत	25040739.00	498882121.00	91715277.00	349684723.00
					अनुसूची (एन)				
4	आय से व्यय की अधिकता	17955427.00	50423182.00	5.	i. विविध प्राप्ति (आय)		13951912.00		13272211.00
					ii. प्रकाशन		4004108.00		2339477.00
					iii. अन्य स्रोतों से आय		154133.00		379276.00
	कुल योग =	516992274.00	427662860.00				516992274.00		427662860.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं.	देनदारियां	रुपये	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	लेखा शीर्ष अनुसूची (यू)			
1.	पूंजीगत धन			
	पूर्व बकाया	551154585.00		
	वर्ष में जमा	59840993.00		
	वर्ष में जमा	38917590.00	572077988.00	551154585.00
	वर्ष में समायोजन			
2.	विन्यास्त निधि (निवेश)			
	पूर्व बकाया	2661791.00		
	वर्ष में जमा	14587.00		
	वर्ष में जमा	9282.00	2667096.00	2661791.00
3.	**आय से व्यय की अधिकता**			
	पूर्व बकाया	58661219.00		
	वर्ष में समायोजन	17955427.00	76616646.00	58661219.00
	अनूसूची (डब्ल्यू)			
4.	**अन्य दायित्व**			
	पूर्व बकाया	39505863.00		
	वर्ष में जमा	13628709.00		
	वर्ष में समायोजन	27344535.00	25790037.00	39505863.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		150315746.00	138629324.00
6.	छात्रकोष फंड		1512692.00	1778825.00
	कुल योग =		**828980205.00**	**792391607.00**

क्र.सं.	परिसम्पत्तियां व्यय	रुपये	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	लेखा शीर्ष अनुसूची (आर)			
1.	**अचल अस्तियां**			
	पूर्व बकाया	551154585.00		
	वर्ष में जमा	59840993.00		
	वर्ष में समायोजन	38917590.00	572077988.00	55115485.00
	अनुसूची (एस)			
2.	प्रभूत निवेश			
	पूर्व बकाया	17860187.00		
	वर्ष में जमा	13027.00	17873214.00	17860187.00
	अनुसूची (टी)			
3.	**पुनः प्राप्त करने योग्य अग्रिम राशि**			
	पूर्व बकाया	8491690.00		
	वर्ष में जमा	6613086.00		
	वर्ष में समायोजन	6757972.00	8346804.00	8491690.00
4.	**नकद बकाया**			
	i. हाथ में राशि		367634.00	323903.00
	बैंक में बकाया			
	ii. बचत खाता		78486127.00	34671313.00
	iii. बचत खाता (फेलोशिप)			49780.00
	iv. बचत खाता सम्मान राशि			39432000.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		150315746.00	138629324.00
6.	छात्रकोष		1512692.00	1778825.00
	कुल योग =		**828980205.00**	**792391607.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2007-08 वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान की अनुसूचियाँ

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष			भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (ए)					अनुसूची (बी)				
1. विविध प्राप्तियाँ					1. स्थापना व्यय				
i. पत्राचार	0.00	9058.00	9058.00	21778.00	I. वेतन एवं भत्ते	23535957.00	94016748.00	117552705.00	108175977.00
ii. परीक्षा	0.00	3252566.00	3252566.00	3418602.00	II. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	206400.00	1712577.00	1918977.00	2363467.00
iii. अन्य विविध प्राप्तियाँ	343346.00	4041682.00	4385028.00	3003558.00	III. सेवा निवृत्ति लाभ				
iv. स्थानान्तरित अ.भ.नि. ब्याज	393458.00	761324.00	1154782.00	1575209.00	a. परिवर्तित पेशन/संशासित	262436.00	11050652.00	11313088.00	9829433.00
v. पी एस.एस.टी. प्राप्तियाँ	0.00	3225262.00	3225262.00	4251541.00	b. उपदान	254760.00	1996540.00	2251300.00	873597.00
vi. संस्थान प्रकाशन	0.00	3527701.00	3527701.00	1795039.00	c. अवकाश का नकदीकरण	47864.00	1098335.00	1146199.00	556891.00
vii. मंत्रालय प्रकाशन	476407.00	0.00	476407.00	544438.00	iv. पेंशन फंड	0.00	68448.00	68448.00	89664.00
viii. छुट्टी वेतन	0.00	0.00	0.00	0.00	v. अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	1027464.00	2471534.00	3498998.00	3207768.00
ix. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	1460734.00	0.00	1460734.00	933366.00	vi. सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	29664.00	351535.00	381199.00	183014.00
x. ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	68191.00	0.00	68191.00	67150.00	vii. एन.पी.एस. पर संस्थान का अंशदान	538488.00	386587.00	925075.00	803217.00
xi. पुस्तकालय	0.00		0.00	1007.00	viii. एन.पी.एस. पर ब्याज	13747.00	82681.00	96428.00	64885.00
xii. विविध संग्रह		1078.00	1078.00		ix. पेशन फंड				
xiii. अन्य स्रोतों से आय	154133.00		154133.00	379276.00					15000000.00
xiv. सावधि योजना पर ब्याज (जी)	395213.00		395213.00						
योग =	3291482.00	14818671.00	18110153.00	15990964.00	योग =	25916780.00	113235637.00	139152417.00	141147913.00

क्रमशः....

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष			भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
सावधि योजना					अनुसूची (जी)				
i. सावधि योजना से प्राप्त (दूबे सम्मान)	0.00		0.00	368.00	2. प्रशासनिक व्यय				
ii. सावधि योजना से प्राप्त (जिन्दल ट्रस्ट)	0.00		0.00	9096.00	i. किराया एवं कर	1182402.00	494691.00	1677093.00	2064498.00
iii. सावधि योजना से प्राप्त (सौमैया ट्रस्ट)	0.00	1560.00	1560.00	21252.00	ii. अनुरक्षण एवं मरम्मत	77204.00	1575122.00	1652326.00	667948.00
					iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	77479.00	974840.00	1052319.00	1267254.00
योग =	0.00	1560.00	1560.00	30716.00	iv. दूरभाष	141305.00	736112.00	877417.00	848338.00
अनुसूची (वी)					v. यात्रा भत्ता	712276.00	4047492.00	4759768.00	3523862.00
2. प्रेषण					vi. विज्ञापन	62654.00	1469940.00	1532594.00	559112.00
i. आयकर	1114604.00	4449652.00	5564256.00	4527912.00	vii. लेखन सामग्री एवं छपाई	255188.00	858680.00	1113868.00	1535686.00
ii. जी.पी.एपफ.	1880952.00	21154766.00	23035718.00	21571803.00	viii. लेखा परीक्षा शुल्क	12000.00	155135.00	167135.00	260644.00
iii. एन.पी.एस.	553670.00	625401.00	1179071.00	916421.00	ix. पानी एवं बिजली	182698.00	2428994.00	2611692.00	2285861.00
iv. जी.आई.एस.	139888.00	564763.00	704651.00	254450.00	x. विविध व्यय	1541797.00	8850615.00	10392412.00	8849178.00
v. जीवन बीमा	0.00	1150719.00	1150719.00	902561.00	xi. परीक्षा व्यय	83965.00	2541349.00	2625314.00	3267266.00
vi. अन्य विभागों से वसूली	1751644.00	9710757.00	11462401.00	10469876.00	xii. पत्राचार व्यय	0.00	3198.00	3198.00	
vii. जीवन बीमा निगम (वेतन से)	0.00	1271144.00	1271144.00	1257170.00	xiii. वर्दियां	3940.00	85796.00	89736.00	45550.00
viii. आर.डी. (पी.ओ.)	0.00	233200.00	233200.00	210000.00	xiv. कानूनी व्यय	0.00	213777.00	213777.00	200523.00
ix. टी.डी.एस.	0.00	117203.00	117203.00	275485.00	xv. स्टॉफ एवं कार व्यय	0.00	316033.00	316033.00	352907.00
x. छात्रकोश	0.00	1400.00	1400.00	5000.00	xvi. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	115058.00	875197.00	990255.00	1611814.00
xi. धरोहर राशि की वापसी	0.00		0.00	10000.00	xvii. कम्प्युटर शिक्षा	226420.00	0.00	226420.00	4427337.00
xii. जीवन बीमा	0.00	60000.00	60000.00		xviii. सम्मेलन/ कार्यशाला	0.00	0.00	0.00	
xiii. पी.एल.आई.	0.00	124351.00	124351.00	55454.00	xix. वसन्तोत्सव	23940.00	912114.00	936054.00	937441.00
xiv. धरोहर राशि एवं जमानत	0.00	27900.00	27900.00	33400.00	xx. दीक्षान्त समारोह / वार्षिक महोत्सव	246954.00	1865565.00	2112519.00	565351.00
xv. पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन	0.00	28800.00	28800.00	33500.00	xxi. विश्व संस्कृत सम्मेलन			0.00	3603539.00
					xxii. एन.पी.एस.	76899.00		76899.00	
योग =	5440758.00	39520056.00	44960814.00	40523032.00	योग =	5022179.00	28404650.00	33426829.00	36874109.00
अनुसूची (सी)									
3. सावधि योजना					विन्यास निधि				
i. सावधि योजना Matured	0.00	245000000.00	245000000.00	190000000.00	i. छात्र सम्मान (सौमेया ट्रस्ट)	0.00	0.00	0.00	3021.00
ii. सावधि योजना (जिन्दल ट्रस्ट)	0.00		0.00	148226.00	ii. छात्र सम्मान (जिन्दल ट्रस्ट)	0.00	8082.00	8082.00	14175.00
iii. सावधि योजना (दूबे सम्मान)	0.00		0.00	6000.00	iii. छात्र सम्मान (दूबे ट्रस्ट)	0.00	1200.00	1200.00	
iv. सावधि योजना (सोमैया ट्रस्ट)		250000.00	250000.00						
v. सावधि योजना (P.F.)	0.00		0.00	2075691.00					
योग =	0.00	245250000.00	245250000.00	192229917.00	योग =	0.00	9282.00	9282.00	17196.00

क्रमश:.....

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष			भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (डी)					अनुसूची (एच)				
4. अग्रिम अदायगी					3. योजना				
i. छुटटी यात्रा भत्ता	123900.00	360282.00	484182.00	938186.00	i. शास्त्र चूड़ामणि	1791900.00	0.00	1791900.00	2036933.00
ii. यात्रा भत्ता	316479.00	869024.00	1185503.00	1240828.00	ii. विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	350400.00	0.00	350400.00	267060.00
iii. त्योहार	15600.00	180050.00	195650.00	211500.00	iii. संस्कृत किताब की खरीद	6332342.00	0.00	6332342.00	4717654.00
iv. वाहन	60760.00	963381.00	1024141.00	914271.00	iv. संस्कृत किताब की खरीद (पुनर्मुद्रण)	1743692.00	0.00	1743692.00	2793232.00
v. विविध	273426.00	2819474.00	3092900.00	3147302.00	v. प्रोडक्शन संस्कृत साहित्य	2286578.00	0	2286578.00	3339282.00
vi. गृह निर्माण अग्रिम	0.00	342076.00	342076.00	337054.00	vi. डक्कन कॉलेज पुणे		4689000	4689000.00	9656000.00
vii. चिकित्सा	0.00	71400.00	71400.00	573622.00	vii. राष्ट्रपति पुरस्कार	0.00	16919542	16919542.00	15427771.00
viii. कम्प्यूटर	11000.00	344580.00	355580.00	192380.00	viii. आदर्श पाठशाला	43173955.00	27569628	70743583.00	53492809.00
ix. पंखा	0.00	6540.00	6540.00		ix. छात्रवृत्ति	31959028.00	30,834,364.00	62793392.00	12054168.00
x परीक्षा	0.00		0.00	40441.00	x. स्वैच्छिक संस्थान	101930669.00	0.00	101930669.00	75142178.00
					xi. अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रति.	731622.00	0.00	731622.00	737777.00
योग =	801165.00	5956807.00	6757972.00	7595584.00	xii. एन.ई.आर.	5662238.00	0.00	5662238.00	6746845.00
					xiii. कन्टैन्ट जनरेशन	375000.00	0.00	375000.00	
					xiv. दूरवर्ती शिक्षा	3300.00	0.00	3300.00	111.00
					xv. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	21794587.00	0.00	21794587.00	22644011.00
					xvi. संस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	1244875.00	0.00	1244875.00	2887537.00
					xvii.एन.जी.ओ.	16525132.00	0	16525132.00	12313390.00
					xvii.एन.जी.ओ. युनिवर्सिटी	8179441.00		8179441.00	
					xix.ग्रांट नये शिक्षक	4104000.00		4104000.00	
					xx. सम्मान राशि	13802452.00		13802452.00	
					xxi. फेलोशिप	302618.00	0	302618.00	482000.00
					xxii.सी. डेक प्रोजेक्ट		0	0.00	175000.00
					योग =	262293829.00	80012534.00	342306363.00	224913758.00

क्रमश:

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष			भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
					अनुसूची (आई)				
					4. प्रेषित राशि				
					i. आयकर	1114604.00	4449652.00	5564256.00	4527912.00
					ii. जी.पी.एफ.	1880952.00	21154766.00	23035718.00	21571803.00
					iii. एन.पी.एस.	553670.00	625401.00	1179071.00	916421.00
					iv. जी.आई.एस.	128848.00	559791.00	688639.00	228554.00
					v. जीवन बीमा	0.00	1153353.00	1153353.00	1079344.00
					vi. अन्य विभागों को भेजा	1633771.00	9682652.00	11316423.00	10552852.00
					vii. वेतन से जीवन बीमा	0.00	1271144.00	1271144.00	1257170.00
					viii. आर.डी. (पी.ओ.)	0.00	233200.00	233200.00	210000.00
					ix. टी.डी.एस.	0.00	117203.00	117203.00	275485.00
					x. धरोहर राशि एवं जमानत	0.00	26100.00	26100.00	
					xi. पुस्तकालय सुरक्षा धन	0.00	20550.00	20550.00	22250.00
					xii. छात्रकोष	0.00	3400.00	3400.00	3300.00
					xiii. जीवन बीमा निगम	0.00	60000.00	60000.00	
					xiv. पी.एल.आई.	0.00	124351.00	124351.00	55454.00
					xv. होटल एवं कैन्टीन	0.00	31000.00	31000.00	
					योग =	**5311845.00**	**39512563.00**	**44824408.00**	**40700545.00**
					अनुसूची (जे)				
					5. पूंजीगत व्यय				
					i. गृहनिर्माण प्रगति	18414225.00	0.00	18414225.00	83119400.00
					ii. फर्नीचर	536783.00	2061304.00	2598087.00	4243292.00
					iii. मशीनरी एवं साज सज्जा	73075.00	1481238.00	1554313.00	740841.00
					iv. पुस्तकालय पुस्तकें	29541.00	34427.00	63968.00	110217.00
					v. प्रकाशन	26000.00	570604.00	596604.00	657365.00
					vi. प्रयोगशाला यन्त्र	0.00	69850.00	69850.00	50930.00
					योग =	**19079624.00**	**4217423.00**	**23297047.00**	**88922045.00**
					अनुसूची (के)				
					6. एफ.डी.आर.				
					i. एफ.डी.आर. खरीद	0.00	245000000.00	245000000.00	190000000.00
					ii. एफ.डी.आर. खरीद (जिन्दल ट्रस्ट)	0.00		0.00	148226.00
					iii. एफ.डी.आर. खरीद (दूबे ट्रस्ट)	0.00		0.00	6000.00
					iv. एफ.डी.आर खरीद (सोमैया ट्रस्ट)	0.00	250000.00	250000.00	0.00
					v. पी.एफ.	0.00	0.00	0.00	2075691.00
					योग =	**0.00**	**245250000.00**	**245250000.00**	**192229917.00**

क्रमशः

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
					अनुसूची (एल)				
					7. अग्रिम खाता				
					i. अवकाश यात्रा भत्ता	96600.00	387990.00	484590.00	972378.00
					ii. यात्रा भत्ता	202102.00	863900.00	1066002.00	1410635.00
					iii. त्यौहार	15000.00	211500.00	226500.00	195750.00
					iv. वाहन	24000.00	909050.00	933050.00	761200.00
					v. विविध	273426.00	2781118.00	3054544.00	3161672.00
					vi. चिकित्सा	0.00	75400.00	75400.00	593622.00
					vii. एच.बी.ए.	0.00	350000.00	350000.00	400300.00
					viii. कम्प्युटर	0.00	415000.00	415000.00	364000.00
					ix. पंखा	8000.00	8000.00		
					योग =	**611128.00**	**600195.8.00**	**6613086.00**	**7859557.00**
					8. नकद रोकड़				
					i. हाथ में रोकड़	48618.00	319016.00	367634.00	323903.00
					बैंक बकाया				
					i. बचत खाता	59309803.00	19176324.00	78486127.00	34671313.00
					ii. फेलोशिप		0.00	0.00	49780.00
					iii. सम्मान राशि		0.00	0.00	39432000.00
कुल योग =	**9533405.00**	**305547094.00**	**315080499.00**	**256370213.00**	कुल योग =	**377593806.00**	**536139387.00**	**913733193.00**	**807142036.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2007-08 वर्षीय समेकित आय एवं व्यय की अनुसूचियाँ

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजनागत रुपये	योजनेतर रुपये	योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	अनुसूची (ओ)				
1.	स्थापना व्यय				
	i. वेतन एवं भत्ते	117552705.00		108175977.00	
	ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1918977.00		2363467.00	
	iii. सेवा निवृत्त लाभ				
	a. पेशन	11313088.00		9829433.00	
	b. ग्रेच्युटी	2251300.00		873597.00	
	c. अवकाश का नकदीकरण	1146199.00		556891.00	
	iv. जी.पी.एफ. पर ब्याज	3498998.00		3207768.00	
	v. सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	381199.00		183014.00	
	vi. छुट्टियां एवं पेशन अंशदान	68448.00		89664.00	
	vii. एन.पी.एस. पर संस्थान का अंशदान	925075.00		803217.00	
	viii. एन.पी.एस. पर ब्याज	96428.00		64885.00	
	कुल =	**139152417.00**		**126147913.00**	
	अनुसूची (पी)				
2.	प्रशासनिक व्यय				
	i. किराया दरें एवं कर	1677093.00		2064498.00	
	ii. अनुरक्षण एवं मरम्मत	1652326.00		667948.00	
	iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	1052319.00		1267254.00	
	iv. दूरभाष	877417.00		848338.00	
	v. यात्रा भत्ता	4759768.00		3523862.00	
	vi. विज्ञापन	1532594.00		559112.00	
	vii. लेखन सामग्री एवं छपाई	1113868.00		1535686.00	
	viii. लेखा परीक्षा शुल्क	167135.00		260644.00	
	ix. बिजली एवं पानी	2611692.00		2285861.00	
	x. विविध व्यय	10392412.00		8849178.00	
	xi. परीक्षा व्यय	2625314.00		3267266.00	
	xii. सी.सी. व्यय	3198.00			
	xiii. वर्दियां	89736.00		45550.00	
	xiv. कानूनी व्यय	213777.00		200523.00	
	xv. स्टॉफ व्यय	316033.00		352907.00	
	xvi. पूर्व शिक्षा शास्त्री	990255.00		1611814.00	
	xvii. कम्प्यूटर शिक्षा	226420.00		4427337.00	
	xviii. वसन्तोत्सव/कौमुदी महोत्सव	936054.00		937441.00	
	xix. वार्षिक सम्मेलन	2112519.00		565351.00	
	xx. विश्व संस्कृत सम्मेलन			3603539.00	
	xxi. एन.पी.एस.	76899.00			
	Total =	**33426829.00**		**36874109.00**	

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजनागत रुपये	योजनेतर रुपये	योग रुपये	पूर्ववर्ष रुपये
1	पूर्व बकाया				61987173.00
2 i	एच.आर.डी. मन्त्रालय से अनुदान	521967000.00		441400000.00	
3	केन्द्रीय योजना	1955860.00		7420870.00	
4	सम्मान राशि			39432000.00	
	अनुसूची (एम)				
5	कम पूंजीगत व्यय				
i	निर्माण कार्य (प्रगति पर)	18414225.00		83119400.00	
ii	फर्नीचर	2598087.00		4243292.00	
iii	मशीनरी उपकरण	1554313.00		740841.00	
iv	पुस्तकालय पुस्तकें	63968.00		110217.00	
v	प्रकाशन	596604.00		657365.00	
vi	प्रयोगशाला यन्त्र	69850.00		50930.00	
vii	संस्कृत पुस्तक खरीद (पुनर्मुद्रण)	1743692.00		2793232.00	
	Total =	**1743692.00**	**498862121.00**	**91715277.00**	**396537593.00**
	अनुसूची (एन)				
6	विविध प्राप्तियां				
i	सी.सी. प्राप्तियां		9058.00		21778.00
ii	परीक्षा		3252566.00		3418602.00
iii	अन्य प्राप्ति		4385028.00		3003558.00
iv	भविष्य निधि ब्याज		1154782.00		1575209.00
v	पूर्व शिक्षाशास्त्री		3225262.00		4251541.00
vi	संस्थान प्रकाशन		3527701.00		1795039.00
vii	मन्त्रालय प्रकाशन		476407.00		544438.00
viii	विविध स्रोतों से आय		154133.00		379276.00
ix	अनौपचारिक शिक्षा		1460734.00		933366.00
x	ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट		68191.00		67150.00
xi	पुस्तकालय				1007.00
xii	विविध संग्रह		1078.00		
xii	सी.पी.डब्ल्यू.डी.		395213.00		
	Total =		**18110153.00**		**15990964.00**

क्रमश:.....

क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्ववर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (क्यू)									
3. योजना									
i. शास्त्र चूड़ामणि	1791900.00		2036933.00						
ii. स्पेशल ओरियन्टल कोर्स	350400.00		267060.00						
iii. संस्कृत पुस्तकां की खरीद	6332342.00		4717654.00						
iv. संस्कृत साहित्य का उत्पादन	2286578.00		3339282.00						
v. डक्कन कॉलेज पुणे	4689000.00		9656000.00						
vi. राष्ट्रपति सम्मान	16919542.00		15427771.00						
vii. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	70743583.00		53492809.00						
viii. छात्रवृत्ति	62793392.00		12054168.00						
ix. स्वैच्छिक संस्कृत संस्थायें	101930669.00		75142178.00						
x. अखिल भारतीय प्रतियोगिता	731622.00		737777.00						
xi. एन.ई.पी.आर.	5662238.00		6746845.00						
xii. कन्टैट जनरेशन	375000.00		0.00						
xiii. दूरस्थ शिक्षा	3300.00		111.00						
xiv. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	21794587.00		22644011.00						
xv. संस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	1244875.00		2887537.00						
xvi. एन.जी.ओ.	16525132.00		12313390.00						
xvii. एन.जी.ओ. युनिवर्सिटी	8179441.00								
xviii. ग्रांट फार मार्डन टीचर्स	4104000.00								
xix. सी. डैक प्रोजेक्ट									
योग	326457601.00		221638526.00						
आय से व्यय की अधिकता	17955427.00		89855182.00						
कुल योग =	516992274.00		474515730.00		Grand Total =	516992274.00		474515730.00	

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजनागत रुपये	योजनेतर रुपये	योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	अनुसूची (यू)				
	देनदारियाँ				
1.	पूंजीगत निधि				
	पूर्व बकाया	272616251.00			
	वर्ष में जमा	46382993.00			
	वर्ष में समायोजन	4008906.00	314990338.00		272616251.00
2.	सी.पी.डब्ल्यू/पी.डब्ल्यू.डी. के पास जमा				
	पूर्व बकाया	278538334.00			
	वर्ष में जमा	13458000.00			
	वर्ष में समायोजन	34908684.00	257087650.00		278538334.00
	योग =		**572077988.00**		**551154585.00**
	अनुसूची (वी)				
3.	विन्यास निधि				
a	विन्यास निधि (जिन्दल ट्रस्ट)		148226.00		148226.00
b	आचार्य मेडल (दूबे सम्मान)		6000.00		6000.00
c	विन्यास निधि (सौमेया ट्रस्ट)		250000.00		250000.00
d	विन्यास निधि पर ब्याज (जिन्दल ट्रस्ट)				
	पूर्व बकाया	8588.00			
	वर्ष में जमा	0.00			
	वर्ष में समायोजन	8082.00	506.00		8588.00
e	विन्यास निधि पर ब्याज (दुबे ट्रस्ट)				
	पूर्व बकाया	1649.00			
	वर्ष में जमा	1200.00	449.00		1649.00
f	विन्यास निधि पर ब्याज (सौमेया ट्रस्ट)				
	पूर्व बकाया	18231.00			
	वर्ष में जमा	1560.00	19791.00		18231.00
g	विन्यास निधि (जी)		301.00		301.00
h	बैंक में जमा (जी)				
	पूर्व बकाया	153105.00			
	वर्ष में जमा	13027.00	166132.00		153105.00
i	एफ.डी.आर. (पी.एफ.)		2075691.00		2075691.00
	योग =		**2667096.00**		**2661791.00**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजनागत रुपये	योजनेतर रुपये	योग रुपये	पूर्ववर्ष रुपये
	अनुसूची (आर)				
1.	अचल अस्तियां				
a	भूमि एवं भवन				
	पूर्व बकाया	197037952.00			
	वर्ष में जमा	39469696.00	236507648.00		197037952.00
b	मशीनरी उपकरण				
	पूर्व जमा	14941317.00			
	वर्ष में जमा	1554313.00	16495630.00		14941317.00
c	फर्नीचर				
	पूर्व जमा	27417742.00			
	वर्ष में जमा	2598087.00			
	वर्ष में समायोजन	3720.00	30012109.00		27417742.00
d	पुस्तकालय पुस्तकें				
	पूर्व बकाया	15664695.00			
	वर्ष में जमा	350751.00			
	वर्ष में समायोजन	1078.00	16014368.00		15664695.00
e	प्रकाशन				
	पूर्व बकाया	10614378.00			
	वर्ष में तमा	596604.00			
	वर्ष में समायोजन	3527701.00	7683281.00		10614378.00
f	संस्कृत पुस्तकों की खरीद				
	पूर्व बकाया	5215220.00			
	वर्ष में जमा	1743692.00			
	वर्ष में समायोजन	476407.00	6482505.00		5215220.00
g	प्रयोगशाला उपकरण				
	वर्ष में जमा	425494.00			
	वर्ष में समायोजन	69850.00	495344.00		425494.00
h	कार		1299453.00		1299453.00
2.	जमा एवं अग्रिम				
a	सी.पी.डब्ल्यू.डी. में जमा				
	पूर्व बकाया	278538334.00			
	वर्ष में जमा	13458000.00			
	वर्ष में समायोजन	34908684.00	257087650.00		278538334.00
	योग =		**572077988.00**		**551154585.00**

क्रमश:.....

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजनागत रुपये	योजनेतर रुपये	योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
4.	आय से व्यय की अधिकता				
	पूर्व बकाया	58661219.00			
	वर्ष में जमा	17955427.00	76616646.00		58661219.00
	अनुसूची (डब्ल्यू)				
5.	अन्य देनदारियाँ				
a	अन्य जगहों को भेजने वाली राशि				
	पूर्व बकाया	-149822.00			
	वर्ष में जमा	11462401.00			
	वर्ष में समायोजन	11316423.00	-3844.00		-149822.00
b	ब्याना एवं जमानत				
	पूर्व बकाया	58300.00			
	वर्ष में जमा	27900.00			
	वर्ष में समायोजन	57100.00	29100.00		58300.00
c	पुस्तकालय सुरक्षित धन				
	पूर्व बकाया	166107.00			
	वर्ष में जमा	28800.00			
	वर्ष में समायोजन	20550.00	174357.00		166107.00
d	सामूहिक बीमा योजना				
	पूर्व बकाया	89397.00			
	वर्ष में जमा	704651.00			
	वर्ष में समायोजन	688639.00	105409.00		89397.00
e	जीवन बीमा प्रीमियम				
	पूर्व बकाया	-163720.00			
	वर्ष में जमा	1150719.00			
	वर्ष में समायोजन	1153353.00	-166354.00		-163720.00
f	छात्रकोष				
	पूर्व बकाया	23200.00			
	वर्ष में जमा	1400.00			
	वर्ष में समायोजन	3400.00	21200.00		23200.00
g	इन्कम टैक्स	0.00	200.00		200.00
h	फ़ेलोशिप				
	पूर्व बकाया	49780.00			
	वर्ष में जमा	252838.00			
	वर्ष में समायोजन	302618.00	0.00		49780.00
i	भविष्य निधि (वेतन योजना)		421.00		421.00
k	सम्मान राशि				
	पूर्व बकाया	39432000.00			
	वर्ष में समायोजन	13802452.00	25629548.00		39432000.00
	योग =		102406683.00		98167082.00
6.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि	150315746.00	138629324.00		
7.	छात्रकोष फंड	1512692.00	1778825.00		
	योग =	151828438.00	140408149.00		

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजनागत रुपये	योजनेतर रुपये	योग रुपये	पूर्ववर्ष रुपये
	अनुसूची (एस)				
3.	विन्यास निधि				
i	डी.ए.वी.पी. में जमा	53100.00	53100.00		53100.00
ii	विन्यास निधि व्यय (जिन्दल ट्रस्ट)		148226.00		148226.00
iii	आचार्य छात्रों को पुरस्कार (दूबे)		6000.00		6000.00
iv	विन्यास निधि व्यय (सौमेया ट्रस्ट)		250000.00		250000.00
v	बैंक में जमा (जी)				
	पूर्व बकाया	153105.00			
	वर्ष में समायोजन	13027.00	166132.00		153105.00
vi	बी.एस.ई.एस. में जमा		174065.00		174065.00
vii	एफ.डी.आर.		17075691.00		17075691.00
	योग =		17873214.00		17860187.00
	अनुसूची (टी)				
4.	अग्रिम वसूली				
a	विविध व्यय				
	पूर्व बकाया	91356.00			
	वर्ष में जमा	3054544.00			
	वर्ष में समायोजन	3092900.00	53000.00		91356.00
b	अग्रिम एल.टी.एस.				
	पूर्व बकाया	74002.00			
	वर्ष में जमा	484590.00			
	वर्ष में समायोजन	484182.00	74410.00		74002.00
c	अग्रिम टी.ए.				
	पूर्व बकाया	315750.00			
	वर्ष में जमा	1066002.00			
	वर्ष में समायोजन	1185503.00	196249.00		315750.00
d	अग्रिम किराया				
	पूर्व बकाया	4169449.00			
	वर्ष में जमा	933050.00			
	वर्ष में समायोजन	1024141.00	4078358.00		4169449.00
e	अग्रिम त्यौहार				
	पूर्व बकाया	106740.00			
	वर्ष में जमा	226500.00			
	वर्ष में समायोजन	195650.00	137590.00		106740.00
f	परीक्षा अग्रिम				
	पूर्व बकाया	2345839.00			
	वर्ष में जमा	350000.00			
	वर्ष में समायोजन	342076.00	2353763.00		2345839.00
g	कम्पयुटर शिक्षा				
	पूर्व बकाया	1347965.00			
	वर्ष में जमा	415000.00			
	वर्ष में समायोजन	355580.00	1407385.00		1347965.00
h	फैन अग्रिम				
	पूर्व बकाया	40.00			
	वर्ष में जमा	8000.00			
	वर्ष में समायोजन	6540.00	1500.00		40.00

क्रमशः.....

i	मेडिकल अग्रिम			
	पूर्व बकाया	27000.00		
	वर्ष में जमा	75400.00		
	वर्ष में समायोजन	71400.00	31000.00	27000.00
j	अन्य		13549.00	13549.00
	योग =		8346804.00	8491690.00
5.	नकद रोकड़			
i	हाथ में रोकड़		367634.00	323903.00
	बैंक में बकाया			
ii	बचत खाता		78486127.00	34671313.00
iii	बचत खाता फैलोशिप			49780.00
iv	बचत खाता सम्मान राशि			39432000.00
6.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		150315746.00	138629324.00
7.	छात्रकोष फंड		1512692.00	1778825.00
	कुल योग =		828980205.00	792391607.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

क्र.सं.		योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
4.	आय से व्यय की अधिकता				
	पूर्व बकाया	58661219.00			
	वर्ष में जमा	17955427.00	76616646.00		58661219.00
	अनुसूची (डब्ल्यू)				
5.	अन्य देनदारियाँ				
a	अन्य जगहों को भेजने वाली राशि				
	पूर्व बकाया	-149822.00			
	वर्ष में जमा	11462401.00			
	वर्ष में समायोजन	11316423.00	-3844.00		-149822.00
b	व्याना एवं जमानत				
	पूर्व बकाया	58300.00			
	वर्ष में जमा	27900.00			
	वर्ष में समायोजन	57100.00	29100.00		58300.00
c	पुस्तकालय सुरक्षित धन				
	पूर्व बकाया	166107.00			
	वर्ष में जमा	28800.00			
	वर्ष में समायोजन	20550.00	174357.00		166107.00
d	सामूहिक बीमा योजना				
	पूर्व बकाया	89397.00			
	वर्ष में जमा	704651.00			
	वर्ष में समायोजन	688639.00	105409.00		89397.00
e	जीवन बीमा प्रीमियम				
	पूर्व बकाया	-163720.00			
	वर्ष में जमा	1150719.00			
	वर्ष में समायोजन	1153353.00	-166354.00		-163720.00
f	छात्रकोष				
	पूर्व बकाया	23200.00			
	वर्ष में जमा	1400.00			
	वर्ष में समायोजन	3400.00	21200.00		23200.00
g	इन्कम टैक्स	0.00	200.00		200.00
h	फेलोशिप				
	पूर्व बकाया	49780.00			
	वर्ष में जमा	252838.00			
	वर्ष में समायोजन	302618.00	0.00		49780.00
i	भविष्य निधि (वेतन योजना)		421.00		421.00
k	सम्मान राशि				
	पूर्व बकाया	39432000.00			
	वर्ष में समायोजन	13802452.00	25629548.00		39432000.00
	योग =		102406683.00		98167082.00
6.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		150315746.00		138629324.00
7.	छात्रकोष फंड		1512692.00		1778825.00
	योग =		151828438.00		140408149.00

क्र.सं.		योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्ववर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
	अनुसूची (एस)				
3.	विन्यास निधि				
i	डी.ए.वी.पी. में जमा	53100.00		53100.00	53100.00
ii	विन्यास निधि व्यय (जिन्दल ट्रस्ट)			148226.00	148226.00
iii	आचार्य छात्रों को पुरस्कार (दूबे)			6000.00	6000.00
iv	विन्यास निधि व्यय (सौमेया ट्रस्ट)			250000.00	250000.00
v	बैंक में जमा (जी)				
	पूर्व बकाया	153105.00			
	वर्ष में समायोजन	13027.00		166132.00	153105.00
vi	बी.एस.ई.एस. में जमा			174065.00	174065.00
vii	एफ.डी.आर.			17075691.00	17075691.00
	योग =			17873214.00	17860187.00
	अनुसूची (टी)				
4.	अग्रिम वसूली				
a	विविध व्यय				
	पूर्व बकाया	91356.00			
	वर्ष में जमा	3054544.00			
	वर्ष में समायोजन	3092900.00		53000.00	91356.00
b	अग्रिम एल.टी.एस.				
	पूर्व बकाया	74002.00			
	वर्ष में जमा	484590.00			
	वर्ष में समायोजन	484182.00		74410.00	74002.00
c	अग्रिम टी.ए.				
	पूर्व बकाया	315750.00			
	वर्ष में जमा	1066002.00			
	वर्ष में समायोजन	1185503.00		196249.00	315750.00
d	अग्रिम किराया				
	पूर्व बकाया	4169449.00			
	वर्ष में जमा	933050.00			
	वर्ष में समायोजन	1024141.00		4078358.00	4169449.00
e	अग्रिम त्यौहार				
	पूर्व बकाया	106740.00			
	वर्ष में जमा	226500.00			
	वर्ष में समायोजन	195650.00		137590.00	106740.00
f	परीक्षा अग्रिम				
	पूर्व बकाया	2345839.00			
	वर्ष में जमा	350000.00			
	वर्ष में समायोजन	342076.00		2353763.00	2345839.00
g	कम्पयुटर शिक्षा				
	पूर्व बकाया	1347965.00			
	वर्ष में जमा	415000.00			
	वर्ष में समायोजन	355580.00		1407385.00	1347965.00
h	फैन अग्रिम				
	पूर्व बकाया	40.00			
	वर्ष में जमा	8000.00			
	वर्ष में समायोजन	6540.00		1500.00	40.00

क्रमश:.....

i	मेडिकल अग्रिम				
	पूर्व बकाया	27000.00			
	वर्ष में जमा	75400.00			
	वर्ष में समायोजन	71400.00		31000.00	27000.00
j	अन्य			13549.00	13549.00
	योग =			8346804.00	8491690.00
5.	नकद रोकड़				
i	हाथ में रोकड़			367634.00	323903.00
	बैंक में बकाया				
ii	बचत खाता			78486127.00	34671313.00
iii	बचत खाता फैलोशिप				49780.00
iv	बचत खाता सम्मान राशि				39432000.00
6.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि			150315746.00	138629324.00
7.	छात्रकोष फंड			1512692.00	1778825.00
	कुल योग =	828980205.00	792391607.00	828980205.00	792391607.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 वर्षीय समेकित अं.भ.नि./सा.भ.नि. की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
	अनुसूची (यू)			अनुसूची (आर)		
1	पूर्व बकाया	7851236.00	12715152.00	1. अन्तिम भुगतान	12913446.00	8716054.00
2.	अंशदायी भविष्य निधि	15116718.00	14556405.00	2. भविष्य निधि अग्रिम	6950136.00	7984620.00
3.	भविष्य निधि अग्रिम से वसूली	6547675.00	6696308.00	3. सावधि योजना की खरीद	63712405.00	56138148.00
4.	भविष्य निधि नकद अग्रिम वसूली	21460.00	277635.00	4. अन्य संस्थाओं को भेजी राशि	4186181.00	2794713.00
5.	सावधि योजना से प्राप्त	50813214.00	38715376.00	5. भविष्य निधि का ब्याज मुख्य खातों में	1707968.00	1687393.00
6.	सावधि योजना से प्राप्त ब्याज	7416991.00	5829617.00	6. बैंक चार्ज	9307.00	10032.00
7.	बचत खाते से ब्याज	210415.00	295861.00			
8.	दूसरी संस्थाओं से प्राप्त	4326333.00	3337270.00	बचत खाता		
9.	संस्थान का अंशदान	208344.00	201302.00	7. बैंक में शेष	6257466.00	7851236.00
10.	भविष्य निधि ब्याज का मुख्य खाते में स्थानान्तरण	3219740.00	2473289.00			
11.	स्थानान्तरण जमा की वसूली	4783.00	83981.00			
	कुल योग =	95736909.00	85182196.00	कुल योग =	95736909.00	85182196.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 का अं.भ.नि./सा.भ.नि. का तुलन पत्र

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष			भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1. रोकड़ निधि					1. भविष्य निधि अग्रिम				
पूर्व बकाया	127687692.00				पूर्व बकाया	10941632.00			
वर्ष में जमा	151598078.00				वर्ष में जमा	6950136.00			
वर्ष में समायोजन	140292657.00	**138993113.00**		**127687692.00**	वर्ष में समायोजन	6569135.00	**11322633.00**		**10941632.00**
2. भविष्य निधि अग्रिम					2. सावधि जमा				
पूर्व बकाया	10941632.00				पूर्व बकाया	119836456.00			
वर्ष में जमा	6950136.00				वर्ष में जमा	63712405.00			
वर्ष में समायोजन	6569135.00	**11322633.00**		**10941632.00**	वर्ष में समायोजन	50813214.00	**132735647.00**		**119836456.00**
					3. बचत खाता				
					पूर्व बकाया	7851236.00			
					वर्ष में जमा	87885673.00			
					वर्ष में समायोजन	89479443.00	**6257466.00**		**7851236.00**
कुल योग :-		**150315746.00**		**138629324.00**	कुल योग :-		**150315746.00**		**138629324.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 वर्षीय समेकित एन.पी.एस. की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

प्राप्तियाँ		चालू वर्ष			भुगतान		चालू वर्ष			
क्र.सं.		योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.		योजनागत	योजनेतर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष		रुपये रुपये	रुपये	रुपये		
I	नकद बताया					1.	सावधि खरीद	1200000.00	1375000.00	2575000.00	500000.00
						2.	अन्य परिसरों को	166314.00		166314.00	52195.00
	बैंक बकाया						राशि				
i.	बचत बकाया	639486.00	955780.00	1595266.0	669915.00	3.	ब्याज सरकारी खाते में	8566.00	51598.00	60164.00	8285.00
ii.	कर्मचारी समायोजन	508156.00	533076.00	1041232.00	695983.00	4.	बैंक कलेक्शन चार्ज	934.00		934.00	
iii.	संस्थान अंशदान	492974.00	534381.00	1027355.00	692534.00	5.	बैंक बकाया				
iv.	सरकारी सहभागिता	72413.00	64753.00	137166.00	64885.00	i.	बचत खाता	681343.00	947505.00	1628848.00	1595266.00
v.	ब्याज एन.पी.एस.	27217.00	31853.00	59070.00	32429.00						
vi.	पूर्व बकाया	123897.00	254260.00	378157.00							
vii.	बचत खाते से प्राप्त ब्याज (अन्य संस्थान शाखाओं से)	193014.00		193014.00							
	कुल योग :-	**2057157.00**	**2374103.00**	**4431260.00**	**2155746.00**		कुल योग :-	**2057157.00**	**2374103.00**	**4431260.00**	**2155746.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 का समेकित एन.पी.एस. का तुलन पत्र

देनदारियां				अस्तियां			
क्र.सं.	चालू वर्ष		रुपये	क्र.सं.	चालू वर्ष		
रुपये रुपये				रुपये रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1. रोकड़ फंड				1. सांविध योजना			
(i) पूर्व बकाया	2095266.00			(i) पूर्व बकाया	500000.00		
(ii) वर्ष में जमा	5410994.00			(ii) वर्ष में जमा	2575000.00	**3075000.00**	**500000.00**
(iii) वर्ष में समायोजन	2802412.00	**4703848.00**	**2095266.00**	2. बचत खाता			
				(i) पूर्व बकाया	1595266.00		
				(ii) वर्ष में जमा	2835994.00		
				(iii) वर्ष में समायोजन	2802412.00	**1628848.00**	**1595266.00**
कुल योग :-		**4703848.00**	**2095266.00**	कुल योग:-		**4703848.00**	**2095266.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 का समेकित तुलन पत्र में अचल आस्तियों के जमा का ब्यौरा

क्र.सं.	परिसर का नाम	भवन	मशीनरी	फर्नीचर	पुस्तक, पुस्तकें	प्रकाशन	सं. पुस्तकों की खरीद	प्र. शाला उपकरण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.
1.	पुरी	1528391.00	215744.00	959102.00	1082			69850	
2.	जम्मू		299343.00	371866.00	175.00				5000000.00
					101195.00				
3.	इलाहाबाद			4500.00	187146.00				
4.	गुरुवयूर		35170.00		4511.00				
5	जैयपुर		51899.00	546474.00	15738.00				
6.	लखनऊ		731.00	154087.00					2800000.00
7.	श्रीगेरी	32985080.00		3825.00	3535.00	26000.00			
8	गरली		8075.00	28634.00	821.00				1361200.00
9.	भोपाल			40478.00	5185.00				4296800.00
10.	मुम्बई	4956225.00	65000.00	463846.00	20000.00				
11.	मुख्यालय		878351.00	25275.00	11363.00	570604.00	1743692.00		
	कुल योग =	**39469696.00**	**1554313.00**	**2598087.00**	**350751.00**	**596604.00**	**1743692.00**	**69850.00**	**13458000.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)

संलग्नक-ढ (क्रमश:....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2008 का समेकित तुलन पत्र में अचल आस्तियों के समायोजन का ब्यौरा

क्र.सं.	परिसर का नाम	भवन	मशीनरी	फर्नीचर	पुस्तक, पुस्तकें	प्रकाशन	सं. पुस्तकों की खरीद	प्र. शाला उपकरण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.
1.	पुरी					1783.00			1528391.00
2.	जम्मू								
3.	इलाहाबाद								
4.	गुरुवयूर								395213.00
5	जयपुर								
6.	लखनऊ								
7.	श्रीगेरी			3720.00					32985080.00
8	गरली								
9.	भोपाल								
10.	मुम्बई								
11.	मुख्यालय					3525918.00	476407.00		
	कुल योग =			**3720.00**		**3527701.00**	**476407.00**		**34908684.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
कुलसचिव (प्रभारी)